हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की कार्यवाही, सोमवार, दिनांक 27 अगस्त, 2018 को अध्यक्ष, डॉ राजीव बिन्दल की अध्यक्षता में हिमाचल प्रदेश विधान सभा के कौंसिल चैम्बर, शिमला -171004 में 2.00 बजे (अपराह्न) आरम्भ हुई।

प्रश्न काल

तारांकित प्रश्न

27.8.2018/1400/av/hk/1

अध्यक्ष : प्रश्न काल आरम्भ।

व्यवस्था का प्रश्न

श्री राकेश पठानिया : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप क्या कहना चाह रहे हैं?

श्री राकेश पठानिया : अध्यक्ष महोदय, मेरे पास राजस्थान के समाचार पत्र की एक कापी है। राजस्थान में एक कांड के दौरान लड़की पर लाठीचार्ज हुआ था। समाचार पत्र के फ्रंट पेज पर जो फोटोग्राफ़ लगी है यह वहां की है और यहां कहा जा रहा है कि शिमला में लड़की का सिर फटा।

अध्यक्ष : कौन लड़की है? आप इस कापी को टेबल पर रख दीजिए।

श्री राकेश पठानिया : अध्यक्ष महोदय, यहां पर जिस तरीके से सरकार को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है यह बहुत ही निन्दनीय है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : माननीय अध्यक्ष जी, (---व्यवधान---) हमने आपको नियम-67 के तहत नोटिस दिया था। हमारे माननीय साथी राकेश पठानिया जी बहुत ही जल्दी में हैं। मुद्दे ऐसे ख़ारिज नहीं हुआ करते जिस ढंग से ये करने का प्रयास कर रहे हैं। मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि यह कहां का व्यक्ति है, यह कहां का व्यक्ति है? (समाचार पत्रों की कुछ कतरने दिखाते हुए कहा।)

अध्यक्ष : मुकेश जी, आप कुर्सी की तरफ देखकर बात करें, (---व्यवधान---) नहीं तो मैं अलाउ नहीं करूंगा। (---व्यवधान---)

श्री मुकेश अग्निहोत्री : यह कहां का व्यक्ति है? (---व्यवधान---)

Speaker : Not to be recorded. (---व्यवधान---) Not to be recorded.

27.8.2018/1400/av/hk/2

(विपक्ष की तरफ से सभी माननीय सदस्य अपनी-अपनी जगह खड़े होकर नारेबाजी करते रहे।)

(सत्ता पक्ष के सदस्य भी अपनी-अपनी जगह खड़े हो गए)

(व्यवधान)

श्री टी सी द्वारा जारी

27-08-2018/1405/TCV/HK/1
व्यवस्था का प्रश्न --- जारी

(विपक्ष के सभी माननीय सदस्य सभा मण्डप में खड़े होकर नारेबाज़ी करते रहे।)
____(व्यवधान)_____

श्रीमती एन0 एस0 .... द्वारा जारी ।

27-08-2018/1410/NS/YK/1

(विपक्ष के सभी माननीय सदस्य सभा मण्डप में खड़े होकर नारेबाज़ी करते रहे।)

अध्यक्षः क्या आपका प्रोटैस्ट हो गया है?
(विपक्ष के सभी माननीय सदस्य सभा मण्डप में खड़े होकर लगातार नारेबाज़ी करते रहे।)

--------(**व्यवधान**)-------

Speaker: The House is adjourned till 2.30 p.m.

27.08.2018/1435/RKS/AG-1

(सदन की बैठक 2:35 बजे अपराह्न माननीय अध्यक्ष, डॉ0 राजीव बिन्दल जी की अध्यक्षता में पुनः आरम्भ हुई।)

अध्यक्षः आज मुझे 4 माननीय सदस्यों, श्री मुकेश अगिनहोत्री, श्रीमती आशा कुमारी, श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु व श्री जगत सिंह नेगी जी से नियम-67 के अंतर्गत नोटिस प्राप्त हुए हैं। (...व्यवधान...)माननीय सदस्य, श्री मुकेश अग्निहोत्री जी आप क्या कहना चाहते हैं?

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, जब 24 अगस्त को बाहर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन चल रहा था तो उसमें पुलिस बल का प्रयोग किया गया जिसमें पुलिस द्वारा लाठीचार्ज व पत्थरबाजी की गई। इस लाठीचार्ज और पत्थरबाजी से जो हमारे नौजवान घायल हुए हैं उसका सारा रिकॉर्ड हम सदन में उपलब्ध करवा देंगे।

श्री बी0एस0 द्वारा ...जारी

27.08.2018/1440/बी.एस/ए.जी./-1

श्री मुकेश अग्निहोत्री ____जारी...

कितना खून उन नौजवानों का बहा है, यह हमारे लिए पीड़ा दायक है। हम इस मामले पर मानीय मुख्य मंत्री जी से न्यायिक जांच की मांग करते हैं ताकि जांच में दूध-का-दूध और पानी-का-पानी हो सके और सच्चाई लोगों के सामने आ सके। इसमें जिन अधिकारियों ने घटना स्थल पर डंडा, पत्थर और पानी फैंकने के आदेश दिए हैं उनके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाए। विपक्ष की सरकार से दो सूत्रीय मांग है कि घटना की जांच के आदेश करें। वहां पर अनप्रवोक लाट्ठी- चार्ज हुआ है और उसके बदले भाजपा की तरफ से यह कहना बिल्कुल गलत है, खास तौर से माननीय राकेश पठानिया जी जिस तरह से बात कह रहे हैं। क्या विपक्ष को अपनी बात रखने का अधिकार नहीं है? यह सत्ता पक्ष की तरफ से बहुत हैरान कर देने वाली बात है। हमारे संसदीय कार्य मंत्री जी कह रहे हैं कि दीप कमल में लाट्ठी चली थी उसका यह बदला था।

अध्यक्ष : आरदणीय मुकेश जी, आपकी बात आ गई है। मुझे लगता है कि यह अलग चर्चा का विषय आ जाएगा।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः: माननीय अध्यक्ष महोदय, यह कोई बदले बाली बात नहीं है कि भाजपा के लोग कहें कि उनके पार्टी कार्यालय में पत्थर चले थे।

अध्यक्ष : आदरणीय मुकेश जी, आपका विषय आ गया है। कृपया बैठ जाईए ।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सभा पटल पर कुछ बात रखना चाहता हूं और माननीय मुख्य मंत्री जी के ध्यान में भी विषय को लाना चाहता हूं।

अध्यक्ष : क्या अब नियम 62 पर चर्चा आरम्भ कर दें?

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : अध्यक्ष महोदय, आप जो मर्जी चर्चा करवा लीजिए, हम सब चीजों के लिए तैयार हैं।

27.08.2018/1440/बी.एस/ए.जी./-2

अध्यक्ष : मैं अपना निर्णय दे देता हूं।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : माननीय अध्यक्ष महोदय, इससे पहले की आप अपना निर्णय दें, मैं दो मिनट आपसे चाहूंगा। माननीय मुख्य मंत्री जी सभागार में बैठे हुए थे, विपक्ष ने उनसे उस समय भी बताया था कि युवा कांग्रेस का एक आंदोलन हो रहा है और उनमें से कुछ लोग अपना ज्ञापन माननीय मुख्य मंत्री जी को देना चाहते हैं। जब वे ज्ञापन देने के लिए बैरीकेड्स पार कर रहे थे तो पानी की बौछारों से उन लोगों को तितर-बितर कर दिया था परंतु उसी समय एक पुलिस वाले ने पत्थर उठाया और उनके ऊपर मार दिया। हमारी पूरी चर्चा इस पर हुई है। हम चाहते हैं कि माननीय मुख्य मंत्री जी आप इसकी न्यायिक जांच करवाएं। अगर युवा कांग्रेस के लोग गलत हैं तो उनके ऊपर कार्रवाई करिए और अगर पुलिस के लोग या पुलिस अधिकारी गलत हैं तो उनके ऊपर कार्रवाई करिए। यही हम माननीय मुख्य मंत्री जी से चाहते हैं।

श्री राकेश पठानिया : माननीय अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)...

श्री मुकेश अग्निहोत्री:: माननीय अध्यक्ष महोदय, इस संबंध में हम माननीय मुख्य मंत्री जी से जवाब चाहते हैं। हमारी बात माननीय मुख्य मंत्री जी से है। यह नहीं होगा कि प्रश्न किसी का हो और उत्तर कोई और दे।

अध्यक्ष : मैने माननीय सदस्य को अनुमति दी है।

श्री राकेश पठानिया : आप अगर अपनी बात कर सकते हैं तो क्या हम नहीं कर सकते?
.....(व्यवधान).....

(विपक्ष के माननीय सदस्य वैल में आए और नारे-बाजी करने लगे।)

श्री डी.टी. द्वारा जारी

27.08.2018/1445/DT/DC-1

प्रश्न काल

_____(**व्यवधान**)_____

अध्यक्षः प्रश्न संख्याः 18 (श्री राम लाल ठाकुर)

अनुपस्थित ।

27.08.2018/1445/DT/DC-2

प्रश्न संख्याः 635

श्री नरेन्द्र ठाकुरः अध्यक्ष जी, मैं माननीय मुख्य मंत्री और माननीय खेल मंत्री का धन्यवाद करना चाहूंगा कि हमीरपुर में इंडोर स्टेडियम की काफी जरूरत थी जिसका प्रोसैस शुरू हो गया है। मैं यह मांग करता हूं कि इंडोर स्टेडियम के लिए आदेश दिए जाएं कि वे जल्द-से-जल्द तैयार हो जाए और इसके लिए मैं माननीय मंत्री जी से आश्वासन भी चाहूंगा।

वन मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य जी ने जो प्रश्न किया है भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद श्री जय राम ठाकुर जी मुख्यमंत्री बनने के उपरांत हमीरपुर में श्रेणी-1 - इंडोर स्डेडियम जोकि 40 फुट लम्बा, 25 फुट चौड़ा और 12 मीटर ऊंचा बनेगा। हम वहां पर 'ए' ग्रेड का स्डेडियम बनाएगें जिसके लिए हमने भूमि भी तलाश कर दी है। गांव दिगनारी, ग्राम पंचायत भाजुरी पर 16 कनाल भूमि भी देख लीहै । भूमि को ट्रांसफर करने के पेपर 7 मई, 2018 को हमने जिलाधीश हमीरपुर को भेजे दिएं हैं। बहुत जल्द भूमि ट्रासफर होगी और बहुत जल्द इस इंनडोर स्डेडियम का कार्य शुरू करेंगे।

श्री नरेन्द्र ठाकुरः मैं इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय खेल मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ।

(विपक्ष के सभी माननीय सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए)

27.08.2018/1445/DT/DC-3

<u>प्रश्न सख्यां : 636</u>

श्री किशोरी लालः माननीय अध्यक्ष महोदय,मेरे चुनाव क्षेत्र में 90% लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवनी है और मेरे चुनाव क्षेत्र में बागवानी विभाग के जो पद खाली पड़े है वे पद कब तक भरे जाएंगे क्योंकि इससे बहुत ज्याद समस्या हो रही उसमे विशेष कर उद्यान विकास अधिकारी तथा उद्यान प्रसार अधिकारी के बहुत सारे पद खाली पड़े हैं। अध्यक्ष महोदय,मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यह पद कब तक पद भर दिए जाएगें?

सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्री : अदरणीय अध्यक्ष जी माननीय सदस्य ने जो जानना चाहा है कि आनी विधान सभा क्षेत्र के अन्दर विभिन्न श्रेणीयों के कितने पद खाली हैं। उद्यान विकास अधिकारी के 6 पद स्वीकृत हैं और 6 के 6 खाली हैं। वैसे ही उद्यान प्रसार अधिकारी के 18 पद स्वीकृत हैं और 10 भरे हुए हैं 8 खाली है। उद्यान विकास अधिकारियों के कुल स्वीकृत पद 264 है, 264 पदों में से मात्र 92 पद भरे हुए है और 172 पद खाली पड़े है। इन 172 पदों में से 71 पद जो है वह पब्लिक सर्विस कमीश्न को भेज दिए गए है। अब हम कोशिश कर रहे है कि पब्लिक सर्विस कमीश्न जो जल्दी इसकी एडवरटाइजमैंट करें और इन पदों को भरे।

श्री एन जी द्वारा

27/8/2018/1450/डी0सी0/एन0जी0-1

सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मन्त्री जारी.....!

क्योंकि HDO के जो पद हैं वह 50 प्रतिशत direct recruitment के माध्यम से और 50 प्रतिशत प्रमोशन के माध्यम से भरे जाते है । जब इन पदों को भरा जाएगा उस समय आन्नी विधानसभा क्षेत्र में पदों की रिक्तियां को ध्यान में रखा जाएगा । इसके इलावा उद्यान प्रसार अधिकारी के 510 पद पूरे प्रदेश के लिए स्वीकृत हैं। जिसमें से 398 भरें हुए हैं और 112 पद खाली हैं । हमारे पास उद्यान विभाग में बडे-बडे प्रोजैक्ट आए हैं। इन प्रोजैक्टों को लागू करने व इनका कार्य समय सीमा के अन्दर पूरा करने के लिए, जहां हमें रिक्त पदों को शीघ्र भरने की आवश्यक्ता है वहीं नए पदों का सृजन करने की भी आवश्यक्ता है । मैं माननीय सदन के ध्यान में लाना चाहता हूं कि इसमें कुछ ऐसी विसंगतियां हैं जैसे कुछ ब्लॉक ऐसे हैं वहां पदों का सृजन बहुत अधिक हुआ है और कुछ बलॉक ऐसे हैं जहां पदों का सृजन बहुत कम हुआ है । इसलिए हम प्रदेश के सभी विकास खण्डो का rationalization करेंगे ताकि पूरे प्रदेश में एकरूपता लाई जा सके । एकरूपता लाने के लिए जहां हमें लगेगा की खाली पदों को भरा जाना चाहिए या पदों का अतिरिक्त सृजन किया जाना जरूरी है। हम माननीय मुख्यमन्त्री जी के ध्यान में यह बात लायेंगे और उन पदों को भरेंगे । माननीय मुख्यमन्त्री जी से मैं आग्रह करूंगा कि इन पदों को भरने के लिए विशेष ध्यान दें ताकि हमारे पास जो बडे-बडे प्रोजैक्ट आए हैं उन प्रोजैक्टों को समय सीमा के अन्दर पूर्ण किया जा सकें।

27/8/2018/1450/डी0सी0/एन0जी0-2

अध्यक्षः माननीय मुख्यमन्त्री जी, कुछ कहना चाहते हैं ।

मुख्यमन्त्रीः अध्यक्ष महोदय, मुझे लगता है कि प्रश्न काल को पूरा कर लिया जाए उसके बाद मैं कुछ कहुं तो ज्यादा उचित रहेगा। क्योंकि रोजाना प्रश्न काल छूटता जा रहा है । प्रश्न काल के बाद हमारे विपक्ष के जो मित्र बाहर गए हैं उसके बारे में मुझे जरूर कहना है1

27/8/2018/1450/डी0सी0/एन0जी0-3

प्रश्न संख्याः 637

श्री परमजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, बददी नगर परिषद क्षेत्र के सन्दर्भ में माननीय मन्त्री जी ने जो उत्तर दिया है उसमें एक बात तो स्वीकार की गई है कि बददी नगर परिषद क्षेत्र में 25 बोरवैल अवैध लगे हैं और वहां अवैध कब्जें व अवैध निर्माण हुए हैं । बददी नगर परिषद के अन्तर्गत यदि एक गरीब आदमी रेहडी लगाता है तो उस से 900 रूपये लिए जाते है, अगर एक खोका लगाता है तो उससे 1800 रूपये लिए जाते हैं। लेकिन जो रसूखदार लोग हैं, जिन्होंने अवैध रूप से हाउसिंग बोर्ड के 15-15, 20-20 कमरे पर कब्जा किया हुआ है, अवैध निर्माण किया हुआ है और वो लोगों से 50-50 हजार रूपये किराया ले रहे हैं, उनके ऊपर विभाग ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की है । इसका सबसे बडा कारण यह है कि जब से बददी नगर परिषद बनी है तब से वहां की सत्ता पर एक ही परिवार क़ाबिज़ है । वो लोग खुद खडे होकर अवैध निर्माण करवाते हैं, अवैध कब्जे करवातें हैं, अवैध बोरवैल लगवाते हैं । जिन लोगों ने बहुत महंगे रेट पर हिमुडा की दुकाने खरीदी हैं आज वो लोग भुखे मर रहे हैं क्योंकि कुछ लोगों ने घरों के अन्दर ही दुकाने खोल रखी हैं। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से प्रार्थना करता हूं कि उन लागों पर कार्रवाई होनी चाहिए जिन लोगों ने अवैध कब्जे किए हैं, अवैध निर्माण किए हैं और जिन्होंने घरों में दुकाने खोल रखी है ।

शहरी विकास मन्त्रीः अध्यक्ष महोदय, हाउसिंग कलोनी बददी फेस-1,2,3 है, जोकि हिमुडा द्वारा निर्माण किया गया था और बाद में इसको बददी नगर परिषद के अधीन कर दिया गया जिसे BBNDA ने अप्रूव कर दिया था । जून माह में कुछ लोगों ने ये मामला हमारे ध्यान में लाया हिमुडा द्वारा बददी तहसीलदार को 23-07-2018 को निशानदेही के लिए

पत्र लिखा है, लेकिन अभी तक राजस्व विभाग द्वारा निशानदेही करना अपेक्षित है । अवैध कब्जों के जो मामले हिमुडा के ध्यान में लाए गए हैं, हिमुडा ने अपने स्तर पर उनके पानी के कनैक्शन काट दिए हैं और इसके साथ-साथ उन्होंने ग्राउन्ड वाटर आईपीएच के पास है,

श्री आर0जी0 द्वारा जारी.....

27/08/2018/1455/RG/HK/1

प्रश्न सं. 637-----क्रमागत

शहरी विकास मंत्री-----जारी

जो इलैक्ट्रिसिटी प्रोवाइड करवा रहे हैं और इन्होंने उन अवैध नलकूल या हैण्डपम्प्ज की बात कही है, तो इसके लिए भी उनको पत्र लिख दिया गया है और पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को भी पत्र लिखा गया है, वे भी अपनी कार्रवाई करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने मेरे ध्यान में लाया है कि कुछ लोगों ने अवैध निर्माण शॉप्स के रूप में भी किया है तो इसके लिए जो भी उचित जांच करने की आवश्यकता होगी, सरकार इसमें जांच करवाएगी। इसके अतिरिक्त एम.सी., बद्दी ने सात लोगों को नोटिस दिया है और जो अनधिकृत निर्माण के मामले हैं, एम.सी. ने अपने स्तर पर भी कुछ आईडैन्टीफाई किए हैं और अवैध निर्माण के संबंध में राजस्व विभाग से अपेक्षित है कि वह नाप-नपाई करके हमें बताएंगे और जो भी उचित कार्रवाई करने की बात होगी, चाहे वह अमीर हो या गरीब हो, सरकार अपने स्तर पर सभी की जांच करेगी और नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

27/08/2018/1455/RG/HK/3

अध्यक्ष : प्रश्न सं. 638, श्री सतपाल सिंह रायजादा अनुपस्थित ।

प्रश्न सं. 639, श्री विनय कुमार, अनुपस्थित।

प्रश्न सं. 640, श्री विक्रमादित्य सिंह, अनुपस्थित।

प्रश्न सं. 641, श्री सुख राम, अनुपस्थित।

प्रश्न सं. 642, श्री बिक्रम सिंह जरयाल, अनुपस्थित।

27/08/2018/1455/RG/HK/3

प्रश्न सं. 643

श्री सुरेन्द्र शौरी : अध्यक्ष महोदय, जो सूचना प्राप्त हुई है उसके अनुसार वर्ष 2002 से बन्जार में सब्जी मण्डी के लिए भूमि का चयन हुआ है और आज 16 वर्ष बीतने के बाद भी बन्जार में सब्जी मण्डी की भूमि का मामला अभी तक क्लीयर नहीं हुआ है, भवन निर्माण तो दूर की बात है। लेकिन मैं मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहूंगा कि अब जो भूमि का चयन हुआ है और वन विभाग से भूमि के एफ.सी.ए. का जो केस बनना है और वहां जो नर्सरी है, उसको ट्रांसफर करना है, उसको जल्दी करें ताकि बन्जार में सब्जी मण्डी भवन जल्दी बने।

कृषि मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने सही कहा है कि वर्ष 2002 में यहां आठ बीघा जमीन विभाग के नाम पर दी गई थी। लेकिन हमारे नियमों के अनुसार कम-से-कम 15 बीघा जमीन चाहिए। हमने 40,00,000/-रुपये वन विभाग को जमा कर दिए हैं जैसे ही जमीन का स्थानान्तरण विभाग के नाम पर होगा, मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं कि हम बहुत जल्दी यहां सब्जी मण्डी का कार्य शुरू करेंगे। अभी जमीन का मामला प्रोसेस में है।

27/08/2018/1455/RG/HK/4

अध्यक्ष : स्थगित प्रश्न सं. 644, श्री राम लाल ठाकुर, अनुपस्थित।

27/08/2018/1455/RG/HK/5

प्रश्न सं. 645

श्री राकेश सिंघा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से माननीय मंत्री जी से जानकारी हासिल करना चाहूंगा कि जो के.सी.सी. बैंकों से लेते हैं क्या उनसे ये W.B.C.I.S. (Weather Based Crop Insurance Scheme) काटी जाती है या नहीं? दूसरा, शिमला जिले में जो के.सी.सी. (कृषि केडिट कार्ड) उपलब्ध करवाते हैं, उनका टोटल नंबर कितना है? ये दो जानकारी मैं माननीय मंत्री जी से लेना चाहूंगा।

प्रश्नकाल समाप्त

अगली मद एम.एस. द्वारा शुरू

27/08/2018/1500/MS/AG/1

अध्यक्षः मुख्य मंत्री महोदय कुछ कहना चाह रहे हैं।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, विपक्ष की ओर से कुछ माननीय सदस्यों द्वारा नियम-67 के अंतर्गत स्थगन प्रस्ताव इस माननीय सदन में रखा गया और आपने सारे विषयों को लेकर, जिस दिन यह घटना हुई थी उसके दूसरे ही दिन अपनी व्यवस्था दे दी थी। उसके बावजूद भी मैं इस बात को लेकर हैरान हूं कि उस विषय को अभी तक भी विपक्ष पकड़कर रखे हुए है। अध्यक्ष महोदय, लोकतंत्र में सबको अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन बात सही हो, इस पर भी मुझे लगता है कि गम्भीरता से विचार करने की आवश्यकता है। ऐसी परिस्थिति इस एक घटना के कारण पूरे प्रदेश में खड़ी कर देना जैसे कि हिमाचल प्रदेश में कानून-व्यवस्था की दृष्टि से और कानून-व्यवस्था की दृष्टि के अलावा जो घटना घटित हुई, उसके कारण ऐसी परिस्थिति निर्मित हो गई है कि यह प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता, अध्यक्ष जी, मुझे सचमुच में इस बात को लेकर के बहुत पीड़ा है। सोशल मीडिया पर कुछ फोटोग्राफ सर्कुलेट किए गए और कांग्रेस के कुछ लोगों के माध्यम से वे फोटोग्राफ वायरल भी हुए हैं। यहां तक कि जो फोटोग्राफ सोशल मीडिया पर सर्कुलेट किए गए, उनमें एक फोटोग्राफ जिसका जिक्र यहां पर माननीय सदस्य श्री राकेश पठानिया जी ने किया, उसको भी इस प्रकार से दिखाया गया। वह फोटोग्राफ एक महिला का है। यह दुर्भाग्यपूर्ण

स्थिति है कि एक समाचार पत्र में भी वह फोटोग्राफ छपा है। अध्यक्ष महोदय, वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया की ऑरिजनल साइट पर जहां वह फोटो पहले अपलोड हुआ था, उसमें लिखा था कि "राजस्थान के शहरों में माड़ीपुर पुल पर ऑटो सवार यात्रियों पर भीमसेना ने बरसाई लाठियां"। उसमें वह महिला घायल हुई और उस घायल महिला का फोटोग्राफ यहां पर एक समाचार पत्र में भी फ्रंट पेज पर लगा दिया(फोटोग्राफ दिखाते हुए) और उसके अलावा जो सचमुच में मुझे लगता है कि बहुत पीड़ा का विषय है, हालांकि मेरा समाचार पत्रों के प्रति बहुत आदर-सम्मान है और यह लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है लेकिन मुझे लगता है कि इन सारी चीजों को लेकर सब लोग सोचने पर विवश हो गए हैं कि सच्चाई तो समाचार पत्र में छपे लेकिन ऐसी बात जो सच्चाई से बहुत दूर है, उसको इस प्रकार से छापना

27/08/2018/1500/MS/AG/2

मुझे लगता है कि उचित नहीं है। एक समाचार पत्र के फ्रंट पेज पर वह खबर लगी है। अध्यक्ष महोदय, मैं उसमें ज्यादा नहीं कहना चाहता। मैंने पहले ही कह दिया है कि समाचार पत्र लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है और इसके प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है लेकिन यह बात दुर्भाग्यपूर्ण है। माननीय सदस्य राकेश पठानिया जी और बाकी भी कई माननीय सदस्य जिस बात का जिक्र कर रहे थे तो निश्चित रूप से जो घटना घटी, वह दुःखद है लेकिन हकीकत में क्या है, इसको लेकर भी मुझे लगता है कि सोचने और जानने की आवश्यकता है। यूथ कांग्रेस की ओर से एक आग्रह आया कि वे प्रदर्शन करना चाहते हैं। कुश शर्मा जो जनरल सैक्रेटरी यूथ कांग्रेस स्टेट कमेटी हिमाचल प्रदेश हैं, उन्होंने इस बात के लिए जिलाधीश महोदय से आग्रह किया और जो निवेदन उनकी ओर से आया,

जारी श्री जे0के0 द्वारा-----

27.08.2018/1505/जेके/एचके/1

मुख्य मंत्रीः-----जारी.....

उसके अनुसार उनको परमिशन दी गई। सिसिल होटल के पास परमिशन दी गई थी। परमिशन का समय पूर्वाह्न 11.30 बजे से अपराह्न 1.30 बजे तक था। माननीय सदन से भी कांग्रेंस के प्रमुख नेता उनको सम्बोधित करने वहां पर गए। सम्बोधित करने के पश्चात वे यहां पर आ गए। लेकिन उसके बाद वे एक प्रदर्शन के रूप में विधान सभा की ओर चल पड़े। विधान सभा के नजदीक बैरिकेड्ज़ लगे थे क्योंकि यहां पर माननीय सदन चला हुआ था। सदन की सारी परिस्थितियों को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से यह आवश्यक था कि वहां पर बैरिकेड्ज़ हो जो कि वहां आमतौर पर होते हैं। उन बैरिकेड्ज़ के पास जब कुछ यूथ कांग्रेंस के लोग पहुंचे तो उनके हाथ में झंडें थे। झण्डे हाथ में ले कर वे सलोगन शाउटिंग करते रहे। अध्यक्ष महोदय, मैंने उसकी केवल एक वीडियो नहीं बल्कि 10-15 वीडियो अपने पास मंगवा कर देखी कि वस्तुस्थिति क्या है? वे स्लोगन शाउटिंग करते रहे। पुलिस शांतिप्रिय ढंग से वहां पर खड़ी रही।

स्लोगन शाउटिंग के बाद कुछ लोग बैरिकेड्ज़ पर चढ़ गए। उन पर चढ़ने के बाद कुछ लोगों ने जो झंडों में डंडा लगाया था, उस डंडें से बैरिकेड्ज़ को मारना शुरू कर दिया। बैरिकेड्ज़ के पास डंडें मारने पर भी पुलिस चुप रही। उसके बाद हद तो तब हो गई जब दो-तीन नौज़वान जो कि बैरिकेड्ज़ पर खड़े थे वे वहां से पुलिस के ऊपर छलांग मार देते हैं। शुरूआत वहां से हुई और जो दो-तीन लोग थे, उन्होंने पुलिस के ऊपर छलांग मार कर उनके साथ धक्का-मुक्की करना शुरू कर दिया। आखिरकार फिर पुलिस ने वहां पर फायर ब्रिगेड के माध्यम से पानी की थोड़ी सी बोछार फेंकी। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद इससे हट कर उन्होंने जब पुलिस वालों को पकड़ा तो पुलिस वालों ने भी उनको वहां से थोड़ा किनारे किया। लेकिन हैरानी की बात यह है कि पीछे से पत्थर भी मारे गए। उसके बाद मैंने देखा कि जिसके हाथ में झंडा था या डंडा था तमाम सब लोगों ने उन सारे डंडे, झंडे और जो कुछ भी उनके हाथ में

27.08.2018/1505/जेके/एचके/2

उपलब्ध था, उस वक्त सारे का सारा पुलिस के ऊपर फेंका गया। पत्थर भी पुलिस के ऊपर फेंके गए। पुलिस के 9 कर्मचारी वहां पर घायल हुए। पुलिस का ए0एस0पी0 वहां पर घायल हुआ। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि यह परमिशन पूर्वाह्न 11.30 बजे से अपराह्न 1.30 बजे तक दी गई थी और यह घटना लगभग अपराह्न 3.30 बजे की है। परमिशन में सारे दिन की इज़ाजत तो नहीं थी। प्रदर्शन पहले भी होते रहे हैं। 500-700 लोगों का प्रद्रर्शन ही नहीं, हमने तो 20-20, 25-25 हजार लोगों के प्रदर्शन यहां पर किए हैं लेकिन उसके बावजूद भी हमने वहां पर पूरी गरिमा को समझा है। हमारा एक भी स्कफल पुलिस के साथ नहीं हुआ है। हाँ, एक बार एक घटना हुई थी जब हम विपक्ष में थे वह घटना भी तब उस परिस्थिति में हुई थी जब वहां से हमारे लोगों के ऊपर पथराव हुआ था। श्री शांता कुमार जी उसमें घायल हुए थे और हमारे ऊपर शीशे की बोतलें फेंकी गई थी। मैं तो यह चाहता था कि यह नियम-67 के अन्तर्गत स्वीकृत किया जाता और उसमें चर्चा होती तो उसमें आन्नंद आ जाता। हम भी अपना पक्ष रखते कि किस वक्त कौन-कौन सी घटनाएं हुई। अध्यक्ष महोदय, मुझे ऐसा लगा कि यह जो सारा विषय बना दिया गया उसकी आवश्यकता नहीं थी। राजनैतिक लाभ लेने की कोशिश की गई समाचार-पत्रों में खबर जरूर लगी है लेकिन इसमें कितनी सच्चाई है, उन सारी चीजों में जाने की आवश्यकता है। यदि आप सोशल मीडिया में देखेंगे कि जिस भी आम आदमी ने वह वीडियो देखी है, उन्होंने एक बात कही है और अधिकांश लोगों ने यह बात कही है कि यह राजनीतिक दृष्टि से, राजनीतिक लाभ लेने के लिए कोशिश हो रही है। वे लोग पुलिस के ऊपर छलांग मार रहे थे

श्री एस0एस0 द्वारा जारी----

27.08.2018/1510/SS-YK/1

मुख्य मंत्री क्रमागतः

और पुलिस के ऊपर लाठियां मार रहे हैं, पुलिस पर पत्थराव कर रहे हैं, ऐसी परिस्थिति में पुलिस ने तो कुछ भी नहीं किया। लेकिन उसके बावजूद भी यहां पर इस सारे विषय का राजनीतिकरण करने की कोशिश हो रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं इस विषय को बहुत लम्बा नहीं करना चाहता हूं। परन्तु मुझे उम्मीद थी कि आज यहां पर हमारे विपक्ष के सभी साथी आए हैं वे इन सारी चीज़ों को लेकर बातचीत के माध्यम से कोई रास्ता निकालते। लेकिन रास्ता उस तरह से नहीं निकल पा रहा है। मेरा उनसे इस बात का विनम्र आग्रह है कि यह मानसून सत्र है और चर्चा के लिए बहुत महत्वपूर्ण विषय हैं, उन विषयों पर चर्चा के लिए सरकार तैयार है। यहां तक कि अध्यक्ष महोदय, हम इस बात को लेकर भी तैयार हैं कि अगर नियम-67 के तहत यह विषय आपकी अनुमति से स्वीकृत होता है तो हम उस पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं जोकि आज तक हुआ नहीं है। मुझे लगता है कि आज तक नियम-67 के अन्तर्गत ऐसे जितने भी प्रस्ताव आए हैं उन पर सरकार ने कभी इस तरह से अपनी मंशा जाहिर नहीं की कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। लेकिन हमने कहा कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। फिर भी मैं इस सारे विषय को उन पर छोड़ देता हूं। अगर वे चर्चा के लिए तैयार हैं तो हम भी चर्चा के लिए तैयार हैं लेकिन चर्चा होने के पश्चात् फिर और चीज़ कुछ नहीं हो सकती। उसके बावजूद मैं चाहता हूं कि यह माननीय सदन ठीक और व्यवस्थित ढंग से चले। उसके लिए लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों आवश्यक हैं। उनका कहना है कि इस सारे मामले की जांच होनी चाहिए। जांच के लिए वहां पर डिप्टी कमिश्नर उपस्थित थे। जांच के लिए वहां स्वयं एस0पी0 उपस्थित थे। उसके बावजूद यदि विपक्ष को लगता है कि जांच होने से सारी चीज़ों का समाधान हो सकता है, रास्ता निकल सकता है तो अध्यक्ष महोदय मुझे कोई आपत्ति नहीं है। हम खुले दिल और खुले मन से काम करने वाले लोगों में से हैं। <u>घटना की वस्तुस्थिति अनुसार दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए। इसलिए मैं यहां पर मैजिस्ट्रियल इंक्वायरी की घोषणा करता हूं। उसके साथ में मैं यह आग्रह करता हूं कि इस माननीय सदन का समय बहुत महत्वपूर्ण है। आप लोगों ने</u>

अपनी बात कह ली और अपनी बात कहने के बाद जांच का परिणाम आयेगा। जांच की जो रिपोर्ट आयेगी, उसके अनुसार कार्यवाही होगी। मैं विपक्ष के सभी मित्रों से आग्रह करूंगा कि लोकतंत्र की एक खूबसूरती है कि बहुत बातों पर हमको

27.08.2018/1510/SS-YK/2

विभाजित नहीं होना चाहिए और बहुत बातों पर उनको भी विभाजित नहीं होना चाहिए। उन्होंने अपने तरीके से जो बात कहनी थी, वह कह दी। वह रजिस्टर हो गई। सब जगह रजिस्टर हो गई। उसके साथ-साथ मैं चाहूंगा और आग्रह करूंगा कि आप इस माननीय सदन की बैठक व्यवस्थित ढंग से संचालित करें। मेरा सभी सदस्यों से इस बात के लिए निवेदन है कि आओ मिल करके काम करें। उसके साथ-साथ लोकतंत्र में विश्वास रखते हुए जो सही है वह सही होना चाहिए और जो गलत है वह गलत होना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, इतनी बात कहते हुए आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका धन्यवाद।

(विपक्ष के माननीय सदस्य सदन में पुनः वापिस आए।)

27.08.2018/1510/SS-YK/3

साप्ताहित शासकीय कार्यसूची बारे वक्तव्य

अध्यक्षः अब माननीय मुख्य मंत्री जी माननीय सदन को सप्ताह की शासकीय कार्यसूची से अवगत करवायेंगे।

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदन को सप्ताह की शासकीय कार्यसूची से अवगत करवाता हूं जोकि इस प्रकार हैः-

सोमवार , 27 अगस्त, 2018 - शासकीय/विधायी कार्य।

मंगलवार, 28 अगस्त, 2018 - शासकीय/विधायी कार्य।

बुधवार, 29 अगस्त, 2018 - शासकीय/विधायी कार्य।

वीरवार, 30 अगस्त, 2018 - (1) शासकीय/विधायी कार्य।

(2) गैर-सरकारी सदस्य कार्य।

शुक्रवार, 31 अगस्त, 2018 - शासकीय/विधायी कार्य।

27.08.2018/1510/SS-YK/4

कागज़ात सभापटल पर।

अध्यक्षः अब माननीय मुख्य मंत्री कुछ कागज़ात सभापटल पर रखेंगे।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित दस्तावेज़ों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखत हूंः-

i. जल (प्रदूषण का निवारण एवं नियन्त्रण), अधिनियम, 1974 की धारा 40 (7) तथा वायु (प्रदूषण का निवारण एवं नियन्त्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 36(7) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के वार्षिक लेखे, वर्ष 2015-16 (विलम्ब के कारणों सहित); और

ii. भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग, सहायक विधि परामर्शी एवं अवर सचिव(विधि), वर्ग-। (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2018 जोकि अधिसूचना संख्याः कार्मिक(नियुक्ति-IV)-बी(1)-01/2016 (पार्ट) दिनांक 12.06.2018 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 14.06.2018 को प्रकाशित।

27.08.2018/1510/SS-YK/5

अध्यक्षः अब माननीय शहरी विकास मंत्री कुछ कागज़ात सभापटल पर रखेंगी।

शहरी विकास मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित दस्तावेज़ों की एक-एक प्रति सभापटल पर रखती हूंः-

i. भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश नगर एवं ग्राम योजना विभाग, सहायक नगर योजनाकार, वर्ग-I (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2017 जोकि अधिसूचना संख्याः टी0सी0पी0-(बी)2-2/2014(रूल्ज़) एटीपी दिनांक 26.10.2017 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 20.11.2017 को प्रकाशित; और
ii. भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश नगर एवं ग्राम योजना विभाग, वरिष्ठ योजना प्रारूपकार, वर्ग-II(अराजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2018जोकि अधिसूचना संख्याः टी0सी0पी0-(बी)2-1/2014(रूल्ज़) एस.पी.डी. दिनांक 23.04.2018 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 27.04.2018 को प्रकाशित ।

27.08.2018/1510/SS-YK/6

अध्यक्षः अब माननीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री कुछ कागज़ात सभापटल पर रखेंगे।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश मत्स्य पालन विभाग, उप-निरीक्षक, मत्स्य वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2018 जोकि अधिसूचना संख्याः फिश-ए(3)-15/99-II दिनांक 25.05.2018 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 05.06.2018 को प्रकाशित की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

जारी श्रीमती के0एस0

27.08.2018/1515/केएस/एजी/1

अध्यक्षः अब माननीय उद्योग मंत्री कागज़ात सभा पटल पर रखेंगे।

उद्योग मन्त्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से हिमाचल प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अधिनियम, 1966 की धारा 27(1) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड का सूचना का अधिकार एवं प्रशासनिक प्रतिवेदन, वर्ष 2016-17 की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

27.08.2018/1515/केएस/एजी/2

सदन की समितियों के प्रतिवेदन

अध्यक्षः अब श्रीमती आशा कुमारी, सभापति, लोक लेखा समिति, समिति के प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा में उपस्थापित करेंगी तथा सदन के पटल पर रखेंगी ।

श्रीमती आशा कुमारीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से लोक लेखा समिति के निम्न प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा में उपस्थापित करती हूं तथा सदन के पटल पर रखती हूं :-

i. समिति का 11वां मूल प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) जोकि भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक के प्रतिवेदन वर्ष 2007-08 (राजस्व प्राप्तियाँ) पर आधारित तथा आबकारी एवं कराधान विभाग से सम्बन्धित है;

ii. समिति का 12वां मूल प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) जोकि भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक के प्रतिवेदन वर्ष 2009-10 (राज्य के वित्त/सामाजिक, सामान्य एवं आर्थिक क्षेत्रों/राजस्व क्षेत्र) पर आधारित तथा आयुर्वेद विभाग से सम्बन्धित है; और
iii. समिति का 13वां मूल प्रतिवेदन(तेरहवीं विधान सभा) जोकि भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक के प्रतिवेदन वर्ष 2010-11 (राज्य के वित्त/राजस्व क्षेत्र) पर आधारित तथा आयुर्वेद विभाग से सम्बन्धित है।

27.08.2018/1515/केएस/एजी/3

अध्यक्षः अब श्री नरेन्द्र बरागटा, सभापति, लोक उपक्रम समिति, समिति के प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा में उपस्थापित करेंगे तथा सदन के पटल पर रखेंगे ।

श्री नरेन्द्र बरागटाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से लोक उपक्रम समिति के निम्न प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा में उपस्थापित करता हूं तथा सदन के पटल पर रखता हूं :-

i. समिति के 61वें मूल प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) (वर्ष 2016-17) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर सरकार द्वारा कृत कार्रवाई पर आधारित अग्रेत्तर कार्रवाई विवरण जो कि हिमाचल प्रदेश विद्युत संचार निगम सीमित से सम्बन्धित है;और
ii. समिति का षष्टम् कार्रवाई प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) जोकि समिति के 20वें मूल प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) (वर्ष 2014-15) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर आधारित तथा हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत परिषद् से सम्बन्धित है ।

अध्यक्षः अब श्री सुरेश कुमार कश्यप, सदस्य, कल्याण समिति, समिति के प्रतिवेदन की प्रति सभा में उपस्थापित करेंगें तथा सदन के पटल पर रखेंगें।

श्री सुरेश कुमार कश्यपः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कल्याण समिति का नवम् कार्रवाई प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) जोकि समिति के पंचम मूल प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) (वर्ष 2013-14) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर आधारित तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से सम्बन्धित है, की प्रति सभा में उपस्थापित करता हूं तथा सदन के पटल पर रखता हूं।

27.08.2018/1515/केएस/एजी/4

अध्यक्षः अब श्री बलबीर सिंह, सभापति, मानव विकास समिति,समिति के प्रतिवेदन की प्रति सभा में उपस्थापित करेंगे तथा सदन के पटल पर रखेंगे।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से मानव विकास समिति, का चतुर्थ मूल प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) जोकि योजना विभाग से सम्बन्धित आश्वासनों के कार्यान्वयन पर आधारित की प्रति सभा में उपस्थापित करता हूं तथा सदन के पटल पर रखता हूं।

अध्यक्षः अब श्री सुरेश कुमार कश्यप,सभापति, सामान्य विकास समिति, समिति के प्रतिवेदन की प्रति सभा में उपस्थापित करेंगे तथा सदन के पटल पर रखेंगे।

श्री सुरेश कुमार कश्यपः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से सामान्य विकास समिति, का 5वां कार्रवाई प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) जोकि समिति के 23वें मूल प्रतिवेदन (ग्यारहवीं विधान सभा) (वर्ष 2011-12) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर आधारित तथा सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य विभाग से सम्बन्धित है की प्रति सभा में उपस्थापित करता हूं तथा सदन के पटल पर रखता हूं।

अध्यक्षः अब श्री बलबीर सिंह वर्मा, सदस्य, ग्रामीण नियोजन समिति, समिति के प्रतिवेदन की प्रति सभा में उपस्थापित करेंगे तथा सदन के पटल पर रखेंगे ।

श्री बलबीर सिंह वर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से ग्रामीण नियोजन समिति का छठा कार्रवाई प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) जो कि समिति के 14वें मूल प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) (वर्ष 2014-15) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर आधारित तथा कृषि विभाग से सम्बन्धित है, की प्रति सभा में उपस्थापित करता हूं तथा सदन के पटल पर रखता हूं ।

27.08.2018/1515/केएस/एजी/5

<u>माननीय मुख्य मंत्री द्वारा वक्त्व्य</u>

अध्यक्षः अब माननीय मुख्य मंत्री जी, सदन में एक विशेष स्टेटमैंट देना चाहते हैं।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश विकास की राह पर आगे बढ़े, यह हम सभी की एक कल्पना है और उसको साकार करने की दृष्टि से यह आवश्यक रहता है कि हमें केन्द्र से सहयोग मिले । छोटा सा प्रदेश होने के बावजूद हिमाचल बहुत से मसलों में, बहुत से क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रहा है। हिमाचल की आर्थिक परिस्थिति को अगर हम देखें और अपने सीमित साधनों के माध्यम से हिमाचल प्रदेश को हम जिस गति से आगे ले जाना चाहते हैं, उस दृष्टि से बहुत सी कठिनाइयां भी उसमें हैं । इसलिए आज के समय की आवश्यकता है कि केन्द्र से जो सहयोग और मदद हमें मिल सकती है, उसके लिए हमें प्रयत्न करना चाहिए।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

27.8.2018/1520/av-ag/1

मुख्य मंत्री -----**क्रमागत**

अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश में सरकार बनने के पश्चात हमने उस दिशा में प्रयास किए। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि उसमें हम काफी हद तक सफल भी हुए हैं। उसी संदर्भ में मैं आज यहां एक स्टेटमैंट देना चाहता हूं जिस बात को लेकर के हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है कि वर्ष 2022 तक हमारे किसानों की आए दोगुनी हो, उसको सुनिश्चित करने के लिए हमें कुछ काम हटकर भी करने पड़ेंगे। इसी विषय से जुड़ा हुआ एक 'Project for Doubling Farmers' Income through Water Conservation' केंद्र को भेजा था। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि उसमें हमें काफी हद तक सफलता हासिल हुई है। मैं वह स्टेटमैंट यहां पर पढ़कर सुनाता हूं जिसमें सारा जिक्र स्वतः ही आ जायेगा और यह इस प्रकार से है:-

प्रदेश के जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभावों का सामना करने के लिए जल संरक्षण एक प्रभावी विकल्प है। इसको ध्यान में रखते हुए हिमाचल प्रदेश सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग ने इस जल संरक्षण द्वारा किसानों की आय को दोगुना करने की परियोजना बनाकर भारत सरकार से एशियन डैवल्पमैंट बैंक के माध्यम से बाह्य वित्त पोषण हेतु स्वीकृत करवाई है। परियोजना की विषयवस्तु के प्रेरणास्रोत हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी हैं जो कि जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले दुष्प्रभावों का प्रभावी रूप से सामना करने के लिए अति संवेदनशील हैं और वे इस विषय को विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मंचों के माध्यम से विश्व समुदायों के समक्ष उठाते रहें। माननीय प्रधान मंत्री जी वर्ष 2022-23 तक किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कृतसंकल्प है। माननीय प्रधान मंत्री जी के इन महत्वकांक्षी विचारों और योजनाओं को साकार करने के लिए मैंने हिमाचल प्रदेश के सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए थे कि हिमाचल के लिए एक ऐसी योजना बनाई जाए जो प्रदेश में पानी की कमी और जलवायु परिवर्तन का सामना करने एवं किसानों की आय को दोगुना करने के उद्देश्य के लिए प्रभावी ढंग से

27.8.2018/1520/av-ag/2

कार्यान्वित की जा सके। अतः हिमाचल प्रदेश सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग ने उपरोक्त परियोजना की परिकल्पना की है। इस परियोजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश भर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग व स्वायल वाटर कन्जर्वेशन के लिए विभिन्न प्रकार के स्ट्रक्चर्स जैसे कि चैक डेम, तालाब, भूमिगत डिवाईस, रिचार्ज शाफ्ट, परकुलेशन टैंक्स, लूज बोल्डर स्ट्रक्चर, गैबियन स्ट्रक्चर इत्यादि बनाने का प्रस्ताव प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त इस परियोजना में संग्रहित जल का प्रयोग करके लगभग 25000 हैक्टेयर भूमि पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाने का प्रावधान भी रखा गया है। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 4751.24 करोड़ रुपये है और मुझे लगता है कि आज तक के इतिहास में इतनी बड़ी योजना केंद्र की ओर से पहले कभी इस विभाग के अंतर्गत स्वीकृत नहीं हुई है। विशेषतौर पर वाटर हार्वेस्टिंग के लिए यह एक बहुत बड़ी पहल के रूप में देखी जा सकती है।

इस परियोजना का प्रस्ताव जल संसाधन मंत्रालय, नीति आयोग एवं वित्त मंत्रालय (भारत सरकार) को 11 मई, 2018 को भेजा गया था। जल संसाधन मंत्रालय तथा नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा इस परियोजना की संस्तुति के उपरांत वित्त मंत्रालय (भारत सरकार) के आर्थिक मामलों के विभाग ने 17 जुलाई, 2018 को 85वीं स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में इस परियोजना प्रस्ताव को एशियन डैवल्पमैंट बैंक के माध्यम से बाह्य वित्त पोषण हेतु स्वीकृत किया है। उक्त परियोजना के लिए 80 प्रतिशत धनराशि एशियन डैवल्पमैंट बैंक द्वारा तथा 20 प्रतिशत धनराशि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई जायेगी। परियोजना की कुल राशि 4751.24 करोड़ रुपये है जिसमें से एशियन डैवल्पमैंट बैंक का हिस्सा 3801 करोड़ रुपये तथा राज्य सरकार का हिस्सा 950 करोड़ रुपये के हिसाब से रहेगा।

श्री टी सी द्वारा जारी

27-08-2018/1525/TCV/AG/1

माननीय मुख्य मंत्री ..... जारी

अध्यक्ष महोदय, एशियन डेवैल्पमैंट बैंक के सहयोग से इस परियोजना की डी0पी0आर0 तैयार की जाएगी। जिसके आधार पर इसे चार चरणों में कार्यान्वित किया जाएगा। जिनका ब्योरा निम्न प्रकार से हैः-

प्रथम चरण - 708.87 करोड़ रुपये
द्वितीय चरण- 1028.97 करोड़ रुपये
तृतीय चरण - 1489.30 करोड़ रुपये
चतुर्थ चरण - 1524.10 करोड़ रुपये
कुल= 4751.24 करोड़ रुपये

अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को अवगत करवाना चाहता हूं कि यह परियोजना जल संरक्षण क्षेत्र में बाह्य वित्त पोषण के लिए स्वीकृत होने वाली प्रदेश की सबसे प्रथम एंव बड़ी परियोजना है। इस परियोजना के पूरा होने पर प्रदेश के लगभग 10 लाख छोटे व सीमांत किसानों को जलवायु परिवर्तन और पानी की कमी के कारण होने वाली समस्याओं से प्रभावी रूप से सामना करने में मद्द मिलेगी। यह किसानों की वास्तविक आय को दोगुना करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं इस परियोजना को स्वीकृत करवाने हेतु माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी एवं केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री श्री नितिन गडकरी जी का उनके व्यक्तिगत प्रयासों के लिए अपनी एवं हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से आभार प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त और भी बहुत सारे प्रोजैक्ट हैं, लेकिन उनके बारे में हम बाद में चर्चा करेंगे। मुझे विभाग के मंत्रियों और अधिकारियों को बधाई देनी है, जैसे ही हम लोगों ने इस सारी परिकल्पना पर चर्चा की और चर्चा करने के पश्चात् हमने कहा कि इसको तीव्र गति से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, इसमें इन्होंने काम/मेहनत की, जिसका यह परिणाम रहा। अध्यक्ष महोदय, मुझे यह वक्तव्य देना था, प्रदेश के विकास के

लिए निश्चित रूप से आने वाले समय में यह एक मील का पत्थर साबित होगा। आपने समय दिया आपका धन्यवाद।

27-08-2018/1525/TCV/AG/2

अध्यक्षः माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो 4751 करोड़ रुपये के प्रोजैक्ट् के बारे में वक्तव्य दिया है, सच में मुझे याद आता है, बजट सेशन के अन्दर सभी लोग इस बात के लिए चिंतित थे कि वॉटर कंजर्वेशन के ऊपर कुछ करना चाहिए। विधान सभा की ओर से भी वॉटर कंजर्वेशन के ऊपर एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है, इसके लिए मैं भी आपको बधाई देना चाहता हूं।

नियम-62 के अन्तर्गत ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

अब नियम-62 के अन्तर्गन्त श्री राम लाल ठाकुर जी अपना ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे तथा माननीय मुख्य मंत्री जी चर्चा का उत्तर देंगे।

श्री राम लाल ठाकुरः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने एक महत्वपूर्ण विषय के ऊपर चर्चा करने के लिए नियम-62 के अन्तर्गत नोटिस दिया था। आपने चर्चा के लिए समय दिया, आपका धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष महोदय, 15 जुलाई, 2018 को 'पंजाब केसरी' समाचार पत्र में एक समाचार छपा जिसका शीर्षक था-"मुठभेड़ के बाद मिली लोकल पुलिस को सूचना"। नैना देवीजी में जो घटा है, माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से इस माननीय सदन, माननीय मुख्य मंत्री और हिमाचल प्रदेश की सरकार का ध्यान उस ओर आकर्षित करना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, 14 जुलाई, 2018 को मैं नैना देवी के रेस्ट हाउस में ठहरा हुआ था। जब सुबह उठा तो मेरे पी0एस0ओ0 ने मुझे बताया कि 6.00 बजे सुबह रेस्ट हाउस के सामने जो एक ढ़ाबा या धर्मशाला है, उसके सामने रात को 1.30 बजे पंजाब की पुलिस का पंजाब के ही कुछ असामाजिक तत्वों के साथ मुठभेड़ हुई और

श्रीमती एन0 एस0 .... द्वारा जारी ।

27-08-2018/1530/NS/DC/1

श्री राम लाल ठाकुर-------जारी

जिसमें एक असामाजिक तत्व मुठभेड़ में मारा गया। माननीय अध्यक्ष महोदय, यह घटना रेस्ट हाउस गेट के सामने घटी। जैसे समाचार पत्रों में खबर आई और पुलिस की रिपोर्ट भी आई कि उन असामाजिक तत्वों से विदेश (चीन) में बना हुआ पिस्टल मिला और वैसा ही पिस्टल वहां पर पड़ा हुआ था। अध्यक्ष महोदय, जब इसके बारे में और सूचना एकत्रित की गई तो पता लगा कि मौहाली (पंजाब) से एक उद्योगपति/बिजनेसमैन था। असामाजिक तत्वों की संख्या चार थी और इन्होंने गोली चलाई लेकिन यह गोली उस उद्योगपति/ बिजनेसमैन को नहीं लगी तथा वे गाड़ी ले करके फरार हो गये। उसके बाद चण्डीगढ़ से आगे एक स्टेशन पर उन्होंने गाड़ी की नम्बर प्लेट बदली। उनका एक आदमी वहीं पर उतर गया और बाकी के आदमी गाड़ी को ले करके कीरतपुर-आनन्दपुर होते हुए बिलासपुर में कोहलां वाला टोबा जो हिमाचल प्रदेश में पड़ता है और वहां पर पुलिस का चैक पोस्ट है, वे वहां से श्री नैना देवी आये तथा उन्होंने ढाबे में खाने का ऑर्डर दिया। माननीय अध्यक्ष महोदय, यह जो घटना घटी है, इस घटना से बहुत सारे प्रश्नवाचक चिन्ह पैदा हो गये हैं। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि इनमें से दो असामाजिक तत्व पकड़े गये थे और एक एनकाउंटर में मारा गया था। अध्यक्ष महोदय, मेरी सूचना के मुताबिक क्योंकि मैं खुद वहां पर था और जो मैंने देखा है, मैं आपको बताना चाहूंगा कि पंजाब पुलिस के मौहाली के एस.एस.पी. और रोपड़ पुलिस के एस.पी. और चार डी.एस.पी. वहां पर थे और लगभग 50 पुलिस हैड कांस्टेबल और कांस्टेबल तथा एस.एच.ओ. रैंक के अधिकारी वहां पर उपस्थित थे। मैंने वहां पर पुलिस की गाड़ियां देखीं और पंजाब के लोग भी देखे। मैं जब विश्राम गृह से तैयार हो करके बाहर निकला तो वहां पर बिलासपुर के एस.पी. मौजूद थे और वे एस.एस.पी. मौहाली तथा एस.पी. रोपड़ के साथ विश्राम गृह में आये तथा कमरे में चले गये। अध्यक्ष महोदय, जो अखबारों में छपा है और जो लोगों में चर्चा है कि पंजाब पुलिस ने थाना कोट कहलूर और डी.एस.पी, श्री नैना देवी को सूचना दे दी कि कुछ असामजिक तत्व कोहलां वाला टोबा से श्री नैना देवी की तरफ को निकल गये हैं। लेकिन

अध्यक्ष महोदय, हमारी तंदरूस्ती कहां तक है, वह इससे पता चलता है कि अखबार ने जो विस्तृत रिपोर्ट दी, एनकाउंटर रात को 01.30 बजे हो गया और बिलासपुर के एस.पी. 07.30 बजे वहां पर पहुंचे तथा स्थानीय पुलिस तब पहुंची, जब सुबह पांच या छः बजे का

27-08-2018/1530/NS/DC/2

समय हो गया था। इसके बाद प्लान किया गया कि यह एनकाउंटर हिमाचल पुलिस और पंजाब पुलिस का ज्वाईंट आप्रेशन था।

अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को भी झूठलाना नहीं चाहूंगा कि पुलिस ने कैसे यह कहानी बना दी, यह उनके ऊपर है। लेकिन अख़बार में छपा और जो मैंने खुद देखा है, उसके लिए मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने जो देखा है, वह गलत है।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

27.08.2018/1535/RKS/HK-1

श्री राम लाल ठाकुर... जारी

जो भी हुआ चाहे वह गलत हो या सही लेकिन यह मसला हमारी सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। मैंने माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन किया था और जब कांग्रेस पार्टी की सरकार थी तब भी मैंने पूर्व मुख्य मंत्री श्री वीरभद्र सिंह जी से निवेदन किया था कि हिमाचल प्रदेश के भीतर जितने भी बोर्डर एरियाज हैं, चाहे वह चम्बा का एरिया हो , कांगड़ा के साथ पठानकोट का एरिया हो, ऊना का एरिया हो, नालागढ़ या फिर सिरमौर का एरिया हो, इन एरियाज़ में चैक पोस्ट होनी चाहिए। मैंने एक प्रश्न विधान सभा में किया था परंतु वह प्रश्न विधान सभा में नहीं लगा । यह प्रश्न इसी सत्र में किया गया था और deemed to have been replied इसमें कहा गया कि 1/4 की नफरी हमारी चैक पोस्टों में है। अध्यक्ष महोदय, 1/4 की नफरी में दो होम गार्ड के आदमी, दो पुलिस वाले और एक सीनियर रैंक

(हैडकॉंस्टेबल या ए.एस.आई) का आदमी होता है। लेकिन प्रश्न यह है जब ये लोग चैक पोस्ट गरामोड़ा, या चैक पोस्ट कौलावालां टोबा से नैना देवी गए तो क्या कौलावालां टोबा में होम गार्ड या पुलिस विभाग के कर्मचारियों ने उन असामाजिक तत्वों को चैक नहीं किया? चाइना में बना हुआ हथियार मां नैनी देवी के मन्दिर तक कैसे पहुंच गया? मां नैना देवी के दरबार में जितने भी मेले आयोजित होते हैं, वहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। शनिवार और रविवार को भी मां नैना देवी के दरबार में हजारों की संख्या में दिल्ली, हरियाणा और पंजाब से लोग अपनी गाड़ियों में आते हैं। यह ठीक है कि उस समय एक-एक आदमी को चैक नहीं किया जा सकता। लेकिन मैं आपका ध्यान इस ओर इसलिए आकर्षित करवाना चाहूंगा कि जब इस प्रकार की घटनाएं घटित होती हैं तो उससे प्रदेश की कानून-व्यवस्था में प्रश्नवाचक चिन्ह लगता है। अध्यक्ष जी, क्या कारण है कि वहां पर उन लोगों की चैकिंग नहीं हुई? वे 3 असामाजिक तत्व मां नैना देवी के सामने वाले ढाबे में कैसे पहुंच गए? उनकी गाड़ी मोहाली से यहां कैसे पहुंच गई? उनके पीछे वहां के डी.एस.पी, एस.एच.ओ. और पुलिस के अन्य जवान लगे थे। आनंदपुर साहब तक पहुंचते-पहुंचते इन सुरक्षा बलों की संख्या 50 हो गई। वहां पर रोपड़ के एस.एस.पी. और एस.पी. भी पहुंच गए। उन्होंने डी.एस.पी., नैना देवी

27.08.2018/1535/RKS/HK-2

और थानाकोट के एस.एच.ओ. को इस बारे सूचना दी या मान लो एस.पी.ऑफिस बिलासपुर को उन्होंने कोई सूचना दी, तो क्या कारण है कि हिमाचल प्रदेश पुलिस सोई हुई रह गई? यह एक गंभीर मामला है और इसे हमें राजनीतिक आधार पर नहीं देखना चाहिए। हमें अपनी सुरक्षा की कार्यपद्धति पर ध्यान देने की आवश्यकता है। हमारी पुलिस कितनी सजग है, उस पर हमें विचार करने की आवश्यकता है। इस सत्र में माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो सूचना सदन के पटल पर रखी है उसमें दर्शाया गया है कि चैक पोस्टों में

¼ की नफरी तैनात है और उनको AK-47 भी दे रखी है। अगर असामाजिक तत्वों का पीछा करना पड़े तो पुलिस बल के पास कोई वाहन उपलब्ध नहीं है ।

श्री बी0एस0 द्वारा ...जारी

27.08.2018/1540/बी.एस/एच.के./-1

श्री राम लाल ठाकुर जारी...

माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा इस सत्र के दौरान माननीय सदन में जो उत्तर दिया है, वह सही है। उस उत्तर में यह बताया गया है कि वहां पर ¼ की नफरी स्थापित की गई है । उनको ए.के. 47 भी दे रखी है, परंतु वहां पर कोई भी वाहन पुलिस वालों के पास उपलब्ध नहीं है। अगर तुरंत किन्हीं असामाजिक तत्वों का पीछा करना हो तो उनके पास कोई सुविधा नहीं है। यहां तक कि उनके पास मोटर-साईकिल भी उपलब्ध नहीं है। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो सूचना सभा पटल पर रखी है उसके आधार पर मैं कह रहा हूं, इस पर विचार करने की आवश्यकता है । नैना देवी का यह मामला अखबार में छपा है, मुझे लगा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है और इसे माननीय सदन में अवश्य उठाना चाहिए और साथ ही यह घटना मेरे चुनाव क्षेत्र की है, इसलिए यह विषय मेरे लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि सरकार के ध्यान में इस विषय को लाऊं। परंतु यदि पूरे हिमाचल प्रदेश में इसी प्रकार की लच्चर व्यवस्था है तो उससे हिमाचल प्रदेश, जो देव भूमि कहलाती है वह कहीं-न-कहीं कलंकित हो रही है। आज हर मोड़ पर जहां से हिमाचल प्रदेश के लिए प्रवेश करते हैं वहां बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा होता है कि देव भूमि में आपका स्वागत है। मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर देव भूमि में इस तरह का स्वागत है तो यह कैसा स्वागत है ? आज प्रदेश में जो हथियार आ रहे हैं, जो असामाजिक तत्व आ रहे हैं, उन्हें रोकने की जिम्मवारी किसकी है?

अध्यक्ष महोदय, एक मात्र घटना वहां पर नहीं घटी है, तीन-चार वर्ष पहले की बात करना चाहता हूं। पंजाब में लोग महिला को मार करके गाड़ी में यहां तक ले आते हैं। हमारी चैक पोस्ट करामोड़ा और कोहला वाला टोहबे में हैं, अन्य स्थानों पर भी हैं । इसके बावजूद क्या कारण है कि उस महिला का शव नैना देवी के पास मिलता है? इससे साफ जाहिर है कि कहीं-न-कहीं कोताही हो रही है और उस पर नजर रखने की आवश्यकता है । इस तरह के तीन-चार केस हो चुके हैं। लोग बाहर से आते हैं, वे चाहे अपनी गर्ज फ्रैंड के साथ आए, चाहे अपनी पत्नी के साथ आए, उनका कोई झगड़ा भी हो

27.08.2018/1540/बी.एस/एच.के./-2

वे लोग नैना देवी के पास किसी ढांक में उन्हें धक्का मार देंगे या उनकी किसी तरह से हत्या करके पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवा देंगे। इस तरह की घटना यहां घटित हो रही हैं। मुजरिम वहां से आसानी से भाग जाता है। इस प्रकार की घटनाएं हो रही है जो मैं समझता हूं कि नहीं होनी चाहिए। गरामोड़ा में पीछे जो हमारा बैरियर है, वहां पर गोली चली। चैक पोस्टों में बैठे लोग जो गाड़ी वालों से पैसा लेते हैं उन लोगों के ऊपर गोली चली। उसके बाद वे लोगे नालागढ़ की तरफ भाग गए। उस घटना में एक आदमी मारा गया। ये ऐसे गिरोह हैं जो हिमाचल प्रदेश की सीमा के ऊपर सक्रिय हैं। आज आनंदपुरसे ले करके रोप्पड़ तक की बात करूं तो ऐसे-ऐसे लोग हैं, हिमाचल प्रदेश की पुलिस को भी मालूम होगा । इन लोगों ने हिमाचल प्रदेश के लोगों को भी बीच में फंसा के रखा है। वे लोग आज चिट्टे का व्यापार भी कर रहे हैं और जंगलों से लकड़िया काटकर स्मगलिंग भी कर रहे हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी वन विभाग को भी मालूम है और उद्योग विभाग को भी मालूम है कि ये कौन-कौन लोग हैं। इस प्रकार असामाजिक तत्वों से मिल करके इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। मेरा सरकार से निवेदन है कि कृपया यह जो नैना देवी में घटना घटी हैं यह, I should not say it is a single out incident. यह केवल एक घटना

नहीं है इस तरह की बहुत सारी घटनाएं हैं। This is an eye opener for the Government of Himachal Pradesh and Police of Himachal Pradesh that how to protect our self. अध्यक्ष महोदय, 14.07.2018 की यह घटना है और 15.07.2018 को दूसरे ही दिन अखबार के पहले पन्ने पर बड़े-बड़े अक्षरों में इस घटना के बारे में छप गया था। माननीय मुख्य मंत्री यह न सोचे कि ठाकुर राम लाल जी कांग्रेस पार्टी से हैं इसलिए कह रहे हैं, यह घटना मेरे चुनाप क्षेत्र की है और जब ऐसी घटनाएं मेरे चुनाव क्षेत्र में घट जाए तो लोगों का प्रतिनिधि होने के नाते मेरा यह परम् कर्तव्य बनता है कि इस घटना के बारे में हिमचल प्रदेश की सरकार को सजग करूं। मेरा माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन है कि माननीय मुख्य मंत्री जी ¼ की नफरी वहां नहीं चल सकती । गैलरी में जो हमारे

27.08.2018/1540/बी.एस/एच.के./-3

पुलिस अधिकारी बैठें है, मैं उनसे भी कहना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी से बात करके यह जो हमारी प्रदेश की सीमाओं पर चैक पोस्टें हैं उनके ऊपर नफरी बढ़ाएं। एक बात में विशेष तौर से कहना चाहूंगा कि आप कृपया होमगार्डस को वहां तैनात मत करिए। होमगार्ड के जवान इन परिस्थितियों से निपटने के लिए ट्रेंड नहीं हैं, उनका कार्य गृह रक्षा का है या कहीं पर आसान ड्यूटी हो तो वहां वे उस कार्य को कर सकते हैं। मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन है कि आप वहां पर फिट पुलिस के लोगों को ही तैनात करें। उन स्थानों के नजदीक अगर कोई थाना है तो वहां से गाड़ियों को उन स्थानों पर तैनात कर दीजिए। इस तरह की घटनाओं को हल्के में न लिया जाए। इस महत्वपूर्ण विषय को मैंने इस माननीय सदन में उठाया है, यह सुरक्षा का मामला ही नहीं अपितु हमारे प्रदेश की इज्जत और मान-सम्मान का भी मामला है। अध्यक्ष महोदय आपने मुझे समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री डी.टी. द्वारा जारी

27.08.2018/1545/DT/YK-1

अध्यक्षः अब माननीय मुख्यमंत्री जी नियम 62 के अन्तर्गत ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का उत्तर देंगे।

मुख्यमंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय,नियम 62 के अन्तर्गत माननीय सदस्य श्री राम लाल ठाकुर जी ने जो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव इस माननीय सदन में प्रस्तुत किया है उसके संदर्भ में मुझे इस प्रकार से जानकारी देनी है अध्यक्ष महोदय,दिनांक 14-07-2018 को 3 बजे रात श्री रमनदीप सिंह, उप-पुलिस अधीक्षक मोहाली शहर (पंजाब)ने श्री नैनादेवी जी में पंजाब पुलिस व अपराधियों के बीच हुई एक मुठभेड़ की सूचना कन्ट्रोल रूम के माध्यम से पुलिस चौकी श्री नैना देवी को दी। पुलिस चौकी श्री नैनादेवी से तुरन्त यह सूचना पुलिस थाना कोटकहलूर को दी गई। सूचना मिलने के तुरन्त बाद प्रभारी पुलिस थाना कोटकहलूर, अन्य कर्मचारियों सहित, घटना स्थल पर गए। घटनास्थल पर उन्होंने श्री रमनदीप सिंह पुत्र सरदार सेवा सिंह निवासी बिजलीपुर थाना व तहसील समराला, जिला लुधियाना, पंजाब हाल उप-पुलिस अधीक्षक मोहाली शहर का ब्यान अधीन धारा 154 दण्ड प्रकिया संहिता केअन्तर्गत दर्ज किया। अभियोग का प्रारम्भिक अन्वेषण प्रभारी पुलिस थाना कोटकहलूर द्वारा किया गया। अन्वेषण क दौरान घटनास्थल का FSL की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया तथा घटना स्थल से भौतिक साक्ष्यों, कारतूस के खोलव जिन्दा कारतूस, खून के नमूने, एक पिस्टल 30 बोर बॉडी नम्बर 31067822 इत्यादि एकत्रित किए गए। पुलिस द्वारा वरना कार नम्बर PB-10EJ-7200 व इनोवा गाड़ी नम्बर PB 65AL-0950 को दस्तावेज सहित कब्जे में लिया गया। उप-पुलिस अधीक्षक श्री रमनदीप सिंह व निरीक्षक तरलोचन सिंह के पिस्टल 9MM व 32 बोर पिस्टल तथा करतूस को भी पुलिस ने कब्जे में लिया। इस घटना में घायल उप-पुलिस अधीक्षक रमनदीप सिंह व चालक लखबीर सिंह हो CHC घवाण्डल (नैनादेवी जी)से चिकित्सा सुविधा प्रदान करवाई गई। आरोपी अमनप्रीत व गोल्डीमसीह को इस अभियोग में गिरफ्तार किया गया है तथा इस घटना की सूचना तुरन्त राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को भी दी गई है।

श्री एन जी द्वारा जारी

27/8/2018/1550/वाई0के0/एन0जी0-1

मुख्यमन्त्री जारी.....!

अन्वेषण में पाया गया है कि आरोपियों ने सुहाना के पास से एक वरना कार छीनी तथा छीनी हुई कार लेकर श्री नैना देवी जी आ गए। उनका पीछा करते हुए पंजाब पुलिस की टीम भी नैना देवी पहुंची, जहां दोनो पार्टियों की पहले आपस में छीना झपटी हुई तथा बाद में दोनों तरफ से गोलियां चली। गोलीबारी से सोनू मसीह ऊर्फ सन्नी को गोली लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। दिनांक 15.7.2018 को शव का पोस्टमार्टम श्री लाल बहादुर शास्त्री मेडिकल कॉलेज एवं हस्पताल, नेरचौक के फोरेंसिक साईन्स की टीम द्वारा जिला जोनल अस्पताल मण्डी में किया गया तथा पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी भी की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चिकित्सकों की टीम ने अंकित किया है कि "In our opinion cause of death is gunshot injury to thoracic organ (Lung) and abdomen leading to haemuroshagic shock. However, final opinion will be given after chemical Examination of Viscera, blood sample & other articles". मृतक का विसरा रसायनिक परीक्षण हेतु RFSL मण्डी भेजा गया है जहां से परिणाम आना अभी शेष है। मृतक के शव को अन्तिम संस्कार हेतु मृतक के परिजनों को सौंपा गया। इस encounter की घटना की जांच उप-मण्डल अधिकारी, स्वारघाट द्वार अमल में लाई जा रही है।

अभियोग का आगामी अन्वेषण उप-मण्डल पुलिस अधिकारी श्री नैनादेवी जी द्वारा किया जा रहा है। माननीय न्यायालय ने आरोपी गोल्डी मसीह व अमनप्रीत सिंह को पुलिस रिमांड प्रदान किया। पुलिस रिमांड के दौरान दिनांक 16.7.2018 को आरोपी अमनप्रीत की निशानदेही पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा-27 के अन्तर्गत वरना कार की असल नम्बर प्लेट UP-37H-7272 (जिसे आरोपी द्वारा उखाड़ कर फैंक दिया गया था) गांव सौहाड़ा (कुराली के नजदीक) से बरामद किया गया तथा आरोपी गोल्डी मसीह द्वारा दिनांक 13/14-7-2018 की रात को पंजाब पुलिस के कर्मचारियेां के साथ हुई मुठभेड़ में प्रयोग की गई पिस्तौल (जिसे उसने झाड़ियों में फैंक दिया था) को उसकी निशानदेही पर

दो जिन्दा कारतूस के साथ दिनांक 17.7.2018 को बरामद किया गया। वरना कार की असल पहचान को छुपाने के लिए आरोपियों द्वारा जाली नम्बर प्लेटें प्रयोग करने पर अभियोग में धारा 473 भा0द0सं0 जोड़ी गई। माननीय न्यायालय द्वारा अभियोग में पुलिस

27/8/2018/1550/वाई0के0/एन0जी0-2

द्वारा कब्जे में ली गई गाड़ियां वरना कार व इनोवा को इनके वास्तविक मालिकों को रिलीज किया गया है। अभियोग में घटनास्थल से उठाए गए व पोस्टमार्टम के दौरान चिकित्सकों की टीम द्वारा प्रिजर्व किए गए प्रदर्शो को रासायनिक परीक्षण हेतु RFSL भेजा गया है जहां से परिणाम आना अभी शेष है। अभियोग में दोनों आरोपी माननीय न्यायालय से दिनांक 23.8.2018 तक न्यायिक हिरासत रिमांड पर हैं। अभियोग का अन्वेषण प्रगति पर है।

गौरतलब बात यह है कि पंजाब पुलिस द्वारा सूचना हिमाचल पुलिस को घटना के तुरन्त बाद दे दी गई थी। यहां यह बताना उचित होगा कि पुलिस द्वारा टोबा चैक पोस्ट से निकलने वाली प्रत्येक गाड़ी की जांच नहीं की जा सकती इसलिए गाड़ियों को randomly चैक किया जात है या फिर जिन गाड़ियों पर सन्देह हो उन्हें चैक किया जाता है। जब कभी कोई गुप्त सूचना प्राप्त होती है तो चैक पोस्ट पर नाका लगाकर सभी गाड़ियों की पूर्णतयः चैकिंग की जाती है तथा उस दिन ऐसी कोई पूर्व सूचना हिमाचल पुलिस को नहीं मिली थी जबकि घटना हो जाने के उपरान्त सूचना हिमाचल पुलिस को प्राप्त हुई जिस पर तत्परता से कार्रवाई की गई एवं अन्वेषण में आगामी कार्यवाही नियमानुसार पुलिस अधीक्षक बिलासपुर की निगरानी में की जा रही है। जहां तक जिला बिलासपुर की सीमा की सुरक्षा का सम्बन्ध है श्री नैना देवी शक्तिपीठ को जाने वाली सड़क पर चैक पोस्ट टोब्बा नामक स्थान पर 03 सी0सी0टी0वी0 कैमरा लगाए गए है। इस चैक पोस्ट पर 01 पुलिस आरक्षी व 04 गृह रक्षक जवान तैनात है जिन्हें ए0के0-47 आधुनिक हथियार उपलब्ध करवाए गए हैं।

इसके अतिरिक्त कैंचीमोड़ नामक स्थान पर यातायात व पर्यटक सहायता कक्ष स्थापित हैं जिसमें वर्तमान में 2 पुलिस आरक्षी

श्री आर0जी0 द्वारा जारी.....

27/08/2018/1555/RG/AG/1

मुख्य मंत्री-----जारी

व तीन गृह रक्षक जवान तैनात किए गए हैं। इन जवानों को आधुनिक हथियार एस.एल.आर. राईफल, 303 राईफल तथा बारूद उपलब्ध करवाया गया है और दो सी.सी.टी.वी. कैमरे यातायात व पयर्टन सहायता कक्ष, कैंची मोड़ पर स्थापित किए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य की चिन्ता से वाक़िफ हूं। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह सारी घटना घटित हुई। जिन लोगों ने यह गाड़ी चोरी की थी। चोरी करने के पश्चात शायद उन्होंने ऐसा महसूस किया होगा कि हम सुरक्षित स्थान की तरफ आगे निकल सकें ताकि पुलिस हम तक न पहुंच पाए। लेकिन ऐसा हुआ कि जिस व्यक्ति की वह गाड़ी थी, उसका मोबाइल उसी गाड़ी में रह गया और जब पुलिस को शिकायत पहुंची कि गाड़ी चोरी हुई है तो उन्होंने उस मोबाइल को सर्विलैंस पर रखा जिसके कारण वह उनकी सारी लोकेशन बताता रहा। ऐसा नहीं है कि पुलिस वहां देर से पहुंची या उनका अढ़ाई-तीन घण्टे का गैप था। वे लोग पहुंच गए थे लेकिन पुलिस को जब उनकी लोकेशन की जानकारी मिली तो अपनी तरह से वह वहां एन्टर हुई। वे सादी वर्दी में थे। यह बात ठीक है कि वहां जब उन्हें पकड़ने की कोशिश हुई तो स्कफल हुआ, स्कफल होने के पश्चात आरोपी की मौत हुई। क्योंकि आरोपी ने वहां गोली चलाने की कोशिश की, परिणामस्वरूप पंजाब से जो पुलिस आई थी, उन्होंने भी गोली चलाई जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा कही गई सारी बातों से सहमत हूं। लेकिन उसके बावजूद ऐसी भी परिस्थिति नहीं है। यह एक अलग तरह की घटना है और थोड़ी हटकर के है। यह ऐसी घटना नहीं है कि रोज़ाना ही ऐसा हो रहा हो। खासकर जो यह घटना घटित हुई, पुलिस को जैसे ही यह सूचना मिली, तो तुरन्त जो भी आवश्यक कार्रवाई उसमें होनी चाहिए थी, उसको वहां अन्ज़ाम दिया गया। इसके अतिरिक्त जो कार्रवाई करनी थी, वह भी की गई। लेकिन इसके बावजूद मैं इस बात को लेकर यह जरूर कहना चाहूंगा कि आने वाले समय में यह स्थान, विशेषकर जो हमारे सीमावर्ती क्षेत्र हैं और पंजाब एवं हरियाणा प्रदेशों के साथ लगते हैं, वहां हमको और भी ज्यादा सतर्क रहने की आवश्यकता है। चाहे

ड्रग्ज की बात हो तो हमने देखा कि ड्रग्ज के मामलों में पंजाब में पिछले कुछ अरसे से काफी सख्ती हुई है और उस सख्ती का परिणाम यह हो सकता है इस धन्धे या

27/08/2018/1555/RG/AG/2

व्यवसाय से जुड़े जो लोग या पेडलर्ज हैं, वे सुरक्षित स्थान की ओर भागने की कोशिश करें, तो उसमें हमें यहां की भी आशंका है। क्योंकि हिमाचल एक ऐसा शांतप्रिय प्रदेश है और हिमाचल के बारे में एक छवि है कि यहां कानून-व्यवस्था अच्छी है। इसलिए वे लोग संरक्षण लेने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन इस बात को लेकर विभाग को आदेश दिए हैं कि जितने भी हमारे सीमावर्ती क्षेत्र हैं उनमें ड्रग्ज का मुद्दा तो है ही और उसके साथ-साथ इस प्रकार के जो अपराधी हैं, जिनका ड्रग्ज से ज्यादा लेना-देना नहीं है लेकिन अपराध करते हैं। किसी की हत्या करते हैं, चोरी, डकैती या बलात्कार करके आ जाते हैं और ऐसे स्थानों पर छुप जाते हैं। इसलिए आने वाले समय में इसको हम और भी ज्यादा गंभीरता से मॉनीटर करने की कोशिश कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि कुछ बातों को लेकर हमने पड़ौसी प्रदेशों के साथ कुछ बातों को सांझा किया है। अभी मेरी हरियाणा, उत्तराखण्ड और पंजाब के मुख्य मंत्रियों के साथ चर्चा हुई। उसमें प्रमुख मुद्दा तो ड्रग्ज का था। लेकिन उसके साथ-साथ आने वाले समय में जो हमारी अगली बैठक है, उसमें इस एजेण्डे को भी कानून-व्यवस्था की दृष्टि से शामिल करेंगे कि हिमाचल को कोई ऐसा प्रदेश न समझे कि यह एक शरणस्थली है या यह एक ऐसा स्थान है कि यदि कहीं से हम कोई गलत काम करके आएंगे, तो उसके बाद हिमाचल प्रदेश में चले जाएंगे। इस बात की इजाज़त बिल्कुल भी नहीं होगी। ऐसी परिस्थतियो से निपटने के लिए या सर्विलेंस की दृष्टि से हमारा पुलिस विभाग बिल्कुल मुस्तैद है। सीमावर्ती क्षेत्रों के बारे में जो माननीय सदस्य का कहना था कि पुलिस को और ज्यादा मजबूत करने की आवश्यकता है तो उस ओर भी हम काम कर रहे हैं। इसके साथ-साथ जो हमारी तकनीक या इनफॉरमेशन की बात है, इसको लेकर भी और ज्यादा बेहतर ढंग से उनको equipped कैसे कर सकते हैं,

एम.एस. द्वारा जारी

27/08/2018/1600/MS/AG/1

मुख्य मंत्री जारी-------

उनके साथ बेहतर ढंग से हम काम को कैसे अच्छा कर सकते हैं, उस दृष्टि से जो सारे विषय आपने ध्यान में लाए हैं, हम उन सारी बातों को ऐसा मानकर चलते हैं कि आने वाले समय में जो अच्छी और ठीक चीजें करने की हैं उनको हम करने की कोशिश करेंगे ताकि इस प्रकार की घटनाएं हिमाचल प्रदेश में घटित न हों। अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, धन्यवाद।

27/08/2018/1600/MS/AG/2

<u>नियम 130 के अंतर्गत प्रस्ताव</u>

अध्यक्षः अब नियम 130 के अंतर्गत प्रस्ताव होंगे। अब माननीय सदस्य श्री होशयार सिंह जी नियम 130 के अंतर्गत अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

श्री होशयार सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि "सरकार की पर्यटन नीति पर यह सदन विचार करे।"

अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि "सरकार की पर्यटन नीति पर यह सदन विचार करे"।

इस विषय पर माननीय सदस्य सर्वश्री राकेश पठानिया, नरेन्द्र बरागटा, सुरेश कुमार कश्यप और श्री बलबीर सिंह वर्मा जी से भी सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। वे भी इस चर्चा में भाग ले सकेंगे। मुझे अभी तक उक्त पांच माननीय सदस्यों के अतिरिक्त 10 अन्य माननीय सदस्यों के नाम भी प्रस्ताव पर बोलने हेतु प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार 15 माननीय सदस्यों के बोलने हेतु नाम प्राप्त हुए हैं और 16वां नाम अभी माननीय सदस्य राकेश जी का भी आ

गया है। इस प्रकार जो प्रस्तावक हैं उनको बोलने हेतु 10 मिनट मिलेंगे और 7 मिनट अन्य माननीय सदस्यों को अपनी बात रखने हेतु मिलेंगे।
अब माननीय सदस्य होशयार सिंह जी अपना विषय रख सकते हैं।

श्री होशयार सिंहः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने पर्यटन के बढ़ावे हेतु हमें सिक्किम राज्य के दौरे पर भेजा। इस संदर्भ में मैं अपने अनुभवों को और पर्यटन की कमियों को इस सदन में रखना चाहता हूं। Tourism is one of the biggest employment generations source of our State इसीलिए इस पर ज्यादा-से-ज्यादा फोक्स करना बहुत जरूरी है। हमारे प्रदेश में बर्फ से ढके पर्वत, कल-कल बहती नदियां, गर्म पानी के चश्मे, घने जंगल, हरे-भरे मैदान और झीलें हमारे हिमाचल को विश्व का सर्वश्रेष्ठ पर्यटक स्थल बनाती हैं। यहां का खान-पान, रीति-रिवाज़, भाषा और वेश-भूषा पर्यटकों में हिमाचल का अद्भूत आकर्षण पैदा कर सकती है। इसके अलावा यहां की कला, साहित्य, संस्कृति, त्योहार, मेले, मंदिर, लोक-कथाओं और परम्पराओं में पर्यटन की अपार

27/08/2018/1600/MS/AG/3

संभावनाएं हैं। इसीलिए आज हमें एक नये पर्यटन को जन्म देना है जिसका नाम
हमने "इनोवेटिव टूरिज्म" रखा है। इस "इनोवेटिव टूरिज्म" में सबसे पहले हमें रूरल टूरिज्म पर ध्यान देना है। Rural tourism and eco-tourism are one and the same. हिमाचल के प्रत्येक चुनाव क्षेत्र को प्रकृति ने कुछ-न-कुछ उपहार दिया है। इनमें या तो बर्फ दी है या पानी दिया है या बहुत अच्छे मंदिर और मॉन्यूमैंट्स दिए हैं लेकिन हम इस इको-टूरिज्म को आज दिन तक उस तरह से विकसित नहीं कर पाए हैं और इसमें कुछ कमियां रह गई हैं। जो सबसे बड़ी कमियां हैं वे ये हैं कि हमारे गांव के लोगों को 'हाउस कीपिंग', कि किस तरह रखा जाए, 'फूड प्रैपरेशन' कि खाना किस तरह नेशनल या इंटरनेशल लैवल का बनाया जाए और 'प्रौपर सेनिटेशन' कि किस तरह से साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए, इसकी ट्रेनिंग देना बहुत आवश्यक है। उसी तरह से विलेजर्ज को गाइड की ट्रेनिंग भी दी जानी चाहिए कि किस तरह वे पर्यटकों के साथ गाइड बनकर

काम कर सकते हैं । इसी तरह से फॉरैस्ट ट्रैक और मंदिर विजिट का भी कर सकते हैं। इन सब चीजों से हमारा रूरल टूरिज्म व इको टूरिज्म प्रमोट होगा।

जारी श्री जे0के0 द्वारा-----

27.08.2018/1605/जेके/डीसी/1

श्री होशयार सिंहः ---जारी.....

दूसरा जो टूरिज्म है जो सबसे ज्यादा महत्व रखता है वह वीक-एंड टूरिज्म है। वीकेंड टूरिज्म यह होता है कि सोमवार से शुक्रवार तक हफ्ते भर आदमी काम करता है । फिर उसके बाद उसको भी आराम की आवश्यकता होती है। वीकेंड टूरिज्म को यदि हैल्थ टूरिज्म से जोड़ दिया जाए, जैसे कि गोवा और केरल में हैं तो इस टूरिज्म से काफी ज्यादा प्रमोशन मिलेगी। हिमाचल में जो नीयर बाई टूरिस्ट, जैसे चण्डीगढ़, लुधियाना, जालंधर, होशियारपुर से वीकेंड में यानि शुक्रवार से रविवार तक यहां आता है। अगर उन्हें हम योगा, मैडिटेशन,मसाज, नैचुरल थैरेपी जैसी सुविधाएं यदि उपलब्ध करवाएं तो यह टूरिज्म और ज्यादा प्रमोट होगा। गोवा और केरल की तरह हम इसे और ज्यादा प्रमोट कर सकते हैं। तीसरा जो टूरिज्म है, जो आजकल आप देखते हैं इसे चाहे फार्म हाउस टूरिज्म कहो या रीवर बैड टूरिज्म कहो या कैनाल टूरिज्म कहो, लोगों को बड़ी उत्सुकता होती है कि वे दरिया के किनारे, नदी के किनारे पानी में पैर डाल कर बैठें और वहां पर खान-पान करें। यह भी एक ऐसा टूरिज्म है, जिसे हम नदियों के किनारे प्रमोट कर सकते हैं और इसकी मार्केटिंग कर सकते हैं। चौथा टूरिज्म ट्रैवल टूरिज्म है। ट्रैवल टूरिज्म एवं यूथ टूरिज्म को जोड़ दिया जाए। बहुत सारे युवा हैं जिन्हें ट्रैकिंग करने का शौक है। ट्रैकिंग, रॉक लैंडिंग,

एडंवैंचर, दूर-दूर पहाड़ियों पर चढ़ना, ये जो सुविधाएं हैं यदि उनको ये उपलब्ध करवाई जाएं तो ट्रैवल टूरिज्म भी बहुत बड़े पैमाने पर हम प्रमोट कर सकते हैं। पांचवां फैस्टिवल टूरिज्म है या पिलग्रिम टूरिज्म। हमारे हिमाचल में अनेक फैस्टिवल होते हैं। जिस तरह से मिंजर का मेला, दशहरे का मेला इसे अगर इंटरनेशनल लैवल पर प्रमोट किया जाए, जिस तरह से गुजरात में पतंग उड़ाने का फैस्टिवल होता है जिसमें हजारों/लाखों विदेशी सिर्फ पतंग उड़ाने के लिए आते हैं। जिन्होंने कभी डोरी तक नहीं पकड़ी होती है वे भी पतंग उड़ाते हैं। उस तरह का इन्टरनैशनल लैवल का फैस्टिवल यदि हम हिमाचल में रखें

27.08.2018/1605/जेके/डीसी/2

तो मैं समझता हूं कि इससे बहुत बड़ी प्रमोशन हमारे यहां टूरिज्म के लिए मिल सकती है। यहां पर पिलग्रिम्ज़ टूरिज्म का एक और उदाहरण मैं देना चाहता हूं । मणि-महेश यात्रा को अगर हम मानसरोवर यात्रा की तर्ज़ पर ले जाएं और इसे छः महीने के लिए खोल दें तो मेरा मानना है कि छः महीने में इतना ज्यादा टूरिस्ट आएगा कि जो मानसरोवर जाते हैं वे मणिमहेश जाएंगे और इससे हमारे इलाके में टूरिज्म की बहुत बड़ी प्रमोशन होगी। मणिमहेश यात्रा के लिए रोड़, हेलिपैड, इन्फ्रास्ट्रक्चर, रोप-वे जैसी सुविधाएं अगर डिवेलप होती है तो हम इस टूरिज्म को बहुत आगे तक ले जा सकते हैं। उसके बाद मैं आपके समक्ष हैरिटेज टूरिज्म रखता हूं। हैरिटेज टूरिज्म हमारे यहां बहुत पीछे है। हमारे यहां पर बहुत सारे किलें हैं, ओल्ड मॉन्युमैंट्स हैं, मन्दिर हैं। बगुलामुखी जैसा मन्दिर है। कई तालाब है जो आज दिन तक अदृश्य छिपे हुए हैं। अभी तक एक्सप्लोर नहीं किए हैं, ऐसे हैरिटेज को यदि हम राजस्थान की तर्ज़ पर बढ़ावा देते हैं तो हमारे यहां पर बहुत विदेशी टूरिस्ट आएंगे। राजस्थान में 55 परसेंट विदेशी टूरिस्ट आता है और इस कम्पेरिजन में हिमाचल प्रदेश में केवल 3

परसेंट फॉरेन टूरिस्ट आता है। उनको अगर हम अट्रेक्ट करना चाहते हैं तो हमें यह जो हैरिटेज है इसे बढ़ावा देना चाहिए। जैसे कि लोग दलाई लामा से मिलने आते हैं और वहीं से चले जाते हैं। हमने किब्बर जैसा इलाका मोनेस्टरी जो हमने प्रमोट नहीं की, अगर हम उसकी मार्केटिंग और प्रमोशन करें तो वह टूरिस्ट उस इलाके में भी जाएगा और इससे हमारे लोगों को काफी फायदा होगा। आखिर में मैं यह भी बोलना चाहूंगा कि हर जगह सरकार नहीं कर सकती इसलिए एक एन0आर0आई0 फॉरेन इन्वैस्टर बॉडी बनानी चाहिए, जो एन0आर0आइज़0, जापान गोल्फ कोर्स में बहुत ज्यादा इंट्रस्टिड है। अगर हमारी सरकार उन्हें जगह देती है तो वैसे इन्वेस्टर आएं और यहां पर गोल्फ कोर्स डिवैल्प करें ताकि हमारा इलाका और आगे विकसित हो। साथ मैं foreign investors must develop hot balloon rides , adventure games of International level here.

27.08.2018/1605/जेके/डीसी/3

इससे भी हमारे प्रदेश के लोगों को बहुत ज्यादा फायदा मिलेगा। एक और जैसे हाई-ऐंड टूरिस्ट हमारे यहां पर बहुत कम आता है क्योंकि हमारे यहां पर वे सुविधाएं नहीं हैं। पौंग डैम में 300 किस्म के पक्षी आते हैं, साइबेरियन बर्डज़ आते हैं लोग उनको देखने के इच्छुक हैं ।

श्री एस0एस0 द्वारा जारी----

27.08.2018/1610/SS-DC/1

श्री होशयार सिंह क्रमागतः

लेकिन हमारे पास कोई स्थान नहीं है जहां पर फॉरेन टूरिस्टस आकर रहें और उनकी फोटोग्राफी करें, बर्डस वॉच करें, चार-चार महीने यहां बैठें, वैसी हमारे यहां कोई सुविधा नहीं है। उसे भी हम बढ़ावा दे सकते हैं अगर हम फॉरेन इंवैस्टर्ज़ को इंवाइट करें।

वाइल्ड लाइफ एंड वाइल्ड बर्डस टूरिज्म हर निर्वाचन क्षेत्र में कुछ-न-कुछ है। हमारे यहां जू की बहुत कमी है। अगर हम जू डिवैल्प करते हैं तो बहुत अच्छा रहेगा। यदि हम ऊना इलाके में चले जाएं, ऊना में नील गाय का बड़ा प्रकोप है। अगर एक नील गाय की सैंक्चुअरी बन जाए तो सारी नील गायें का प्रकोप खत्म हो जायेगा और टूरिस्टस भी उन्हें देखने आयेंगे। हमारे ज्वाला जी क्षेत्र से लेकर मेरे देहरा ब्लॉक और जसवां-प्रागपुर निर्वाचन क्षेत्र में चीते, वाइल्ड मोर और साम्भर की बहुत बड़ा तादाद है। अगर वहां पर इस किस्म की जू खोलें, वहां पर भी यदि वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी और वाइल्ड लाइफ जू प्रॅमोट होता है तो वह भी टूरिज्म की दृष्टि से जो पिछड़ा हुआ इलाका है आगे बढ़ सकता है। हमारे स्टेट को बहुत बेनिफिट मिल सकता है।

गोवा में नई टैक्नोलॉजी एडॉप्ट हुई है कि किश्ती और गाड़ी एक ही है। बस ही बोट बन जाती है और बोट ही बस बन जाती है! ऐसी नई टैक्नोलॉजी की आज हमें ज़रूरत है। अगर हम उस बस को लाएं और सीधे पानी में उतार दें तो वह बोट बन जायेगी। हमारे ऐसे कई बड़े-बड़े लेक और तालाब हैं जहां पर ये बसें बोट का काम करेंगी और हम एक नई किस्म का एडवैंचर बड़े पैमाने पर यहां प्रॅमोट कर सकते हैं।

सभापति महोदय, मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा। आखिर में मैं कमियों के बारे में कहना चाहूंगा। हमें ए0डी0बी0 का पैसा मिलता है। लेकिन वह ए0डी0बी0 का पैसा कहां लगता है? ए0डी0बी0 का पैसा कई जगह गलत इस्तेमाल हो रहा है। इसे सही जगह इस्तेमाल किया जाए। एक कमेटी बने जोकि डिसाईड करे कि इस पैसे को कहां लगाया जाए और इसकी वेस्टेज न हो। जैसे हमारे डैम के किनारे कई जगह ए0डी0बी0 का पैसा लगा है लेकिन वह सारा वेस्ट हो गया है। वहां कोई टूरिस्ट नहीं जाता। एक साल हो गया, हट्स बनें लेकिन उनका आज

27.08.2018/1610/SS-DC/2

दिन तक उद्घाटन नहीं हुआ। 7 करोड़ रुपये का खड्ड के किनारे ट्यूलिप गार्डन बन रहा है, एक बारिश आयेगी तो सारा-का-सारा 7 करोड़ रुपया पानी में चला जायेगा। तो मैं सभापति महोदय के माध्यम से सरकार को कहना चाहूंगा कि जो भी ए0डी0बी0 का पैसा है उसका प्रॉपर इस्तेमाल हो। वह सही जगह पर लगे और सही इस्तेमाल हो ताकि हम टूरिस्ट प्लेसिज़ को डिवैल्प करने में कामयाब हों और हम अपने हिमाचल को विकसित करें।

सभापति महोदय, मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

27.08.2018/1610/SS-DC/3

सभापतिः अब श्री राकेश पठानिया जी, चर्चा में भाग लेंगे।

श्री राकेश पठानियाः सभापति महोदय, मैं होशयार जी के साथ अपने आपको जोड़ रहा हूं कि सरकार की पर्यटन नीति पर इस सदन में चर्चा हो।

मैं पहली बार 1998 में जीतकर आया था। 20 साल तो मुझे ही पर्यटन के बारे में सुनते हो गए। हमारा प्रदेश और हमारी सरकारें पर्यटन के बारे में कितने सीरियस हैं सब को पता चलता है। आज हमारे मुख्य मंत्री जी तो दिल्ली जा रहे हैं, मेरे ख्याल में चीफ मिनिस्टर्ज़ कॉफ्रेंस है। उनके अलावा आज सदन में केवल दो मंत्री बैठे हैं। नेता प्रतिपक्ष सदन छोड़कर चले जा चुके हैं। इससे यह नज़र आ रहा है कि हमारा प्रदेश टूरिज्म के बारे में कितना सीरियस है। यह बड़ा सीरियस इश्यु है। अगर एक्रॉस दी पार्टी लाइन हम सब मिलकर चाहते हैं कि प्रदेश में टूरिज्म को विकसित करना है or we have to promote tourism, तो हमें सीरियसली काम करना पड़ेगा। सभापति महोदय, हिमाचल में टूरिज्म एक ऐसा विषय है जिससे हमारा पर्यटन पैटर्न जुड़ा हुआ है। हिमाचल प्रदेश में जो नौजवान बेरोजगार युवकों की संख्या बढ़ती जा रही है अगर उसको कोई रिलीफ मिल सकता है तो केवल पर्यटन के माध्यम से मिल सकता है। मुझे खुशी है कि पर्यटन का नाम सुनकर मुकेश से सदन में पुनः वापिस आए हैं। --(व्यवधान)-- मंत्री तो दो ही बैठे हैं। मैं आपसे पहले ही मंत्री के बारे में बोल बैठा हूं। How serious we are about tourism? सभापति महोदय,

एक्रॉस दी पार्टी लाइन है, मैं न यहां (सत्तापक्ष) का पक्ष रखूंगा और न वहां (विपक्ष) का पक्ष रखूंगा। मैं केवल प्रदेश का पक्ष रखूंगा। प्रदेश को अगर आगे बढ़ाना है तो पर्यटन सबसे बड़ा स्टैप होगा जिसे हमको प्रॅमोट करना पड़ेगा। होशयार सिंह जी ने बड़े अच्छे तरीके से बात रखी। आखिर हिमाचल में टूरिज्म है क्या? What is tourism in Himachal Pradesh? मनाली चले जाओ, तो रोहतांग में आठ घंटे का जाम। धर्मशाला से मैकलोडगंज जाना हो तो छः घंटे का जाम। डलहौजी से खजियार जाना हो तो नौ घंटे का जाम। --(व्यवधान)-- मंत्री जी, अगर आप मेरा विषय सुन लें तो I will be very thankful to you. इससे पता लग रहा है कि इसके बारे में हमारी कितनी सीरियसनैस है। हम पर्यटन के मसले में बात कर रहे हैं और गोविंद जी आप तो पर्यटन नगरी मनाली से आते हैं

जारी श्रीमती के0एस0

27.08.2018/1615/केएस/एचके/1

श्री राकेश पठानिया जारी---

अगर आपको भी विषय सुनने में इंट्रस्ट नहीं है तो I am very sorry. This is a very serious concept और मैं इसके ऊपर बड़ी गम्भीरता से बात करना चाहता हूं। अगर सरकार इसको गम्भीरता से नहीं लेना चाहती तो मैं बैठने के लिए तैयार हूं। आखिर हिमाचल प्रदेश के बेरोज़गार नौजवानों का भविष्य, युरोप में अगर बात करें तो average employment ratio of the youth in the tourism is 60 to 72 per cent. हिमाचल में 2 से 3 percent है। आप हिसाब लगाएं कि हम लोगों ने टूरिज्म के माध्यम से कितना ज्यादा अपने आप को इस इंडस्ट्री से जोड़ा है या कितनी गम्भीरता से इसको लिया है? हम केवल हर बार विधान सभा में आए और हर बार ये खबरें पढ़े कि tourism promotion ए.डी.बी. से यह आया या फ्लां जगह से यह आया, वह लग कहां रहा है? हिमाचल में अलग क्या हो रहा है? एक शिमला, एक मनाली, एक धर्मशाला, एक डलहौजी इसके अलावा हिमाचल है भी या नहीं? क्या हिमाचल प्रदेश इसके बाद खत्म हो जाता है?

सभापति महोदय, ए.डी.बी. में अब 619 करोड़ रुपये आए। अच्छी बात है, हमें अच्छी फाइनैंसिंग मिल रही है। आगे 1800 करोड़ रु0 आ रहे हैं। परन्तु उसमें अच्छा हो क्या रहा है? हमने ऐसा क्या डवैल्प किया कि हमारे पास टूरिस्ट भाग कर आए? शिमला आए तब जाम है, धर्मशाला जाए, वहां जाम, डलहौजी में जाम, रोहतांग में जाम होता है। जहां जाए वहां जाम होता है उन्हें कोई सुविधा नहीं मिल रही है और हम कहते हैं कि Himachal is a tourism State. किस सरकार ने टूरिज्म के लिए क्या किया, यह मैं पूछना चाहता हूं? मैं जानना चाहता हूं कि क्या हम इतने गम्भीर हैं कि हम अपने नौजवानों को रोज़गार देना चाहते हैं? उस 3 की रेशो को उठाकर अगर हम 12 पर ले आएं तो हमारे कम से कम डेढ़ लाख बच्चों को नौकरी मिलेगी। डेढ़ लाख नौजवान हमारा इस काम में लगेगा। क्या हमने टूरिज्म के लिए वैन्ज़ डवैल्प की हैं? क्या हमने नौजवान बच्चों के लिए उसको फाइनैंस किया है? क्या हमने उनको साथ में 10-12 टैंट दिए हैं? क्या हमने हाई-वे टूरिज्म को डवैल्प किया है? हरियाणा में जा कर देखिए। हरियाणा के पास कुछ भी नहीं है लेकिन वे हमसे ज्यादा

27.08.2018/1615/केएस/एचके/2

टूरिज्म में पैसा कमा रहे हैं because of the highway tourism. उन्होंने हाई-वेज़ के ऊपर आर्टिफिशियल लेक बना दी हैं। जैसे होशियार सिंह जी बात कर रहे थे, हमारे पास तो 30-30 किलोमीटर की लेक्स उपलब्ध हैं लेकिन हमने उनके ऊपर क्या कर लिया? मैं ए.डी.बी. की लिस्ट पढ़ रहा था, कितने पैसे रेज़र वायर्ज़ के ऊपर खर्च किए, कितने पैसे आपने साइट्स डवैल्प करने पर खर्च किए। वहां पर एक भी टूरिस्ट नहीं जा रहा है। आपने ऐसी जगह camping and tenting colleges लगा दिए जहां पर टैम्प्रेचर 40 से 45 है। टूरिस्ट का क्या दिमाग खराब है कि वह उस टैंट में जा कर रहेगा? मुझे तो समझ नहीं आ रहा है कि where is the vision and where is the direction कि इसको किस तरीके से लिया जा रहा है? मैं बधाई देना चाहूंगा आदरणीय मुख्य मंत्री श्री जय राम जी को। इन्होंने

अपना हैलिकॉप्टर दिया। 70 से 90 परसेंट हमें ऑक्युपैंसी मिली। आपने एक नया इनिशियेटिव लिया उसकी हम तारीफ करते हैं। हर सरकार के साथ उसकी प्रायोरिटी क्यों चेंज हो जाती है? पिछली सरकार ने सुन्दरनगर में उद्घाटन किया वहां पर दो स्यूट्स बनाए, लेक पर रैस्टोरैंट बनाया, हाईवे इन्फोर्मेशन सैंटर बनाया,अगली सरकार आई तो वहां पर ए.डी.बी. का दफ्तर बन गया। Any Government is a continuity और टूरिज्म में तो यहां और वहां के पक्ष का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। टूरिज्म का मतलब तो यह है कि हमने अपने नौजवानों को उससे कैसे जोड़ना है ? मनाली और धर्मशाला में गुंडागर्दी बढ़ रही है। टैक्सी वालों की गुंडागर्दी एक नम्बर पर है।

सभापति महोदय, मेरे नेतृत्व में हम कुछ विधायक सिक्किम गए। होशियार सिंह जी भी हमारे साथ थे। वहां हम जिस गाड़ी में बैठे, टैक्सी वाले ने हमारी तरफ पीछे मुंह कर हमसे हाथ जोड़ कर कहा कि भाई साहब कोई चीज़ बाहर फेंकना हो तो इस लिफ़ाफे में डालना ।। am in surveillance और मेरे ऊपर 1500 रुपये जुर्माना हो जाएगा। मेरे सिक्किम को साफ रखें। क्या हमारा टैक्सी वाला यह बात नहीं बोल सकता? छोटी सी बात है परन्तु इसका कितना बड़ा मतलब है? हिमाचल के forests are much better and they are the most beautiful in the World.

27.08.2018/1615/केएस/एचके/3

सिक्किम का माउंटेन एरिया सारा फ्रेजाइल है। वहां पर हमसे ज्यादा टूरिज्म हो गया। पिछले साल उनकी growth is more than 110 percent और हमारी ग्रोथ 40-50 तक सीमित है। वह छोटा सा राज्य है। वहां केवल चार लाख की जनसंख्या है और वहां पर हमसे ज्यादा टूरिस्ट जा रहा है। एक लोकसभा की सीट है। वे आगे बढ़ रहे हैं और हम पीछे जा रहे हैं। हम टूरिस्ट को ले कर क्या डिसकस करना चाहते हैं? आज पर्यटन की मैं जितनी बात करुं,

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

27.8.2018/1620/av/hk/1

श्री राकेश पठानिया ----- क्रमागत

आज रोहतांग में टूरिस्ट क्यों आ रहा है? कितनी बार हमारी पार्टी की सरकार बनीं और कितनी बार विपक्ष की सरकार बनीं? एक रोहतांग को छोड़कर क्या हमने कोई नया स्नो प्वाईंट बनाया है? Have we developed any new snow points? हमारे पास 1800 करोड़ रुपये आ रहा है, why can't we have tourism snow roads? Why can't we have snow villages in Himachal Pradesh? जहां पर हमारे बच्चों को रोजगर मिले। मैं पीछे मैडम आशा कुमारी जी के निर्वाचन क्षेत्र में गया था। वहां पर डलहौजी में काला टोप के पास मैंने ईको-टूरिज्म का रैस्ट हाउस देखा। मुझे लगता है कि मैडम मेरे साथ ऐग्री करेंगी, काला टोप में फोरैस्ट का रैस्ट हाउस और टूरिज्म की हट्स मेन रोड से लगभग पांच किलोमीटर की दूरी पर हैं। वहां हम गाड़ी लेकर अंदर तक जाते हैं। अगर वहां पर गाड़ियां बाहर खड़ी हो जाएं और वहां से बग्गी या घोड़ों के ऊपर बैठकर जाया जाए तो उससे वहां के लोकल लोगों को रोजगार मिलेगा, लोकल लोगों को पैसा कमाने का एक साधन मिलेगा। इसके अतिरिक्त वहां ईको टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा। Not even single step we have taken. हम यहां पर बैठकर सिर्फ बातें करते हैं, बड़ी-बड़ी बातें करने से हिमाचल प्रदेश में टूरिज्म नहीं आयेगा, वह दूसरे राज्यों में जायेगा। डलहौजी से ख़जियार जाने के लिए मुझे जाम के कारण सात घंटे लगे। यही हाल चम्बा, धर्मशाला, मनाली और शिमला का है लेकिन फिर भी टूरिस्ट कितना बेशर्म है जो कि हिमाचल में आ रहा है। हम उनको बढ़ावा देने के लिए क्या कर रहे हैं? How are we developing tourism ? जब तक हम नये स्पोट्स डैवल्प नहीं करेंगे, (---घंटी---) सभापति जी, मुझे लगता है कि आप भी इस विषय पर सीरियस नहीं है, मैं बड़े सीरियस विषय पर बात कर रहा हूं। (---व्यवधान---) मैं ज्वालाजी के बारे में भी बोलने वाला हूं। हमारे पास रीलिजियस टूरिज्म का एक बहुत बड़ा सर्कट है। हमारे पास रीलिजियस टूरिज्म, ऐडवैंचर टूरिज्म, लेक टूरिज्म, स्नो टूरिज्म, ईको टूरिज्म इत्यादि हैं लेकिन हमने डैवल्प क्या किया? मैं यहां पर पांच बुक्स के नाम लेता हूं जो वर्ल्ड की सबसे फेम्स बुक्स हैं। इनमें

"Travel and Tour World, The Travel Magazine, The Trip Travel, The Travel, Bag Packers and The Budget Travels" ये पांच मैग्जीन्स हैं जिसको विदेशी टूरिस्ट कहीं भी बाहर जाने से पहले खरीदता है। मगर इसमें हिमाचल की एक भी कल्चरल आइटम नहीं है। There is not even one culture item which has been highlighted but a little one

27.8.2018/1620/av/hk/2

two lines of 'Dussehra of Kullu'. मैंने पांचों किताबें चैक की हैं। आज आप टूरिज्म को कैसे डैवल्प कर रहे हैं? आप दिल्ली के एयरपोर्ट पर चले जाइए वहां पर हर टूरिज्म स्टेट के बड़े-बड़े साइन बोर्ड लगे हुए हैं मगर उसमें हमारा कहीं पर नाम तक नहीं है। आपने ये करोड़ों रुपये कहां डालें? आपने जो टॉयलट बनाए हैं उनकी हालत भी देखिए। पौंग डैम, चमेरा और मनाली के ऊपर जो हम लेक टूरिज्म डैवल्प कर सकते हैं उसकी तरफ अभी तक हमने एक भी स्टैप नहीं लिया। हम यूथ के ऐडवैंचर्स स्पोर्ट्स के लिए क्या कर सकते हैं? हम कम-से-कम दस हजार बच्चों को ऐडवैंचर टूरिज्म गाइड बना सकते हैं। क्यों नहीं हम युनिवर्सिटीज को यहां बुला सकते, एक रिपीटिड सेल जायेगी। यहां पर नौजवान, लड़के-लड़कियां छोटी आयु में टूरिज्म के लिए आयेंगे, ट्रैकिंग के लिए आयेंगे, मांउटेनीयरिंग के लिए आयेंगे और साइट सीन के लिए आयेंगे। वह बच्चा will fall in love with Himachal Pradesh. कल को शादी के बाद वह फिर यहां पर आयेगा। बाद में परिवार बढ़ेगा तो फिर वह हिमाचल में आयेगा। इस तरह से हमारे पास रिपीटिड सेल आयेगी। लेकिन हमने जो यहां पर यह विषय लाया है we should discuss and formulate a policy on Himachal tourism. मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि आप कार्यक्रम छोड़कर वापिस आए। (माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा सदन में अपना पद ग्रहण करने पर कहा।) मेरा आपसे यही निवेदन है कि जैसे मैंने स्नो टाउनशिप के बारे में कहा। क्या हिमाचल प्रदेश में टूरिज्म प्वाईंट ऑफ व्यू से एक भी टाउनशिप प्लान्ड है? क्या सिवरेज, सोलर लाइट्स इत्यादि प्लान्ड है? कहां पर रैस्टोरेंट्स और पब्स होंगे इस बारे में कोई प्लान्ड नीति है? हमारे कुछ मित्र नेता और विभागीय अधिकारी हमारी बात को नहीं मानते। हम सिक्किम में गए वहां पर केसिनो बना हुआ है। वहां पर हाई-ऐंड टूरिस्ट आ रहा है। वहां लोकल व्यक्ति अलाउ नहीं है, आपको अपना आधार कार्ड या पहचान पत्र दिखाना पड़ेगा, आप तब जाकर उसमें एंटर कर सकते हैं। वहां पर

एक-एक रात की सेल 3 से 5 करोड़ रुपये है। अगर वहां पर 3 से 5 करोड़ रुपये सेल आ रही है तो वह पैसा उनके टूरिज्म को जा रहा है। गोवा में इस तरह से किया हुआ है, सिक्किम में किया है। जहां-जहां टूरिज्म प्रमोट करना है They are very flexible people and very liberal people. और तभी टूरिज्म आयेगा जब आप फ्लैक्सिबल और लिबरल होंगे। यहां पर जैसे राम लाल जी ने प्रश्न रखा कि कानून-व्यवस्था अगर इसी तरह से खराब होती गई तो यहां पर

27.8.2018/1620/av/hk/3

टूरिस्ट कैसे आयेगा? मेरा मुख्य मंत्री जी से निवेदन रहेगा कि हमें न्यू टूरिज्म टाउनशिप को डेवल्प करना ही पड़ेगा। (---व्यवधान---) बाहर वर्षा शुरू हो गई है और मानसून टूरिज्म भी एक बहुत बड़ा चैप्टर है जिसको मुम्बई बेच रहा है।

श्री टी सी द्वारा जारी

27-08-2018/1625/TCV/YK/1

श्री राकेश पठानिया..... जारी

महाराष्ट्र ने एक पैकेज़ तैयार किया है, जहां पर मिडिल ईस्ट से लोग मॉनसून देखने के लिए आ रहे हैं। आदरणीय मुख्य मंत्री जी जैसे हम राजस्थान जाये, आपकी ससुराल भी राजस्थान में है, आप जयपुर भी गये होंगे। आप भी शाम को एक घण्टे तक फोर्ट के सामने बैठकर नज़ारा देख लेते होंगे। वहां पर अमिताभ बच्चन की आवाज में ऐसा लगता कि एक घोड़े की सवारी यहां से आ रही है और दूसरी वहां से आ रही है। क्या आप ऐसा कांगड़ा फोर्ट में नहीं कर सकते हैं? हिमाचल प्रदेश में कई फोर्ट हैं जैसे नुरपूर व कांगड़ा के फोर्ट। हम कई जगह ऐसे कदम उठा सकते हैं। कांगड़ा फोर्ट के सामने एक बहुत बड़ा मैदान है, उस मैदान को डेवैल्प करके वहां पर विडियो कांफ्रेसिंग की जा सकती है। मेरा आपसे निवेदन रहेगा कि हिमाचल प्रदेश में ए0डी0बी के माध्यम से जो नया पैसा आ रहा है,उसके लिए बड़े प्रोजैक्ट्स लाएं। आप छोटे-छोटे प्रोजैक्ट्स, टॉयलेट्स, पार्किंग, सड़कों की ब्यूटिफिकेशन, नालियां पक्की करने के ऊपर जोर मत रखें। अगर आपने जोर देना है तो

बड़े और नये पर्यटन प्रोजैक्ट्स पर दें। Get new tourism and give new thoughts on tourism to Himachal Pradesh. हिमाचल प्रदेश की कोई भी गाड़ी जब चण्ड़ीगढ़ एंटर करें तो पता चले कि कोई गाड़ी पर्यटन नगरी से चलकर आई है।

माननीय अध्यक्ष पदासीन हुए

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने भी इस पर्यटन के मुद्दे की अहमियत को समझा। आपने ए0डी0बी0 में जितने पैसे खर्चे किए हैं, वे सारे माइनर प्रोजैक्ट्स हैं। All the projects are small projects. I would like you request the Hon'ble Chief Minister to come up with the newer and bigger projects to get Himachal on the fast track of tourism so that our youth gets employment opportunities and Himachal Pradesh comes on the map of World tourism as a tourism destination. Thank you.

27-08-2018/1625/TCV/YK/2

अध्यक्षः अब श्री नरेद्र बरागटा जी चर्चा में भाग लेंगे। मेरा आग्रह रहेगा कि 7 मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

श्री नरेन्द्र बरागटाः माननीय अध्यक्ष जी, पर्यटन की प्रदेश में नीति बने , इस पर जो चर्चा श्री होशयार सिंह जी ने शुरू की है, उसमें मैं भी अपने आप को शामिल कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, जैसे आप जानते हैं कि बागवानी, ऊर्जा और पर्यटन ये तीन क्षेत्र है जो प्रदेश की जी0डी0पी0 में अपना योगदान ज्यादतर करते हैं। यदि किसी क्षेत्र में सबसे बड़ा योगदान हो सकता है, जी0डी0पी0 को बढ़ाने के लिए, प्रदेश की आर्थिकी को आगे बढ़ाने के लिए तो पयर्टन एक ऐसा क्षेत्र है, जिस पर हमें ध्यान देना चाहिए। यह हमारा सौभाग्य है और ईश्वर का हम धन्यवाद करना चाहते हैं कि हमें बहुत बड़ी सौगात ईश्वर ने दी है। प्राकृतिक सुन्दरता अपने आप मिली है, बर्फ से ढ़के ऊंचे-ऊंचे पहाड़ अनायास ही हमें अपनी ओर

आकर्षित करते हैं। सारा क्षेत्र चांदी के समान लगता है और जब उस पर सूरज की किरणें पड़ती है तो ऐसा लगता है कि मानो सारा प्रदेश सुनहरी बन गया है। टूरिस्ट बाहर से आये, इसके बारे में बहुत सारे आंकड़े और सुझाव उस तरफ से (विपक्ष की ओर) भी आये हैं। मैं उनको दोहराना नहीं चाहूंगा। ये पहाड़, कंद्राएं जो हमें बर्फ और पानी देती है, वह किसी से छिपी नहीं हैं। यहां पर धार्मिक पर्यटन के बारे में बहुत चर्चा हुई है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का हाटकोटी/हाटेश्वरी माता जैसे पर्यटन स्थल को विकसित करने के लिए धन्यवाद करना चाहता हूं। इन्होंने हाल में ही वहां जाकर जो बहुत बड़ी घोषणा इस धार्मिक पर्यटन स्थल व इसके इसके इर्द-गिर्द के क्षेत्रों आगे बढ़ाने के लिए की है, उसके लिए इनका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं यहां पर कुछेक सुझाव रखना चाहता हूं। हम पर्यटन को अगर और अधिक डाईमेंशन देना चाहते हैं, तो बागवानी को भी पयर्टन के साथ जोड़ना चाहिए।

श्रीमती एन0 एस0 .... द्वारा जारी ।

27-08-2018/1630/NS/YK/1

श्री नरेन्द्र बरागटा-------जारी

जब आम और सेब के बगीचों में फ्लॉवरिंग होती है तो प्रदेश में हॉर्टिकल्चर का एक बहुत बड़ा नेटवर्क है। अगर उसको इसमें जोड़ा जाता है तो होम स्टे के अन्तर्गत हमें और अधिक लाभ मिल सकता है। यहां पर सिक्किम की बात हो रही थी कि पुष्प के कारण सिक्किम आज पूरे देश में जाना जाता है तो हम यहां पर भी ऐसा करके और आगे बढ़ सकते हैं। मेरा आपसे ऐसा निवेदन है।

अध्यक्ष महोदय, हमारा कल्चर इतना रिच है, मुझे नहीं लगता कि भारत वर्ष में इतना रिच कल्चर किसी का होगा जितना हमारा है। यहां पर और भी बहुत सारी चीज़ें ऐसी हैं जिसके कारण हिमाचल प्रदेश आगे जा सकता है। ढोल की थाप पर हमारा पूरा प्रदेश थिरकता है और नाटी में नाचता है तथा कुंजू जैसा जो हमारा गाना है, यह गाना सिर्फ चम्बा का ही नहीं है बल्कि पूरे प्रदेश के लोग इस गाने को अपने आप से जोड़ते हैं। मुझे लगता है कि रावी नदी जब चलती होगी तो इसकी कल-कल ध्वनि के साथ कुंजू का

नाम आगे बढ़ता होगा। हमारे प्रदेश के ऐसे बहुत सारे गाने और कल्चर है जिसको हम पर्यटन के साथ जोड़ सकते हैं। यहां के लोक संगीत को भी हम एक्पोज़ कर सकते हैं और आगे बढ़ा सकते हैं। हमारे प्रदेश की नाटी, भंगड़ा और गिद्दा ऐसा है, जिससे हर कोई प्रभावित होता है, जब जमाकड़े का प्रदर्शन होता है तो सभी प्रभावित होते हैं। मेरे हिसाब से बाहर से जो पर्यटक आयेंगे वे इससे आकर्षित होंगे। लेकिन सवाल यह है कि हम इसको किस तरह से आगे बढ़ायें, इसके लिए हमें प्रयास करने चाहिए और चर्चा करनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हमारा पहनावा भी अलग-अलग है। अगर हम किन्नौर से आयें और चम्बा में जायें तो गद्दियों का पहनावा तथा शिमला जिले की टोपी, रेज़टा, ढाठू बहुत सुन्दर है। लाहौल और स्पिति का तो कहना ही क्या है। इस पहनावे के कारण भी हम पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं और बड़ी संख्या में कर सकते हैं। मैं इतना कहना चाहता हूं कि इसको इंटीग्रेट करने की आवश्यकता है कि हम कौन-सी चीज़ को ले करके पर्यटन को बढ़ायें। इसके लिए हमें प्रयास करने की आवश्यकता है।

27-08-2018/1630/NS/YK/2

अध्यक्ष महोदय, हमारे पास देने के लिए और ग्रहण करने के लिए बहुत कुछ है। हमारे पास साफ हवा है। पर्यावरण की दृष्टि से हिमाचल प्रदेश एक ऐसा प्रदेश है जहां साफ हवा मिल सकती है। हमारे पास पहाड़ हैं और उस पर गिरी हुई बर्फ है। पहाड़ों से निकलता हुआ शुद्ध पानी है और नदियां हैं। हमारे पास अद्भुत धार्मिक क्षमता है। हमारे पास समृद्ध संस्कृति है, जिसकी मैंने यहां पर चर्चा की है। हमारे पास पूर्वज़ों के बहुत ही जबरदस्त संस्कार हैं और जिसकी हमने यहां पर चर्चा भी की है। हमारे पास सुख शांति है। आप देखेंगे राष्ट्र में आज ऐसी स्थिति आ गई है कि जगह-जगह आतंकवाद फैल रहा है। लेकिन हमारे ऊपर भगवान की बड़ी कृपा है कि यहां पर सुख-शांति है और पर्यटन को हम और अधिक इस तरफ आकर्षित कर सकते हैं। इसके लिए हमें प्रयास करने चाहिए। यहां के अद्भुत मौसम के हिसाब से भी पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं। जैसे यहां पर कहा गया कि बरसात,सर्दी और गर्मी तथा किसी भी फूल के फूलने का जो बलोसम टाइम होता है उसमें भी हम कई प्रकार की गतिविधियां कर सकते हैं। इस प्रकार से हमें पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोशिश करनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, इन्हीं मुद्दों को ले करके मैं आगे बढ़ता हूं। यहां पर हैली स्कीम और रोप वेज़ हो सकते हैं। स्वीडन और स्विट्ज़रलैंड जैसे देश जो इस क्षेत्र में एक्सपर्ट हैं, वहां के विशेषज्ञों को बुलाना चाहिए, उनसे बात करनी चाहिए कि किस तरह से हम भी इसको उसी स्वरूप में आगे बढ़ा सकते हैं ताकि पूरे विश्व में हमारे प्रदेश का डंका बजे। हमें ऐसी कोशिश करनी चाहिए। यहां पर साहसिक पर्यटन के बारे में भी बताया गया है।

अन्त में, मैं जिला शिमला की तरफ आना चाहूंगा। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। इन्होंने हिमालय सर्किट के अन्तर्गत नारकंडा, बागी, खदराला, सुंगरी, सराहन और खड़ा पत्थर इत्यादि को भी सर्किट में जोड़ा है, इसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवादी हूं। मेरे पहाड़ों की रानी न जाने इसको क्यों ग्रहण लग गया है। यह प्रदेश की राजधानी है। शिमला में पार्किंग की समस्या बहुत है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक सुझाव देना चाहता हूं, आप घंटी न बजायें। मैं आपके सिर्फ दो मिनट लूंगा। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

27.08.2018/1635/RKS/AG-1

श्री नरेन्द्र बरागटा... जारी

यह राजधानी ही नहीं है बल्कि इससे हमारा इतिहास भी जुड़ा हुआ है। इससे हमारे हिन्दुस्तान का इतिहास जुड़ा है। यहां पर पार्किंग और पानी की जो समस्याएं आ रही हैं उसके लिए मैं किसी को ब्लेम नहीं करना चाहता हूं। कितनी संजीदगी से हम इन समस्याओं को हल करें, उसके बारे में हमें सोचना चाहिए। माननीय मुख्य मंत्री जी मैं कुछ सुझाव देना चाहता हूं। यहां पर अंडर ग्राउंड सुरंग का निर्माण हो ताकि पर्यटन की दृष्टि से और यहां की क्षेत्रीय जनता को इसका लाभ मिल सके। यहां पर बंदरों की सीमा कैसे निर्धारित की जाए, पानी की समस्या से कैसे निपटा जाए इस पर विचार करने की आवश्यकता है।

अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी का ध्यान इस ओर भी आकर्षित करना चाहूंगा कि सरस्वती नगर में सावड़ा-कूड्डू का प्रोजैक्ट जल्द ही पूर्ण होने

वाला है और एक साल के भीतर आप उस प्रोजैक्ट का उद्घाटन भी करेंगे। वहां पर वाटर स्पोर्ट्स काफी मात्रा में शुरू हो सकते हैं। टिक्कर, खड़ापत्थर, रोहड़ू, नारकंडा, हाटकोटी और सरस्वती नगर आदि ऐसे क्षेत्र हैं जिन्हें हम पर्यटन की दृष्टि से विकसित कर सकते हैं।

अध्यक्ष जी, जब माननीय मुख्य मंत्री जी मेरे निर्वाचन क्षेत्र आए थे तो उस समय मैंने इन्हें एक पुस्तक प्रस्तुत की थी। मैं इस पुस्तक को इस सदन में भी दिखाना चाहूंगा। इस पुस्तक में बहुत-सी जगह दिखाई गई हैं। पुस्तक के पृष्ठ में गिरि गंगा का दृश्य है। बहुत से प्राचीन मंदिर जोकि बहुत ही सुंदर हैं, इन्हें भी आप देख सकते हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी ने नारा दिया 'अनछुआ क्षेत्र'। यदि अनुछुआ क्षेत्र को हम विकसित करेंगे तो इससे उस क्षेत्र और सरकार को बहुत लाभ होगा। पुस्तक में सुंदर मंदिर और मंदिर के पीछे खूबसूरत देवदार के पेड़, बर्फ से ढके पहाड़, कलकल करती हुई गिरि गंगा का दृश्य दर्शाया गया है। क्या यह जगह विकसित नहीं होनी चाहिए? क्या यहां पर सड़क नहीं बननी चाहिए? क्या यहां पर मूलभूत सुविधाएं नहीं होनी चाहिए? मैंने अपने स्तर पर भी इस जगह को विकसित करने की कोशिश की है।

27.08.2018/1635/RKS/AG2

वहां पर बहुत-सारे मंदिर हैं जहां पूजा-अर्चना भी होती है। इस पुस्तक में कुपड़ क्षेत्र का भी चित्र है। यह एक जबरदस्त जगह है। यहां पर हैली-स्किंग शुरू की जा सकती है और दुनिया के कोने-कोने से यहां पर लोग स्किंग करने आएंगे।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया वाइंड-अप कीजिए।

श्री नरेन्द्र बरागटाः अध्यक्ष जी, धर्मशाला को छोड़कर हिमाचल में पैरा-ग्लाइडिंग के बारे में कोई नहीं सोचता। दयोरी घाट में पैरा-ग्लाइडिंग शुरू की गई थी और उसमें लोग कामयाब भी हुए। वर्तमान सरकार बहुत ज्यादा हैलीपैड बनाना चाहती है जोकि बहुत बढ़िया कार्यक्रम है। अतः मेरा निवेदन है कि सरस्वती नगर, भानकूफर, महासू, कोटखाई, घासी गांव और सुंगरी के हैलीपैड्स को भी विकसित किया जाए। इसी तरह ज्यूरी घाट,

बाघी, रतनाड़ी, समुखर, ग्राब और छाछपुर इत्यादि क्षेत्रों में भी हैलीपैड बनाएं जाएं ताकि पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए। अध्यक्ष जी आपने मेरा ध्यान रखा है और आपने घंटी भी नहीं बजाई है। मैं अपना वक्तव्य समाप्त कर रहा हूं परंतु समाप्त करने से पहले मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को एक बार पुनः बधाई देना चाहता हूं कि आप जहां भी जाते हैं वहां पर टूरिज्म की बात करते हैं। यह सदन भी इस बात से सहमत होगा कि हमें टूरिज्म को प्राथमिकता देनी चाहिए। मैं यहां से शुभकामनाएं दे सकता हूं कि टूरिज्म के माध्यम से हमारा प्रदेश विकसित हो और पूरे हिन्दुस्तान व संसार में अपना डंका बजाए। अध्यक्ष जी, आपने बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

27.08.2018/1635/RKS/AG3

अध्यक्षः अब माननीय सदस्य, श्री सुरेश कुमार कश्यप जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री सुरेश कुमार कश्यपः अध्यक्ष जी, नियम-130 के अंतर्गत 'सरकार की पर्यटन नीति पर यह सरकार विचार करे' के प्रस्ताव पर बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका धन्यवाद।

श्री बी0एस0 द्वारा ...जारी

27.08.2018/1640/बी.एस/ए.जी./-1

श्री सुरेश कुमार कश्यप जारी...

मुझ से पूर्व वक्ताओं ने भी विस्तृत रूप से यहां पर अपनी बात रखी है, निश्चित रूप से पर्यटन कोई नया विषय नहीं है। प्राचीन काल से ही पर्यटन का मनुष्य के जीवन में विशेष महत्व रहा है। मनुष्य का यह स्वभाव रहा है कि वह हमेशा ही घूमना-फिरना पसंद करता है। प्राचीन काल में भी मनुष्य अनेक स्थानों पर भ्रमण किया करता था जिसके लिए पैदल चल कर, घोड़ो पर बैठ कर और समुद्र के रास्ते भी घूमा करता था। इस तरह के अनेक प्रयोजन शिक्षा प्राप्ति और व्यापार के लिए होते थे। कुल मिलाकर पुराने समय से ही पर्यटन

का बहुत महत्व रहा है। आज मैं कहूंगा पर्यटन उद्योग विश्व की दूसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था है। अगर हम देखें तो विश्व में तेल से सबसे ज्यादा आर्थिकी प्राप्त होती है और दूसरे नम्बर पर जो आर्थिकी प्राप्त होती है वह पर्यटन है। आज पर्यटन उद्योग बहुत फ्लोरिश कर रहा है। विश्व में ऐसे अनेक देश हैं जिनकी आय का मुख्य स्त्रोत पर्यटन है। मैं कहना चाहूंगा जैसा कि थाइलैंड, मालदीप और ब्रिटेन आदि देशों में पर्यटन आय का मुख्य साधन है। यदि मैं थाइलैंड की बात करूं तो आज उनकी आर्थिकी का 80 प्रतिशत हिस्सा केवल पर्यटन से आता है। हमारे देश में भी पर्यटन की अपार संभावनाएं है। हमारे वर्ष 2017 के आंकड़े हैं उसके अनुसार 15.24 करोड़ रुपया दर्शाया गया है। जो कुल जी.डी.पी.का लगभग 9.50 प्रतिशत हिस्सा है। देखने में बहुत कम है परंतु पर्यटन से प्राप्त हुआ। पर्यटन में लगभग 43 प्रतिशत लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है, अर्थात हमारे देश को रोजगार का 8 प्रतिशत हिस्सा पर्यटन उद्योग से मिला है। आज हम अगर देखें, हमारे देश में भी लाखों लोग इस उद्योग से जुड़े हैं। उसमें चाहे हम छोटे व्यापरी हों, चाहे चाय बेचने वाले हों, चाहे ढाबा मालिक हों, चाहे होटल वाले हों एवं इसके साथ ही ट्रांस्पोर्टस, रेलवे या एयरलाइंस हैं सभी पर्यटन से जुड़े हैं। हम देखें तो हमें बहुत सारा रोजगार पर्यटन से प्राप्त हो रहा है। हम अपने प्रदेश की बात करें तो यहां पर निश्चित रूप से जो सरकारें आई उन्होंने पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयत्न किया है। प्रदेश में अगर हम देखें तो पर्यटन की बहुत सारी

27.08.2018/1640/बी.एस/ए.जी./-2

संभावनाएं हैं। जितना दोहन पर्यटन का हो सकता था वह अभी नहीं हुआ है, उसमें बहुत कमी है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा जिन्होंने मात्र 8 महीने की सरकार के कार्य काल में लगभग 1898 करोड़ रुपये का एक प्रोजैक्ट एशियन डवेल्पमैंट बैंक के माध्यम से स्वीकृत करवाया है जिसके तहत हिमाचल प्रदेश में इको फ्रैंडली पर्यटन और एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा मिल सकेगा। आने वाले समय में निश्चित रूप से हमारे

प्रदेश में और हमारे नौजवान साथियों को बहुत रोजगार इसमें मिलेगा। इसके अलावा अभी-अभी केन्द्र सरकार ने 50 करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट जिसमें चिन्तपूर्णि मन्दिर में जो प्रसाद स्कीम The Pilgrimage Rejuvenation and Spiritual Augmentation Drive (PRASAD) स्कीम है उसके तहत स्वीकृत करवाया है। इसके लिए भी मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा। साथ ही साथ पहली बार प्रदेश सरकार ने 50 करोड़ रुपये का प्रावधान बजट में किया है ।

श्री डी.टी. द्वारा जारी

27-08-2018/1645/DT/DC-1

श्री सुरेश कुमार कश्यप.... जारी

जिसके तहत पर्यटन इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए एक स्कीम प्रदेश सरकार लेकर आई है। 'नई राहें, नई मंजीलें' स्कीम के तहत उस क्षेत्र को भी पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाए। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि आने वाले समय में हमारा क्षेत्र में जहां पर पर्यटन बहुत ज्यादा सभावना है परतु इस ओर कोई कार्य नही किया गया है , आने वाले समय में किया जाएगा। साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी हेली टैक्सी सर्विस सुरू की है उसके लिए भी इनको बधाई देने चाहूगा। निश्चित रूप से वर्तमान सरकार पर्यटन की दृष्टि से प्रदेश आगे बढ़े उसके लिए प्रयास कर रही है। परन्तु अभी हमारे प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावना है। हम मदिरों की बात करें हम जैसे कांगड़ा जिला की बात करें ता वहां पर कागड़ा में माँ ज्वाला माता मदिंर चिंन्तपुर्णी मदिर चामूंडा माता मदिर इसी प्रकार से बिलासपुर का नैनादेवी मदिर और चम्बा का लक्ष्मीनारायण मंदिर कुल्लू का बिजली महादेव मदिर और प्रसिद्ध रघु नाथ मंदिर ऐसे स्थान है जहा पर की प्रति वर्ष लाखों -लाखों लोग यहां पर आते हैं।

अध्यक्षः माननीय सदस्य श्री सुरेश जी कृपया एक मिनट बैठिए। माननीय मुख्यमंत्री जी अति आवश्यक कार्य से प्रधानमंत्री जी के साथ मुख्यमंत्रियों की बैठक है वहां पर जाना है तो माननीय मुख्य मंत्री जी यहां कुछ कह कर जाना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय,मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूँ कि एक बहुत महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने मुझे दिल्ली जाना है और मौसम खराब था अभी सूचना मुझे मिली है कि चौपर जाने के लिए तैयार है, वे इतजार ही कर रहे हैं। अगर मुझे इजाजत हो तो मैं निकल जाऊगां । अगर सदन इस बात की इजाजत देता है तो इसका जवाब हम 29 तारीख को दे देगे, आज चर्चा पूर्ण हो जाए।

अध्यक्षः सर, ठीक है। अब श्री सरेश कुमार जी अपनी बात रख सकते हैं।

श्री सुरेश कुमार कश्यपः माननीय अध्यक्ष महोदय,मै बात कर रहा था धार्मिक पर्यटन की। हमारे प्रदेश में अनेक ऐसे धार्मिक स्थल और वैसे भी हमारे प्रदेश को देव भूमि के नाम से जाना जाता है। जहा मैं कागड़ा के मदिरों की बात कर रहा था इसी प्रकार से

27-08-2018/1645/DT/DC-2

अनेक ऐसे स्थान है जहा पर की धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही हमारे प्रदेश में साहसिक पर्यटन की भी बहुत सभावना है। चाहे म पैराग्लाइडिंग की बात करे या फिर वाटरराफटिंग की बात करें। प्रदेश में अनेक ऐसी झीले है जिनमें सिरमौर में रेणुका लेक है इसी प्रकार से डल झील है। रिवालसर की झील है, खजियार झील है पोंग डैम है और अनेक स्थानों के ऊपर हम इस प्रकार की पानी की खेलो की एक्टीवीटी कर सकते हैं। जो की न केवल प्रदेश से बल्कि देश और विदेशो से भी पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं। अनेको ऐसे ट्रैक रूटज़ है जहां पर की ट्रैकिंग को बढ़ावा दिया जा सकता है। कुल मिलाकर हमारा जो प्रदेश है इसको प्रकृति ने सुन्दर बनाया है। यहां मौसम भी बहुत अच्छा है और आवश्यकता मात्र इसकी है की यहां पर पर्यटकों को च्छी सुविधायें हम दें। यहां पर अच्छी सड़के हों। हमोर इंफ्रास्ट्रक्चर में बहुत कमी हैं, सड़को की कमी है और गर्मी के शीजन में अगर देखे तो पानी की भी कमी हो जाती है। अनेक ऐसी कमीयां है जिसकी वजह से पर्यटक आते है लेकिन जो सुविधायां उनको चाहिए वे सुविधाए हम उनको नही दे पाते हैं।

श्री एन जी द्वारा जारी

27/8/2018/1650/डी0सी0/एन0जी0-1

श्री सुरेश कुमार कश्यप.....!

मेरा सरकार से यही निवेदन रहेगा कि हम पर्यटन को बढावा देने के साथ-साथ जो पर्यटकों के लिए मूलभूत आवश्यकता हों उनपर भी हम ध्यान दें । हमारे देश में कई ऐसे प्रदेश हैं जो पर्यटन को बढावा दे रहें हैं । जैसे केरल को ही लें। वैसे तो बरसात के कारण आजकल केरला बुरी तरह से अस्त-व्यस्त है, और वहां पर भारी नुकासान हुआ है। वहां की टूरिज्म इन्डस्ट्री से हर घर, हर परिवार जुडा हुआ है । केरल के आयुर्वेदिक हस्पतालों व होटलों में किया जा रहा पंचकर्म पर्यटकों को आकर्षित करता है। हम भी अपने प्रदेश में ये सुविधा पर्यटकों को दे सकते हैं । मेरा सरकार से अनुरोध रहेगा कि इस ओर ध्यान दिया जाए । इसके इलावा हमारे प्रदेश में योग की ओर भी ध्यान दिया जा सकता है । हमारा प्रदेश तो ऋषि-मुनियों की धरती रहा है और अनेक ऋषि यहां पर योग किया करते थे। इसके इलावा हमारे प्रदेश में भारी मात्रा में पर्यटक आएं, देश से बाहर के विदेशी पर्यटक भी आए, इसके लिए भी उन्हें हर प्रकार की सुविधा मिलनी चाहिए ताकि हमारे प्रदेश में पर्यटन का कारोबार बढ सके । मैं यहां पुरे प्रदेश के साथ-साथ अपने जिला सिरमौर की बात भी करना चाहूंगा । जिला सिरमौर में भी पर्यटन की आपार सम्भावनाएं हैं, और जिला सिरमौर में अगर धार्मिक पर्यटन की बात करें तो हमारे यहां अनेक ऐसे ऐतिहासिक मन्दिर हैं जहां पर्यटकों को आकर्शित किया जा सकता है । जैसे पांवटा साहिब का गुरूद्वारा, नाहन विधानसभा क्षेत्र के त्रिलोकपुर में माता बाला सुन्दरी का मन्दिर, रेणुका विधानसभा क्षेत्र का माता रेणुका जी का मन्दिर व रेणुका जी की झील, हरिपुरधार में माता भंग्याणी का मन्दिर, चूढधार में शिरगुल महाराज का मन्दिर और मेरे पच्छाद विधानसभा क्षेत्र में शिरगुल महादेव की जन्मस्थली शाया । इन स्थानों को हम एक टूरिस्ट सर्किट बना सकते हैं जिसको हम न केवल धार्मिक दृष्टि से अपितु एडवैन्चर टूरिज्म की दृष्टि से, रेणुका जी में वाटर स्पोर्टस करवाकर और अनेक स्थानों पर ऐसे ट्रैक्स बना सकते हैं जोकि आने वाले समय में पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं । जैसे कांगडा

27/8/2018/1650/डी0सी0/एन0जी0-2

का बीड पैरा ग्लाईडिंग के लिए मशहूर है उसी प्रकार मेरे विधानसभा क्षेत्र में भी सेर जगास का जो क्षेत्र है वहां पर पैरा ग्लाईडिंग के ट्रायल किये जा चुके हैं। इस स्थान पर पैरा ग्लाईडिंग को बढावा दिया जा सकता है । मेरा सरकार से और माननीय मुख्यमन्त्री जी से निवेदन है कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में जो पैरा ग्लाईडिंग की सम्भावनऐं है उनको तलाशा जाए । इसके इलावा मेरे विधानसभा में अनेक ऐसे स्थान है जहां पर अन्य ट्रैक् रूटस बनाए जा सकते हैं । माननीय मुख्यमन्त्री जी से और सरकार से मेरा अनुरोध है कि जिला सिरमौर में और मेरे विधानसभा क्षेत्र में पर्यटन को बढावा देने की ओर आगे कदम बढाऐ । माननीय अध्यक्ष महोदय आपने मुझे समय दिया उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

27/8/2018/1650/डी0सी0/एन0जी0-2

अध्यक्षः माननीय श्री बलबीर सिंह वर्मा जी ।

श्री बलबीर सिंह वर्माः माननीय अध्यक्ष महोदय, नियम 130 के अन्तर्गत सरकार की पर्यटन निति के बारे में आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं । माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझ से पहले माननीय सभी सदस्यों ने विस्तार से हिमाचल प्रदेश के टूरिज्म के बारे में कहा है । मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि हमारा हिमाचल प्रदेश और विशेषतौर पर शिमला जो है वो अंग्रेजों की देन रहा, अंग्रेजों ने ही शिमला को साल में 6 महीने के लिए देश की राजधानी बनाया था और उसके बाद अंग्रेजों की ही देन रही जिन्होंने शिमला के लिए रेलवे ट्रैक बनाया और आजादी के 70 साल बाद भी उस रेलवे ट्रैक को हम 1 फिट भी आगे नहीं बढा सके । जहां तक अग्रेजों ने रेलवे ट्रैक बनाया आज भी वो रेलवे ट्रैक वहीं खडा है । अगर हम पर्यटन की बात करें तो पूरे देश से टूरिस्ट हिमाचल प्रदेश आना चाहते हैं । माननीय सदस्य श्री राकेश पठानिया जी ने कहा कि

श्री आर0जी0 द्वारा जारी.....

27/08/2018/1655/RG/HK/1

श्री बलबीर सिंह वर्मा-----जारी

चाहे सरकार किसी भी पक्ष की रही हो, लेकिन हिमाचल प्रदेश में पर्यटन की दृष्टि से किसी भी सरकार ने कोई उचित कदम नहीं उठाए। इसीलिए हिमाचल प्रदेश पर्यटन की दृष्टि से ज्यादा विकसित नहीं हुआ। देश में राजस्थान, जहां कोई बहुत बड़ा वन क्षेत्र नहीं है, आज हिन्दुस्तान के लोग वहां जाना पसन्द करते हैं। हिमाचल प्रदेश में व्यवस्था की कमी के कारण बहुत सारी परेशानियां पर्यटकों को झेलनी पड़ती हैं। विशेषकर, मैं शिमला के बारे में अध्यक्ष महोदय के ध्यान में एक बात लाना चाहता हूं। शिमला में जो पर्यटक आते हैं, सबसे पहले तो विक्ट्री टनल पर यदि कोई एक गाड़ी पर्यटक की आए, तो कम-से-कम बीस आदमी उस गाड़ी के पीछे दौड़ जाते हैं और पर्यटक पहले ही सदमे में आ जाता है कि पता नहीं ये लोग मेरी गाड़ी के पीछे क्यों दौड़ रहे हैं! इस तरह बीस आदमी दौड़कर आधा-एक किलोमीटर तक उस गाड़ी का पीछा कर लेते हैं। तो जो पर्यटक उस गाड़ी में बैठे होते हैं, आधी सांसें तो उनकी उसी समय रुक जाती हैं कि बीस आदमी हमारी गाड़ी के पीछे क्यों दौड़े? सरकार की तरफ से कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है कि उन सभी को यह कहा जाए कि किसी भी गाड़ी के पीछे नहीं दौड़ना। इसके लिए कोई टूरिस्ट प्लेस निर्धारित करें। वहां यदि कोई गाड़ी रुकती है, तो गाइड्ज उनको जिस होटल में ले जाना चाहते हैं, वहां से ले जाएं। लेकिन जो यह व्यवस्था है, 21वीं शताब्दी में भी इस प्रकार की व्यवस्था है कि एक पर्यटक की गाड़ी के पीछे बीस-बीस आदमी दौड़ रहे हैं। एक दिन रात्रि में मैंने स्वयं देखा कि 12.00 बजे के करीब एक पर्यटक की गाड़ी मुझसे आगे चल रही थी। उसके पीछे 15-20 लोग उसको अपने-अपने होटल की तरफ खींचने के लिए कोशिश कर रहे थे। इस प्रकार से उसको वहां लगभग आधा घण्टे परेशान किया। तो इस व्यवस्था को जल्दी रोकना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, यदि किसी प्रकार से कोई पर्यटक विक्ट्री टनल से छूट जाता है, तो उसको कुर्फी में घोड़े वाले पीट लेते हैं। घोड़े वाले इस तरह से उनके साथ व्यवहार करते हैं कि कई बार तो पर्यटकों को बहुत ही दयनीय स्थिति में घायल किया गया है और जो वहां से बचकर वापस आए, तो यातायात पुलिस उनकी गाड़ियों का चालान कर देती है। यदि वे

गाड़ी थोड़ी सी भी सही स्थिति में नहीं लगाते, तो पुलिस उनकी गाड़ी का चालान कर देती है। तो इसके बाद पर्यटक हिमाचल प्रदेश में क्यों आएंगे? उनको बहुत सारी ऐसी

27/08/2018/1655/RG/HK/2

व्यवस्थाओं से जूझना पड़ता है। हम सभी को पर्यटकों को बढ़ावा देने के लिए उनको प्रोत्साहित करना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष जी, मेरा विधान सभा चुनाव क्षेत्र चौपाल है। मैं आपको दावे के साथ कह सकता हूं कि देश में इतना घना देवदार का जंगल किसी भी कोने में नहीं होगा जो मेरे चुनाव क्षेत्र में है। वहां 210 किलोमीटर रिझ है, एक छोर से दूसरे छोर तक रिझ देवदार के जंगलों का है और उसमें आज की तरीख में भी बहुत सारे जंगली जानवर अलाइव हैं। जैसे देश में बहुत सारे चिड़ियाघर बने हुए हैं। वहां चूड़धार के साथ भी एक बहुत बड़ा सैंक्चुरी एरिया है जो सैंकड़ों किलोमीटर में क्षेत्र फैला हुआ है। वहां के लिए आप एक चिड़ियाघर का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजें। जिससे बहुत सारे जीव एक शुद्ध हवा और अच्छे वातावरण में रह सकते हैं। वहां सरकार की तरफ से सारी सुविधाएं भी दी जा सकती हैं और चूड़धार क्षेत्र को काफी विकसित किया जा सकता है। हमारे पहाड़ी क्षेत्र में बहुत ऊंचाई पर चूड़धार का मंदिर स्थापित है। वहां विजट महाराज और शिरगुल महाराज, ये मंदिर हमारे पहाड़ी क्षेत्र में सबसे ज्यादा मान्यता वाले माने जाते हैं। वहां सराहं से 14 किलोमीटर ट्रेकिंग का पैदल चलने का एक रास्ता बन सकता है। अगर वहां तक हमारी कोई सुविधा हो तो वहां देवदारों के बीच शुद्ध वायु और एक बहुत अच्छे वातावरण में पर्यटक आ सकते हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैंने एक-दो दिन पहले ही पढ़ा कि हिमाचल प्रदेश में पर्यटन विभाग ने होटल वहां बनाए जहां कोई भी आदमी नहीं जाना चाहता। अभी भी 27 होटल ऐसी जगह पर बने हुए हैं जो घाटे में जा रहे हैं। अगर कहीं अच्छी जगह पर जहां शुद्ध वातावरण हो और विशेषकर जैसे हमारे यहां सराहं एरिया है, वहां अगर पर्यटक स्थल बने या पर्यटन का कोई होटल बने, तो वहां बहुत सारे लोग चूड़धार जाएंगे और उस क्षेत्र में एक आयुर्वेदिक गार्डन टाईप का विकसित करें जिससे वहां कोई भी पंजाब, हरियाणा या

दिल्ली से अपना इलाज करवाने आना चाहे, तो आ सकता है। इस प्रकार से उसको विकसित कर सकते हैं।

एम.एस. द्वारा जारी

27/08/2018/1700/MS/hk/1

श्री बलबीर सिंह वर्मा जारी---------

अध्यक्ष महोदय, टूरिज्म में शिमला के आसपास में (घण्टी) अभी ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जहां पर टूरिस्ट को एक-दो घण्टे के लिए रोक सकते हैं। इस देश के अंदर कोई भी आदमी दो ही जगह जाता है जिसमें या तो धर्म का स्थान है या पर्यटन स्थल है। धर्म के स्थान पर जाकर आदमी भगवान की पूजा करके तुरन्त वापिस आ जाता है लेकिन पर्यटन का स्थान यदि लोगों को अच्छा लगे तो जिसने वहां एक दिन रहना हो, वह तीन दिन रहता है। परन्तु हमारे तो शिमला या कुफरी के आसपास अभी तक एक भी ऐसा स्थान विकसित नहीं किया गया है जहां पर पर्यटक चार-पांच घण्टे आराम से बिता सके। मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह रहेगा कि शिमला का हिमाचल प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश में भी अपना एक अलग वर्चस्व है और यह किसी सरकार या पार्टी ने नहीं बनाया बल्कि प्रकृति ने स्वयं इसको इतना सुन्दर बनाया है। आज तक इसके लिए किसी भी सरकार का कोई योगदान नहीं रहा। इसलिए शिमला के आसपास कोई ऐसा स्थान विकसित किया जाए जहां टूरिस्ट चाहे देश से आए या विदेश से आए, छः-आठ घण्टे उस स्थान पर बिता सके और वहां पर वह कोई-न-कोई मनोरंजन कर सके। मैं चाहूंगा कि ऐसा स्थान शिमला के आसपास जरूर विकसित किया जाए। जिस क्षेत्र में टूरिज्म का अभी तक कोई भी अपना होटल(घण्टी) नहीं बना है उस स्थान को भी नज़र-अंदाज न करें। स्पैशली अगर आयुर्वेदिक दृष्टि से हमारे चौपाल जैसे पहाड़ी क्षेत्र को देखेंगे तो वहां ऊंचे स्थानों पर जो जड़ी-बूटियां मिलती हैं, उन जड़ी-बूटियों को यहां से ले जाकर केरल में उससे आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है। अगर हमारे ही क्षेत्र में हमारी ही जड़ी-बूटियों को निकालकर, हमारे ही क्षेत्र में वहां से लोग उपचार करवाने हेतु आएंगे तो उससे टूरिज्म भी बढ़ेगा और हमारा हिमाचल टूरिज्म की दृष्टि से आगे भी बढ़ेगा।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया समाप्त कीजिए।

श्री बलबीर सिंह वर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री

27/08/2018/1700/MS/hk/2

महोदय से आग्रह करना चाहूंगा कि मेरे चुनाव क्षेत्र में जो स्पैशली चूड़धार है, हमारे तीन-चार जिलों के लोग हर साल लाखों की तादाद में वहां जाते हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि पंजाब और हरियाणा से भी वहां काफी लोग जाते हैं और कई बार वे मुझे फोन करते हैं कि क्या वहां रहने की व्यवस्था हो जाएगी? फिर हमें वहां पर किसी के प्राइवेट घर में बोलना पड़ता है कि उन्हें वहां ठहरा दिया जाए। कई बार माननीय सदस्य भी वहां जाते हैं और अन्य भी बहुत सारे लोग चूड़धार जाते हैं लेकिन वहां हमारे किसी भी स्थान पर टूरिज्म के चार कमरे तक नहीं है जहां पर हम किसी आदमी को ठहरा सके। मेरी मुख्य मंत्री जी से विनती है कि मुख्य मंत्री महोदय और टूरिज्म डिपार्टमैंट उस क्षेत्र में जहां लाखों की संख्या में लोग हर साल जाते हैं, ऐसा नहीं है कि वहां किसी साल में गैप रहता है। हर साल पंजाब, हरियाणा, चण्डीगढ़, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश के हर कोने से लोग वहां जाते हैं। इसलिए वहां पर लोगों के खाने-पीने और रहने की व्यवस्था होनी चाहिए। अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका धन्यवाद।

27/08/2018/1700/MS/hk/3

अध्यक्षः अब चर्चा में डॉ0(कर्नल) धनी राम शांडिल जी भाग लेंगे।

डॉ0(कर्नल) धनी राम शांडिलः अध्यक्ष महोदय, नियम-130 के तहत चल रही चर्चा में भाग लेने के लिए आपने मुझे समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

सभी माननीय सदस्यों ने एक बहुत अच्छी बात कही और I must complement Sh. Rakesh Pathania ji, who gave a very vibrant presentation. Really our State can be recalled not only देवभूमि बल्कि नैसर्गिक रूप से और प्राकृतिक सौंदर्य के रूप में

एक बहुत ही मनोरम और सुन्दर स्थल हमारे हिमाचल के क्षेत्र में है। माननीय पूर्व-वक्ताओं ने यह भी ठीक कहा कि हम जितने भी बिन्दुओं पर यहां विचार और मंथन करते हैं उनको कहीं-न-कहीं हम कार्यरूप में परिणीत नहीं कर पाए। इसी का परिणाम है कि आज हम उस मुकाम तक नहीं पहुंच पाए, जहां हमें पहुंचना चाहिए था।

जारी श्री जे0के0 द्वारा-----

27.08.2018/1705/जेके/वाईके/1

श्री धनी राम शांडिलः------जारी--------

बहुत से लोगों ने, मैं समझता हूं श्री राकेश पठानिया जी और होशयार सिंह जी ने बहुत अच्छे सुझाव दिए। खास करके जो इन्होंने यूरोप की बात कही, मुझे याद आया a couple of years back I visited Scotland and I found वह भी एक लेक टाउन कहलाता है, वहां पर काफी लेक्स हैं जिनका उन्होंने बहुत ज्यादा फायदा उठाया है । उन्होंने बोटिंग के बहुत सुन्दर स्थान बनाए हैं। बहुत अच्छे तरीके से, सुव्यवस्थित तरीके से उन्होंने उनका नियोजन किया है। इसी के साथ I should quote कि वहां के जो नेचर के कवि थे विलियम बर्डज़बर्थ जिन्होंने डेफोडिल्ज़ नामक जो एक पोइम लिखी थी, उन्होंने उनकी छोटी-छोटी प्लेटें बनाई है, मध्यम वर्ग की बनाई है, बड़ी नहीं बनाई है और मैंने उनके ऑफिस इन्चार्ज को पूछा कि इसमें क्या करते हैं? उन्होंने कहा कि यह तो एक बहुत अच्छी इण्डस्ट्री है। हम यहां ही नहीं हर छोटी-छोटी चीजें तैयार करके या जितने भी हमारे धार्मिक, सांस्कृतिक और जो हमारे पर्यटन केन्द्र हैं, उनमें ये सब प्लेटें बिकती हैं और लोग बड़े प्यार से इन्हें ले जाते हैं। हमारे जो बेराजगार युवा हैं उनके लिए उससे बहुत अच्छा रोजगार का साधन मिल सकता है। मैं समझता हूं कि हमारे पास भी इस प्रकार की सुविधाएं हो सकती

हैं। बहुत से धर्म के स्थान हैं। उन जगहों में तो ये जो छोटी-छोटी चीजें हैं उनको उन्होंने सुन्दर यानि दुल्हन की तहर सजाया जाता है। इस प्रकार से लोगों को प्रेजैंट किया जाता है। I think presentation is something which is required and in the same breath I would like to say that we need to improve our infrastructure. ये भी न हो कि हमारे कई लोग पहुंचना चाहें और उनको दिक्कत हो। कुछ एक स्थानों पर तो नैचुरल केलेमिटी भी हो जाती है। उनके लिए भी हमारे पास

27.08.2018/1705/जेके/वाईके/2

ठीक तरीके से फोर्सिज़ ट्रेंड की गई हो। उसके साथ-साथ हमें लोगों को टूरिस्ट गाइड की ट्रेनिंग देनी चाहिए। स्थानीय व्यज़नों को भी ठीक तरीके से कैसे उसको पका कर लोगों के सामने प्रस्तुत किया जाता है that is what matters. मैं समझता हूं कि चाहे वह कांगड़ी धाम है, चाहे वह मण्डी की धाम है, चाहे बिलासपुर की धाम है और चाहे हमारे सोलन का क्षेत्र है। माननीय अध्यक्ष महोदय, आप मुझसे ज्यादा जानते हैं कि यहां की क्या-क्या समस्याएं हैं? आप स्वयं आयूर्वेदा में बहुत बड़ा ज्ञान रखते हैं। क्यों न हम जैसे कि बलबीर जी ने कहा कि एक विश्वविद्यालय को यहां पर बनाएं जिसमें इन सब चीजों को, अपनी वेषभूषा भी बताएं, सब कुछ खाने को भी दें परन्तु क्यों न एक आयुर्वेद विश्वविद्यालय के रूप में प्रेजैंट करें। करोल पर्वत हमारे सोलन क्षेत्र में है। माननीय अध्यक्ष महोदय आप स्वयं जानते हैं कि यहां तक मान्यता है कि वहां पर संजीवनी बूटी आज भी मिल सकती है। वह क्षेत्र चारों ओर से घिरा हुआ है। चाहें हम चूड़धार को लें, चाहे हम बाड़ी की धार को लें, चाहे हम वन्य प्राणियों को लें। जो हमारे ऐरोमेटिक प्लांट्स हैं, मैडिसिनल प्लांट्स हैं, उनको ठीक तरीके से उगा कर अपने ही बेरोजगारों को काम दे कर भी हम आगे बढ़ सकते

हैं। बहुत सी बातें यहां पर कही गई। मैं समझता हूं कि यदि हम लोगों को बताएंगे कि how to organize तब भी हम पीछे रह जाते हैं। वरन् ऐसी बात नहीं है सब बिखरे हुए मोती जब तक माला में नहीं होते तब तक माला नहीं बनती। मैं समझता हूं कि हमें इन सब चीजों का अच्छे तरीके से नियोजन करना है। एक प्रकार से इसके लिए एक अच्छी कमेटी ऑर्गेनाइज़ की जाए जो इन चीजों में जाए ताकि जब हम इस नीति को बनाएं तो सब चीजों को विस्तार से देखा जाए कि हमारे पास क्या है। जल, जंगल और जमीन बहुत अच्छे तरीके से हमें दी गई है उसको ठीक तरीके से हमने एक जगह बताना है that how we can become like Europe and Australia. इन्होंने ठीक उदाहरण दिया। दूसरा मैंने भी जब गेम्ज़ के वक्त देखा था और मैंने आस्ट्रेलिया में पाया कि एक

27.08.2018/1705/जेके/वाईके/3

टाउन ही उन्होंने केसिनों का बनाया हुआ है। एक बड़े अच्छे क्रिकेटर थे, कप्तान थे उन्होंने उसको शुरू किया और उसमें बहुत से लोकल पार्टनर हैं। More than thousand casinos are there. मैं नहीं कहता कि हम इतनी जल्दी इतनी बड़ी छलांग लगा देंगे। लेकिन यदि हम प्रारम्भ करेंगे तो कभी न कभी एक मुकाम तक जरूर पहुंचेंगे, ऐसा मेरा मानना है। जहां तक इको-टूरिज्म का ताल्लुक है आपस में डिपार्टमैंट्स का ठीक तरीके का मिलाप होना चाहिए। फोरैस्ट डिपार्टमैंट एण्ड टूरिज्म डिपार्टमैंट these two departments should try and make out a proper policy जिससे कि हम इको टूरिज्म का पूरा फायदा उठा सके। एडवैंचर टूरिज्म, मैं समझता हूं कि यह एक ऐसी चीज है चाहे वह स्कींग हो, ट्रैकिंग हो और चाहे बच्चों के लिए राफ्टिंग हो

श्री एस0एस0 द्वारा जारी-----

27.08.2018/1710/SS-YK/1

डॉ (कर्नल) धनी राम शांडिल क्रमागतः

और बहुत दुनिया भर के अच्छे खेल हम बच्चों को सीखा रहे हैं, इन सब चीज़ों से हम अपने हिमाचल प्रदेश को नशामुक्त कर सकते हैं यदि हम ठीक तरीके से इन सब चीज़ों को करें। संसाधनों को इकट्ठा करने की ज़रूरत है और सबसे बड़ी बात मैं समझता हूं कि लोगों को उत्साहित करना, रूरल टूरिज्म की तरफ ले जाना आवश्यक है। क्यों न हम अपने बेकार युवाओं को दो से चार परसैंट इंट्रस्ट पर या कभी-कभी इंट्रस्ट फ्री लोन दे दें तो बेहतर रहेगा। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से आग्रह रहेगा कि हम इस प्रकार की नीति बनाएं कि उन युवाओं को या तो इंट्रस्ट फ्री या फिर कम-से-कम दो से चार परसैंट इंट्रस्ट पर लोन दें और एक गांव में कम-से-कम दो घर ऐसे हों जहां पर अच्छे टॉयलैट की सुविधा हो और हमारे टूरिस्ट वहां जा सकें तथा वहां की सुन्दरता को निहार सकें। हमारे संगीत, वेशभूषा, लोगों की सादगी को निहार सकें। मेरा मानना है कि अगर हम इस प्रकार की अच्छी व्यवस्था करेंगे तो मुझे पूर्ण आशा है कि हम किसी अच्छे मुकाम पर पहुंचेंगे।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

27.08.2018/1710/SS-YK/2

अध्यक्षः अब श्री राकेश सिंघा जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री राकेश सिंघाः अध्यक्ष महोदय, मैं नियम-130 के अन्तर्गत जो प्रस्ताव माननीय सदस्य, श्री होशयार सिंह जी ने पेश किया है उसकी चर्चा में भाग लेने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं आपका काम भी आसान करता हूं और सदन का काम भी आसान करता हूं, मैं समय से पहले अपनी बात को समाप्त करूंगा। क्योंकि विषय हिमाचल के विकास और आवाम के लिए महत्वपूर्ण है मैं पहली बात इसमें यह ज़रूरी समझता हूं कि हिमाचल प्रदेश में टूरिज्म के विषय को लेकर किसी भी सरकार ने गम्भीरता से इस प्रश्न को एड्रैस नहीं किया है। मैं इन बातों में नहीं जाना चाहता हूं लेकिन मैं समझता हूं कि हिमाचल के टूरिज्म के लिए बुनियाद यातायात है। मैं ऐसा नहीं हूं जो हर बात का समर्थन करे। श्री राकेश पठानिया जी जोकि इस माननीय सदन के सदस्य हैं जिन्होंने बहुत लम्बी चर्चा इस विषय पर की, मैं

इनसे असहमत हूं। लेकिन मैं समझता हूं कि हिमाचल प्रदेश की सुन्दरता, उसकी जो सीनैक है जोकि नैचुरल है वह टूरिज्म को बहुत आकर्षित करती है। लेकिन उसका फायदा तब होगा अगर हमारे प्रदेश के अंदर इंफ्रास्ट्रक्चर बिल्कुल सही है। लेकिन उस इंफ्रास्ट्रक्चर में भी जो पहला कदम होना चाहिए वह यातायात का है। जब तक हम इसको इम्प्रूव नहीं करेंगे, हम जितना मर्जी सुन्दर होटल बना लें, किसी सुन्दर जगह को टूरिज्म का स्पॉट बना लें लेकिन अगर वहां के लिए यातायात का प्रबन्ध ठीक नहीं होगा तो मैं समझता हूं कि हमें टूरिज्म में सफलता नहीं मिल सकती। इसलिए पहले इस प्रश्न को हमें एड्रैस करना है और इस बात को कहने की ज़रूरत नहीं है कि यहां की सुन्दरता क्या है। आप भलीभांति जानते हैं और यहां के सभी माननीय सदस्य इस बात को स्वीकार करेंगे कि शिमला से थोड़ी दूरी पर ढली से आगे एक ऐसा स्पॉट है जिसको आज हसन वैली के नाम से जाना जाता है। मैं आज तक इस बात के लिए परेशान हूं कि वह स्पॉट कैसे डिवैल्प हो गया! लेकिन अब मैंने जानकारी हासिल की कि कोई टैक्सी ड्राईवर, जिसका नाम हसन था, वह वहां पर टूरिस्टों को ले जाता था और जो जंगल सामने नज़र आते हैं उसके बारे में मनगढ़त बातें कहता था कि यहां हाथी रहते हैं, शेर रहते हैं। ऐसी-ऐसी बातें कह कर भी वह एक टूरिस्ट स्पॉट बन गया। सरकारें हमारी इतनी बड़ी-बड़ी हैं जिसके पास फंड भी है, बजट भी है, कम बेशक होगा, लेकिन वह विज़न मिसिंग है कि किस तरीके से हम टूरिस्ट को आकर्षित करके हिमाचल प्रदेश का विकास कर सकें।

जारी श्रीमती के0एस0

27.08.2018/1715/केएस/एजी/1

श्री राकेश सिंघा जारी---

मैं इतना और कहना चाहता हूं, मैं शायद इस बात को ले कर गलत हूं, मैंने आज अपने आंकड़े चैक नहीं किए हैं लेकिन मैं महसूस करता हूं, आप मुझे करैक्ट भी कर सकते हैं, हिमाचल प्रदेश की fastest growing economy जो मैंने पिछला डाटा चैक किया, मैं out of memory कह रहा हूं, 10.5 परसेंट से उसका विकास, वह सिर्फ टूरिज्म है, और कहीं नहीं है। चाहे जितने भी हाइडल प्रोजैक्ट्स हैं, बागवानी का भी हो सकता है लेकिन उसका

विकास इतनी तेज़ी से नहीं है जितना टूरिज्म का विकास है और इसके विकास में आज होटल इंडस्ट्रीज़ हैं जो केन्द्र प्वाइंट रख रही है । इसीलिए उस रिकॉर्ड के आधार पर अगर हम इसको इस तरीके से करें तो मैं समझता हूं कि जो बेरोज़गारी का प्रश्न आज हिमाचल प्रदेश में बहुत गम्भीर होता जा रहा है, इससे उसमें एक रिलैक्सेशन मिल सकती है। बहुत बड़ा तो नहीं हो पाएगा लेकिन निश्चित रूप से एक रिलैक्सेशन उसमें मिलेगी। अन्त में मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि हिमाचल प्रदेश की अपनी आय नहीं है और इसीलिए इन सारे प्रश्नों को ले कर माननीय मुख्य मंत्री महोदय को दिल्ली जाना पड़ा। वहां मुख्यमंत्रियों की बैठक होगी लेकिन केन्द्र में जो भी सरकार हो, उसका योगदान हासिल करने की हिमाचल प्रदेश को जरूरत है। चाहे "ए" किस्म की सरकार हो या "बी" किस्म की सरकार हो। अगर हम narrow political दृष्टिकोण से इस प्रश्न को नहीं देखें तो मैं समझता हूं कि आज थोड़ा आसान है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की सरकार हिमाचल प्रदेश में राज कर रही है या सरकार चला रही है और दिल्ली में भी वही सरकार है। रहेगी या नहीं रहेगी, अभी कहना कठिन है लेकिन समय रहते हुए दिल्ली की सरकार का फायदा उठाकर हिमाचल प्रदेश की आवाम के लिए अगर कुछ मिल सकता है तो उसका फायदा उठाना चाहिए। इतना कहकर मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया।

27.08.2018/1715/केएस/एजी/2

अध्यक्षः श्री नरेन्द्र ठाकुर जी।

श्री नरेन्द्र ठाकुरः अध्यक्ष महोदय, नियम-130 के अंतर्गत सरकार की पर्यटन नीति पर जो चर्चा चल रही है, उस पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। बहुत सारे माननीय सदस्य इसके ऊपर बोल चुके हैं। अब ज्यादा कुछ बोलने को नहीं है लेकिन फिर भी जहां तक हिमाचल प्रदेश की बात है यह एक नैचुरल गिफ्टिड स्टेट है। यहां पर हरी-भरी वादियां है, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ हैं। जहां पर पेड़ नहीं हैं, वहां पर सफेद बर्फ

देखने को मिलती है। सबसे बड़ी बात यह है कि एक राज्य में हर सीज़न में आपको यहां पर तीन तरह का क्लाइमेट देखने को मिलता है। गर्मियों में जहां बहुत गर्मी भी यहां पर पड़ती है, तो कुछ क्षेत्रों में गर्मियों में सुहावना मौसम होता है और कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जहां पर गर्मियों में भी बर्फ पड़ती है। कुल मिलाकर अगर हम देखें तो इससे बढ़िया टूरिस्ट प्लेस संसार में कहीं भी नहीं मिल सकता। इससे बढ़िया टूरिस्ट डैस्टिनेशन कहीं पर नहीं है लेकिन अग हम तुलना करें तो जो संसार में दूसरी टूरिस्ट डैस्टिनेशन्ज़ हैं, उनके मुकाबले हम इसको डवैल्प करने में बहुत पीछे हैं। जहां तक स्विटजरलैंड की बात है, आंकड़े बताते हैं कि वहां पर सबसे ज्यादा टूरिस्ट जाता है। अगर हम उसके साथ हिमाचल की तुलना करें तो मैं समझता हूं कि प्रकृति ने हमें उससे ज्यादा दिया है। हमारा एरिया भी उससे ज्यादा है, हमारा एरिया लगभग 55,600 स्क्वेअर किलोमीटर है जबकि स्विटजरलैंड का 41, 300 है लेकिन हैरानी की बात है कि उन्होंने टूरिज्म को एक इंडस्ट्री बनाया हुआ है और जहां तक मेरी अपनी जानकारी है पिछले कुछ सालों में 1500 करोड़ रुपया उनका एनुअल टर्नओवर है। और 1.5 लाख लोग उस टूरिज्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

27.8.2018/1720/av/ag/1

श्री नरेन्द्र ठाकुर---- क्रमागत

जहां तक हिमाचल प्रदेश की बात है तो टूरिज्म का टोटल रेवन्यू में 6 प्रतिशत का हिस्सा है। उसके साथ अगर हम कम्पेरिज़न करें तो हम बहुत पीछे हैं। मैं यह नहीं कहना चाहूंगा कि हम टूरिज्म में इतने पीछे क्यों रहे जबकि हमें नेचर ने सब कुछ दिया है। मैं यहां पर सिंघा जी की बात से भी सहमत हूं कि आप जो मर्जी कीजिए हमारी इसमें बहुत सारी कमजोरियां रही हैं। हमारा टूरिज्म तब तक डैवल्प नहीं हो सकता जब तक हमें एयर, रेलवे या सड़कों की प्रोपर सेवा न मिलें। मैं यहां पर जिक्र करना चाहूंगा कि हमें जो रेलवे लाइन अंग्रेजों ने दी थी उसके आगे हम बिल्कुल नहीं बढ़े। जहां तक एयर सर्विसिज की

बात है तो वह भी यहां पर न के बराबर है, वह जितनी होनी चाहिए वह नहीं है। यहां पर अगर सड़कों की बात की जाए तो टूरिस्ट यदि चंडीगढ़ से वाया परवाणू होकर शिमला या वाया बिलासपुर हो कर मनाली जाता है और रास्ते में 6 घंटे जाम के कारण रुकता है तो वह अगली बार के लिए कान पर हाथ लगायेगा कि मैं दोबारा हिमाचल प्रदेश में नहीं आऊंगा। इसलिए जब तक यहां की रेलवे, एयर या रोड सर्विसिज ठीक नहीं होगी तब तक हम हिमाचल प्रदेश के टूरिज्म को डैवल्प करने बारे कल्पना भी नही कर सकते। यहां डैवल्प करने के लिए बहुत कुछ हैं और इसके लिए हमारी सरकार की कई बार पॉलिसी भी बनी हैं। वर्ष 2013 में टूरिज्म की पॉलिसी बनी थी, उसके बाद वर्ष 2016 में ईको टूरिज्म की पॉलिस बनी। उसमें आंकड़े तो बहुत अच्छे दिए कि हम यह करना चाहते हैं, वह करना चाहते हैं और हिमाचल प्रदेश को एक लीडिंग टूरिज्म प्लेस बनाना चाहते हैं। हमारी पॉलिसी में यह भी है कि टूरिज्म से हमें अधिक-से-अधिक राजस्व आए। प्राइवेट सैक्टर को स्ट्रोंग और सस्टेनेबल बनाया जाए, यह भी हमारी टूरिज्म पॉलिसी में है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र में टूरिस्ट को कैसे अट्रैक्ट किया जाए ताकि हमारे गांव के लोग टूरिज्म इंडस्ट्री का फायदा ले सकें; इस बारे में भी पॉलिसी में जिक्र है मगर इन सब के बावजूद भी हमारी टूरिज्म इंडस्ट्री टस-से-मस नहीं हुई है। सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे पास और भी कई टूरिस्ट डैस्टिनेशन्ज हैं मगर

27.8.2018/1720/av/ag/2

शिमला, चम्बा, मनाली या कांगड़ा; इन चार डैस्टिनेशन्ज के अलावा हमारी प्रीवियस सरकारों ने पांचवी कोई डैस्टिनेशन डैवल्प नहीं की है। चम्बा, शिमला या धर्मशाला इत्यादि स्थानों पर जब टूरिस्ट बार-बार आता है तो वह थक जाता है। एक टूरिस्ट शिमला, चम्बा या धर्मशाला कितनी बार आयेगा? हमारे पास इसको बढ़ाने का बहुत बड़ा स्कोप है। हाल ही में हमें लाहौल-स्पिति और किन्नौर जाने का मौका मिला और मैंने वहां पर पहली बार विज़िट किया। मैं तो वहां की नेचुरल ब्यूटी देखकर हैरान रह गया, वह स्वर्ग है। हम जब वहां पर गये तो देखने को तो बहुत कुछ मिला लेकिन मन में डर इतना था कि हम घर वापिस सुरक्षित पहुंच भी पायेंगे या नहीं। हमारी सड़कों की हालत इतनी ज्यादा खराब

है कि कहीं पर भी किसी भी व्यक्ति के साथ हादसा हो सकता है। मैं आपको दावे के साथ कह सकता हूं कि अगर शिमला, धर्मशाला या पांगी तक हम कम-से-कम रोड को ठीक ढंग से बना बनाकर रास्ते में 5-7 अच्छे होटल बना दें तथा इसके अतिरिक्त सर्दियों में हैलीकॉप्टर की सेवाएं लें तो मैं कहता हूं कि संसार में और जगह जाने की जरुरत ही नहीं है। इससे बढ़िया प्लेस वर्ल्ड में कहीं नहीं है। अगर शिमला से होकर काजा-लाहौल स्पिति-पांगी निकल जाए तो ये घूमने के लिए बहुत बढ़िया जगह है। मगर उस बढ़िया जगह का कोई फायदा नहीं हैं क्योंकि सड़कें इतनी खराब है कि वहां जाने से पहले अपनी जान-माल की सुरक्षा का ध्यान रखना पड़ता है। मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि अब आगे ईको टूरिज्म का जमाना है जिसका हिमाचल प्रदेश में बहुत ज्यादा स्कोप है। मगर प्रीवियस सरकारें इसके प्रति उदासीन रही हैं और ईको टूरिज्म की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया है। मैं इतना जरूर कहूंगा कि हमारे यहां तीन-चार ऐसी डैस्टिनेशन्ज हैं जैसे ग्रेटर हिमालय पार्क कुल्लू में ईको टूरिज्म के लिए दस प्लेस हैं। दूसरा हमारा हिमालय नेचर पार्क है उसमें भी ईको टूरिज्म को हम बहुत ज्यादा डैवल्प कर सकते हैं। वैस्टर्न हिमालयन हैं वहां भी हम ईको टूरिज्म के अंतर्गत बहुत फायदा ले सकते हैं।

(उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।)

आगे श्री टी सी द्वारा जारी

27-08-2018/1725/TCV/DC/1

श्री नरेन्द्र ठाकुर..... जारी

मैं मोटेतौर पर थोड़े से आंकड़े आपको बताना चाहता हूं कि हमारे फोरेस्ट डिपार्टमेंट के लगभग 400 बंग्लोज़ हैं। हम उनका प्रयोग कर सकते हैं। यदि आपको फोरैस्ट के रेस्ट हाउस में जाने का मौका मिले तो आप देखेंगे कि वे फोरैस्ट के कर्मचारियों ने शराब के अड्डे बनाये हुए हैं। आप वहां रह ही नहीं सकते हैं। इसी तरह से इन फोरैस्ट बंग्लोज़ की हालत है। लेकिन कोई भी सरकार इनकी ओर ध्यान नहीं देती है। यदि इन 400 बंग्लोज़ को हम टूरिस्टों के लिए खोल दें तो हमें बहुत ज्यादा फ़ायदा हो सकता है। मैं आपसे

निवेदन करना चाहता हूं कि आप किसी भी फोरैस्ट बंग्लोज़ में जाएं। वहां आप देखेंगे कि इन फोरैस्ट बंग्लोज़ की क्या हालत हैं। हमारे पास ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्लांट्स की लगभग 3240 प्रजातियां हैं। अगर उनको डेवैल्प करें और पर्यटन को उस तरफ अट्रैक्ट करें तो बहुत बड़ा फ़ायदा हो सकता है। हमारे पास 32 वाइल्ड सैंक्चुरीज़ है, 64 मैमल्ज़ और 42 रेप्टाइल की प्रजातियां हैं, अगर इन सबकी ओर हम ध्यान दें तो हिमाचल प्रदेश को हम भारत की नम्बर-वन टूरिस्ट स्टेट बना सकते हैं। लेकिन इससे पहले हमें अपने इंफ्रास्ट्रक्चर, रेल, एयर लाइन्ज़ व सड़कों पर फोक्स करना पड़ेगा। यदि ये डेवैल्प हो गये तो हमें ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। हिमाचल प्रदेश में हर साल लगभग डेढ़ करोड़ लोग टूरिस्ट के रूप में हिमाचल प्रदेश में आते हैं। यदि हम पर्यटन को और आगे बढ़ायें तो यह हमारे लिए रैवेन्यू का बहुत बड़ा साधन बन सकता है। आपने बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

27-08-2018/1725/TCV/DC/2

श्री जगत सिंह नेगीः माननीय उपाध्यक्ष महोदय, नियम-130 के अन्तर्गत पर्यटन नीति पर इस माननीय सदन में जो चर्चा हो रही है, मैं भी उसमें भाग लेने के लिए खड़ा हुआ हूं। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यहां पर सभी माननीय सदस्यों ने बहुत सारी उपयोगी बातें रखी हैं कि पर्यटन नीति कैसी होनी चाहिए और किस तरह से इसको आगे बढ़ाना चाहिए? मैं इन बातों को दोहराना नहीं चाहता हूं। परन्तु मैं यह कहना चाहता हूं कि नीति से पहले पर्यटन विभाग को दरुस्त करने की जरूरत है। मेरे हिसाब से पर्यटन विभाग हिमाचल प्रदेश सरकार का सबसे सुस्त विभाग है। ये साल में एक कलैंडर छापते हैं, मोनाल नाम से इनका कोई मैगज़ीन है, वह अंग्रेजी तक सीमित है। उसकी उपयोगिता केवल चन्द लोगों तक ही है। इसके अलावा ये कुछ भी नहीं करते हैं। प्रदेश में इतने सारे होटल और इंफ्रास्ट्रक्चर बेकार पड़े हुए हैं। शिमला से यदि आप परवाणु की तरफ जाएं तो रास्ते में शोघी एक बहुत सुन्दर स्थान है। इसके पीछे छोटे-छोटे स्थानों पर टूरिस्टों की लाइन लगी होती है। लेकिन क्या कारण है कि शोघी जो इतनी खूबसूरत जगह है, वहां पर हमारा टूरिस्ट नहीं जाता है। इससे साफ जा़हिर है कि पर्यटन विभाग को

इसे आगे बढ़ाने की मंशा ही नहीं है। इसके अलावा इसका एक कारण यह भी है कि टूरिज्म विभाग का फूल-टाइम कोई मिनिस्टर नहीं है। यह विभाग माननीय मुख्य मंत्री जी के पास है, उनके पास समय नहीं होता है क्योंकि अन्य उनके पास 10 विभाग हैं। इसलिए यदि पूरा सदन यह मान रहा है कि हिमाचल प्रदेश के लिए पर्यटन एक महत्वपूर्ण साधन है तो इसका एक फूल-टाइम मिनिस्टर हो ताकि वह इस पर ज्यादा ध्यान दे सकें। दूसरा, जब तक इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है, चाहे हम धार्मिक पर्यटन की बात करें या अन्य पर्यटन की बात करें तब तक यह संभव नहीं हो सकता। जैसे यहां पर रोड के बारे में ठीक कहा है कि खूबसूरत जगह है और वहां जाने के लिए दिल करता है लेकिन जान जोख़िम में डालनी पड़ती है। किन्नौर से जो सड़क लाहौल-स्पिति होते हुए पांगी-भरमौर जाती है,

श्रीमती एन0 एस0 .... द्वारा जारी ।

27-08-2018/1730/NS/DC /1

श्री जगत सिंह नेगी-------जारी

यह सड़क बोर्डर रोड ऑर्गेनाईजेशन (बी.आर.ओ.) के पास है, इसके लिए पैसा भी केंद्र सरकार देती है और काम करने वाला विभाग भी केंद्र सरकार के पास है। इस सड़क के लिए बड़े लम्बे समय से करोड़ों रुपये दिये गये हैं। परन्तु क्या कारण है कि बी.आर.ओ. इस काम को ठीक ढंग से नहीं कर पा रही है। केंद्र में आपकी सरकार है। आपको केंद्र में इस बात को उठाना चाहिए। समय सीमा के तहत इस सड़क को ठीक करने की जरूरत है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर इन्फ्रास्ट्रक्चर की ज्यादा बातें नहीं कहूंगा। आप अगर नेशनल हाईवे-5 पर परमाणु से ले करके कौरिक तक जायेंगे तो आपको एक भी शौचालय रास्ते में नहीं मिलेगा। अगर आप मनाली हाईवे, कांगड़ा और हमीरपुर की तरफ जायेंगे तो वहां पर भी आपको कोई शौचालय नहीं मिलेगा। हमारा टूरिज्म कहां से डिवैलप होगा? सड़क के किनारे सुविधायें सबसे जरूरी हैं और इस बारे में सरकार का कोई ध्यान नहीं है। दूसरी बात यह है कि आपका बज़ट कितना है? हम यहां पर बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। पर्यटन के लिए कितना बज़ट रखा गया है? मेरे जिले में मात्र 6 लाख कुल बज़ट है और इसमें से भी कुछ पैसा नॉन-प्लान का है। वहां पर जो अधिकारी रखे हुए हैं, उनकी सैलरी का खर्चा भी इसमें आता है। आप कैसे पर्यटन को आगे बढ़ावा देंगे, यह मेरी समझ से बाहर

है। हर विधान सभा सत्र में हम पर्यटन नीति पर चर्चा करते हैं परन्तु बज़ट ही नहीं है। केंद्र में मोदी जी की सरकार है, बहुत बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। आज मुख्य मंत्री जी दिल्ली गये हैं। जैसे हमारे क्षेत्र में सर्दियों में देवभूमि में ज्यादातर देवी-देवता स्वर्ग में जाते हैं और वे एक बार ही जाते हैं तथा सारे वर्ष के उपहार और पैसे ले करके आते हैं। लेकिन यहां पर तो हर रोज़ मुख्य मंत्री जी दिल्ली जा रहे हैं। फिर भी कुछ नहीं ले करके आ रहे हैं। मैं आपको एक उदाहरण दे रहा हूं। देवी-देवताओं की बात कर रहा हूं। मैं आपका इशारा समझ गया हूं।

उपाध्यक्षः कृप्या बीच में बात न करें। आपको भी समय मिलेगा।

श्री जगत सिंह नेगीः यहां पर सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्री बैठे हैं और मैं इनको बधाई देता हूं कि आपने सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग के लिए लगभग 4,000 करोड़ रुपये की एक बढ़िया स्कीम बनाई है और इसमें आपने बताया कि लगभग 700 करोड़ रुपया

27-08-2018/1730/NS/DC /2

आ गया है। इसके लिए आप बधाई के पात्र हैं परन्तु मैं एक बात कहना चाहता हूं कि आपने जो यह पैसा लाया है इसका बंटवारा पूरे प्रदेश में कीजिए। इसके लिए आप जिला मंडी तक ही सीमित न रहें। हमारी जानकारी में है कि आपने सबसे ज्यादा धनराशि मंडी के लिए रखी है। यह तो ऐसी बात हो गई कि "अंधा बांटे रेवड़ी, मुड़-मुड़ के अपने को ही दे।" माननीय मुख्य मंत्री जी यहां पर नहीं बैठे हैं, पर इन्होंने जैसे ही मुख्य मंत्री पद की शपथ ली, सबसे पहले 20 लाख रुपये जंजैहली के लिए दिये। ठीक हैं, दें; कोई बात नहीं। पर हमारी तरफ भी ध्यान दें। हमारा क्षेत्र भी आपके क्षेत्र के जितना खूबसूरत है। लेकिन आपकी पर्यटन नीति में यह बात नहीं है।

उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर हैली सर्विस की बात हुई। बहुत शोर मचाया गया और जश्न भी मनाया गया। ट्राईबल एरियाज़ को आपने हैली सर्विस से बिल्कुल बाहर कर दिया। आप हैलीकॉप्टर ले करके झाखड़ी तक जा रहे हैं। आप बताईये कि झाखड़ी में क्या है? वहां से आगे सांगला घाटी में हैलीपेड है और आगे कल्पा में हैलीपेड है तथा वहां से आगे नाको में हैलीपेड है। यह शुरूआत है।

उपाध्यक्षः कृप्या बीच में न बोलें।

श्री जगत सिंह नेगीः तभी तो कह रहा हूं कि "अंधा बांटे रेवड़ी, मुड़-मुड़ के अपने को ही दे।" इसलिए कह रहा हूं, बांटिये। पर्यटन को आगे बढ़ाईये।

उपाध्यक्षः माननीय सदस्य, कृप्या आप वाईंड-अप कीजिए।

श्री जगत सिंह नेगीः अभी यहां पर शिमला की बात हो रही थी और यहां पर शिमला के माननीय विधायक भी मौज़ूद हैं। आप कुफरी की तरफ जाईये। वहां पर एक भी शौचालय नहीं है। ....(व्यवधान).... इसलिए आप बनाने के लिए उधर बैठे हैं। मैं आपको बता रहा हूं। आप बनाईये।

उपाध्यक्षः माननीय सदस्य, आप अपना वक्तव्य दें, आप इनके साथ न उलझें।

श्री जगत सिंह नेगीः कुफरी में सवेरे के समय 300-400 गाड़ियां खड़ी होती हैं। लेकिन शौचालय करने के लिए एक भी शौचालय नहीं है।

उपाध्यक्षः आप (सत्ता पक्ष) बीच में न बोलें। इसका बाद में उत्तर दें।

27-08-2018/1730/NS/DC /3

श्री जगत सिंह नेगीः उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कह करके अपनी बात समाप्त करता हूं कि जिला किन्नौर और हिन्दुस्तान का जो शिपकिला बोर्डर है, वहां से मानसरोवर यात्रा करना सबसे सुगम है। आप मानसरोवर के लिए पिथौरागढ़ से हो करके उत्तराखंड जा रहे हैं, वहां पर लोगों को जाने के लिए बहुत असुविधा है। आज अरुणाचल प्रदेश से जाना शुरू कर दिया है। लेकिन सबसे शांतिप्रिय बोर्डर शिपकिला है। शिपकिला और चीन के बीच में केवल तीन किलोमीटर पैदल चलना पड़ेगा।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

27.08.2018/1735/RKS/HK-1

श्री जगत सिंह नेगी....जारी

मानसरोवर तक सड़क पहुंची हुई है। अगर आप इस सड़के को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से बात करें तो मानसरोवर की यात्रा हिमाचल प्रदेश से शुरू होगी जिससे पर्यटन के क्षेत्र को बहुत प्रोत्साहन मिलेगा। धन्यवाद।

27.08.2018/1735/RKS/HK-2

उपाध्यक्षः माननीय सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्री जी क्या आप कुछ कहना चाहेंगे?

सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्रीः माननीय उपाध्यक्ष जी, मेरे छोटे भाई आदरणीय श्री जगत सिंह नेगी जी ने टूरिज्म में 6 लाख रुपये की बात का जिक्र किया। मैं विपक्ष के सभी माननीय सदस्यों को अवगत करवाना चाहूंगा कि पर्यटन के क्षेत्र में माननीय मुख्य मंत्री जी ने 1892 करोड़ रुपये का एक बहुत बड़ा प्रोजैक्ट स्वीकृत करवाया है। यह प्रोजैक्ट किसी एक जिला या एक विधान सभा चुनाव क्षेत्र के लिए नहीं है बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए है। आपने कहा- मुख्य मंत्री जी दिल्ली जाते हैं और वहां से क्या लाते हैं? माननीय मुख्य मंत्री जी ने आज ही सदन में स्टेटमैंट दी है - 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के किसानों की आमदनी को दोगुना करना' और उसके लिए 4751 करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट लाया गया है। आपने यह भी कहा कि जो प्रोजैक्ट लाया गया है क्या वह मंडी जिला तक ही सीमित तो नहीं है? मैं यह कहना चाहूंगा कि आदरणीय जय राम ठाकुर जी की सरकार जिला मंडी तक सीमित नहीं है। इस सदन में सत्तापक्ष के विधायकों की संख्या 46 हैं और यह प्रदेश के सभी जिलों से चुनकर यहां आए हैं। इसलिए मैं आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि यह 4751.24 करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट भी पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए है।

27.08.2018/1735/RKS/HK-3

उपाध्यक्षः अब माननीय सदस्य, श्री किशोरी लाल जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री किशोरी लालः आदरणीय उपाध्यक्ष जी, नियम-130 के अंतर्गत जो यहां पर बहुत ही महत्वपूर्ण प्रस्ताव लाया गया है, मैं भी इस प्रस्ताव पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। हिमाचल प्रदेश देव-भूमि के साथ-साथ पर्यटन के लिए भी जाना जाता है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यह कार्य आज से 50 वर्ष पूर्व शुरू किया गया था लेकिन आज

आदरणीय श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में इस कार्य को बढ़ावा देने के लिए बहुत ध्यान दिया जा रहा है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 50 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान भी किया गया है। इसके अलावा 'नई राहें, नई मंजिलें' व ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बहुत से कार्य किए जा रहे हैं। कुल्लू जिला का नाम पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। जिसमें कुल्लू-मनाली, बंजार और मेरा निर्वाचन क्षेत्र आनी भी आता है। मेरे चुनाव क्षेत्र में स्यूरी-सर, टकरासी, खनाग, पनयो, दलाश, आनी, नीथर, लटांडा, मरगी, सराण, सूह, निरमंड और खरगा ऐसे रमणीक स्थल हैं जहां पर पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। 'श्रीखंड महादेव' की यात्रा में पूरी दुनिया के लोग आते हैं।

श्री बी0एस0 द्वारा ...जारी

27.08.2018/1740/बी.एस/एच.के./-1

श्री किशोरी लाल जारी...

मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह है कि आने वाले समय में वहां आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा अच्छी हो इसके लिए सुविधाएं प्रदान करने की कृपा करें। पिछले वर्ष भी यह यात्रा 15 जुलाई, 2017 से 28 जुलाई, 2017 तक हुई और इस वर्ष भी यह यात्रा 15 जुलाई से 28 जुलाई, 2018 तक हुई । जिसमें लगभग 6 हजार लोग दर्शन करने के लिए आए थे। उसके अलावा वहां पर हर वर्ष कुछ दुःखद घटनाएं भी होती हैं। इस वर्ष भी 4 लोगों की अचानक मृत्यु हो गई है। यात्रा में गुजरात से कुछ लोग आए थे जिनमें एक 40 वर्ष के व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। उस वक्त उसके पास पैसे नहीं थे । मैनें स्वयं उनको चण्डीगढ़ तक पहुंचाने का प्रबंध किया और पैसे के अभाव के कारण वहीं पर उनका अंतिम दाह-संस्कार किया गया है। मेरा उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार ने निवेदन है कि आने वाले समय में श्रीखण्ड महादेव की यात्रा का विस्तार माता वैष्णों देवी जी की तर्ज पर करने की कृपा करें। मैंने माननीय मुख्य मंत्री जी से भी निवेदन किया था कि आने वाले समय में वहां पर रोपवे लगवाने की कृपा करें और इसके अलावा हमने माननीय वन वंत्री

जी से भी इस क्षेत्र को विकसित करने के लिए बात की है कि इसे कैसे विस्तृत किया जाए। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मेरा माननीय वन मंत्री जी से निवेदन है कि आनी विधान सभा चुनाव क्षेत्र में वन विभाग द्वारा 30-40 वर्ष पहले रास्ते निर्मित किए गए थे वे रास्ते बंद पड़े हैं उन्हें फिर से आरम्भ करने की आवश्यकता है। हमारे निर्मंड में परशुराम जी का मन्दिर है उसको भी पर्यटन की दृष्टि से बढ़ावा दिया जा सकता है। इसके अलावा समशी महादेव, खुड़िजल एवं दुराह मन्दिर जैसे अनेको ऐसे स्थल हैं जहां पर पर्यटन की दृष्टि से बढ़ावा दिया जा सकता है। इसके साथ ही जो हमरे आनी में सड़कों की हालत है वह बहुत खराब है। आने वाले समय में उन्हें सुधारने की अति आवश्यकता है। हमारे आनी विधान चुनाव क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत गौरव की बात है कि यहां पर जलोड़ी जोत में एक सुरंग का निमार्ण किया जाना है। उसके लिए हम आदरणीय प्रधान मंत्री

27.08.2018/1740/बी.एस/एच.के./-2

जी, आदरणीय गडकरी जी तथा आरणीय सांसद, रामस्वरूप शर्मा जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करते हैं। जब यह सुंरग तैयार होगी और पर्यटक मनाली आएगा तो वे शिमला के लिए वाया आनी आएगा। यहां से रास्ता कम भी हो जाएगा और इससे हमारे क्षेत्र में पर्यटन की दृष्टि से विकास भी होगा। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि अभी हाल ही में 25 जनवरी, 2018 को हमारे लोकप्रिय मुख्य मंत्री आदरणीय श्री जय राम ठाकुर जी, आनी आए थे और वहां सराहन से बठाहट एक सड़क है उसको डिस्ट्रिक्ट मेजर रोड में डाल दिया है जिसका आने वाले समय में काफी विकास उस क्षेत्र का होगा। इसके अलावा हमारी माननीय मुख्य मंत्री जी से हैलीपैडस की भी मांग रहेगी कि वे वहां पर स्थापित होने चाहिए। ताकि पर्यटक वहां पर आएं। हमरे कुछ क्षेत्र जैसे लटाढां, सराहन,वफता और जलोड़ी जोत है, यदि इन चारों स्थानों पर हैलीपैड का निर्माण किया जाए तो हमारे क्षेत्र को पर्यटन में काफी ज्यादा प्रोत्साहन मिलेगा।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया वाईंडअप करें।

श्री किशोरी लाल : हमारे विपक्ष के मित्र आदरणीय श्री जगत सिंह नेगी जी कह रहे थे कि यह सरकार कुछ नहीं कर रही है । मैं अपने कांग्रेसी मित्रों से जानना चाहता हूं कि आपकी सरकार 50 वर्ष तक रही आपने क्या किया है । जहां तक हमारी सरकार का संबंध है अभी हाल ही में हमारे मुख्य मंत्री जी द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 1892 करोड़ रुपये की व्यवस्था कर ली है। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत- बहुत धन्यवाद करता हूं। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।
श्री डी.टी. द्वारा जारी

27.08.2018/1745/DT/YK -1

उपाध्यक्षः अब श्री राजेन्द्र राणा जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री राजेन्द्र राणाः माननीय उपाध्यक्ष जी मैं नियम 130 के अंतर्गत सरकार की पर्यटन नीति पर चर्चा करने के लिए शामिल हुआ हूँ। मेरे से पूर्व हमारे माननीय साथिओं ने विस्तार से चर्चा की। बार-बार एक बात को रिपिट करने की बजाएमैं समझता हूं की हिमाचल प्रेदश में जितना पोटैंशियल पर्यटन को ले कर है, कुदरत ने प्राकृतिक सोन्दर्य इतना दिया है मैं सिर्फ यही बात कहना चाहता हूँ ।दुनिया में बहुत छोटे-छोटे मुलख जो कि क्षेत्रफल की दृष्टि से हिमाचल प्रदेश से भी छोटे है और उन मुलकों की ईकोनोमी मज़बुत हो गई है। केवल मात्र पर्यटन के बल पर वह मुलक ताकतबर हो गए हैं।हमे चाहिए ऐसे मुलक जो पर्यटन की दृष्टि बहुत ज्यादा आगे बढ़े है उन से कुछ सीखे। उनकी नीतियों और उनको कार्यक्रमो को हम अपने प्रदेश इम्प्लीमैंट करें। भौगोलिक दिष्टी से हमारा प्रदेश जो थोड़ा भिन्न है परन्तु नेचर ने बहुत कुछ हिमाचल प्रदेश को दिया है। सभी साथियों ने ठीक कहा है इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की जरूरत है। सड़कों को ठीक किया जाए। क्योंकि जब एक पर्यटक जो अमरिका से चलता है वह दिल्दी में पहुच जाता है और कहता है की मुझे

कोई कष्ट नहीं होता है पर दिल्ली से वाया रोड़ जब शिमला आता है तो कहता है मुझे कष्ट हुआ। आज जहां हमारे पर्यटन स्थल हैं चाहे आप मनाली की बात करो, शिमला की बात करो पर्यटक यहां आने से डरते हैं।वह इसलिए डरता है की जब ट्रैफिक में फंसेगे तो छः-छः घटे लग जाएंगे और दोबारा यहां आने का नाम नहीं लेंगे। इसलिए यहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए टनल बनने की जरूरत है और खास तौर हाई एंड जो टूरिस्ट हैं वे प्रदेश में केसे पहुंचे ,उसके लिए सरकार प्रयासरत भी है। हमें हेली टैक्सी/हैलीकॉप्टर की सेवाओं को आगे बढ़ाने की जरूरता है। नए पर्यटक स्थलों को विकसित करने की जरूरत है।

टूरिस्ट नई-नई चीजें देखना चाहते हैं। हमारे प्रदेश की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है औरहम सरकार को कर्जा लेकर चलारहे हैं। हम अपनी आर्थिकी को कैसे मजबूत करें

27.08.2018/1745/DT/YK -2

इस दिशा में काम करने की आवश्यकता है। पर्यटन की दृष्टि से हमें विस्तार करना होगा और प्रदेश में नई नई चीजे विकसित करनी होगी। पठानिया जी ने बहुत दमदार तरीके से अपनी बात रखी और सब ने इस बात को माना भी है। इन्होनें कोई पक्ष और विपक्ष की बात नहीं की है ।मैं समझता हूँ मेरे एक ओर साथी ने भी एक सुझाव दिया मैं भी इसके साथ सहमत हूँ कि पर्यटन को आगे बढ़ाने की बात हम जरूर कर करें। पर्यटन को बढ़ाने के लिए इंडिपेंडेंट मंत्री की भी जरूरत है। जो मात्र केवल पर्यटन को आगे बाढ़ने के लिए मजबुत करने के लिए काम और मैं समझाता हूँ की माननीय राकेश पठानिया जी भी इस में सक्षम है। इनकी भी हम सिफरिश करते है ऐसा व्यक्ति जिसकी पर्यटन के प्रति अच्छी सोच है। ऐसे व्यक्ति को आगे लाना चाहिए और यह चेयरमैन भी रहे हैं इनको पुरा नोलज़ भी है। माननीय मुख्यमंत्री ठाकुर जय राम जी ने भी चर्चा की कि सराज को हम स्वीटजरलैंड बनाएंगे। हमे बड़ी खुशी हुई कि सराज के लोगों ने माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम जी को 5वीं बार जीताया है। सराज मिनी स्वीटजरलैंड बनना चाहिए । क्योंकि

सराज के लोगों का भी बड़ा योगदान है। वैसे तो बहुत सारी चीजे हैं जो हमारे साथियों ने कही । पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विधान सभा में 11 मैम्बर्स की एक कमेटी का गठन किया जाए

श्री एन जी द्वारा जारी

27/8/2018/1750/वाई0के0/एन0जी0-1

श्री राजेन्द्र राणा जारी.....

और वो कमेटी सरकार को सुझाव दे और सरकार उसको इम्पलीमैंट करे। हमारे पास फोरेस्ट की बहुत सारी जमीन है । मैने पंजाब में देखा, हरियाणा में देखा, उत्तराखण्ड में देखा इन प्रदेशों में जहां पर काफी फोरेस्ट है वहां पर प्राईवेट पार्टीज को सरकार फोरस्ट लैंड लीज पर दे रही है जिससे सरकार को भी आमदनी हो रही है । लेकिन वहां की सरकार उस पर कंडीशन लगाती है कि फोरेस्ट का एक भी पेड टच ना किया जाए न ही उसे कोई नुकसान पहुंचाया जाए । कुछ खाली जमीन पडी है और उस जमीन के आस-पास के किसी भी पेड को छेडा नहीं जाता है उसके बावजूद भी उन प्रदेशों में टूरिज्म को प्राईवेट पार्टीज विकसित करती है। हिमाचल प्रदेश में भी सरकार को इस बारे में पहल करके विचार करना चाहिए । हिमाचल में कंडीशनस लगाकर फोरेस्ट लैंड का फायदा उठाना चाहिए ताकि सरकार को उसका राजस्व आए । मुझ से पहले भी बहुत सारे सुझाव मेरे साथियों ने दिए है। मैं उनके साथ सहमत हूं। आने वाले समय में हमारा प्रदेश आगे बढे यही मैं भी चाहता हूं। सरकार ने 69 नैश्नल हाईवे बनाने की बात कही है उसके लिए सरकार को आगे बढना चाहिए ताकि हिमाचल प्रदेश में टूरिज्म को बढाया जा सके। जो टूरिस्ट यहां आना चाहता है उसके लिए सडकें ठीक हों, ट्रैफिक की व्यवस्था ठीक हो इन सब चीजों पर हमें ध्यान देने की आवश्यक्ता है । आपने मुझे समय दिया उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

27/8/2018/1750/वाई0के0/एन0जी0-1

उपाध्यक्षः श्री राजेन्द्र गर्ग जी ।

श्री राजेन्द्र गर्गः माननीय उपाध्यक्ष जी, टूरिज्म पर चर्चा जो माननीय सदन में लाई गई है उस पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया उसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं । महोदय, टूरिज्म को प्रदेश के अन्दर बढावा देने के लिए यह जो चर्चा चल रही है यह बहुत ही महत्वपूर्ण है और आज के समय की आवश्यक्ता भी है । भिन्न-भिन्न प्रकार के उदाहरण और टूरिज्म को बढाने के लिए सुझाव इस माननीय सदन में आए हैं । जिसके कारण हमारे प्रदेश की उन्नति और रोजगार को बढावा देने के लिए तथा प्रदेश के विकास के लिए टूरिज्म एक बहुत महत्वपूर्ण कड़ी है । टूरिज्म के बढने से जहां प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तो वहीं प्रदेश के आर्थिक विकास के रास्ते भी खुलेंगे और प्रदेश की उन्नती भी होगी । हिमाचल प्रदेश में जो टूरिज्म की अपार संभावनाऐं हैं भगवान की असीम कृपा से हैं, जिसका हमें सदुपयोग करना चाहिए । टूरिज्म के क्षेत्र में जो प्रयास पूर्व में हुए हैं जिसकी चर्चा आज सदन में हुई है, हमें उससे और अधिक छलांग लगाने की आवश्यक्ता है । जो पर्यटक हमारे यहां आते हैं उनको पर्याप्त सुविधाएं मिले, और उनके साथ व्यवहार भी अच्छा हो। टूरिज्म की दृष्टि से पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए सबसे पहले हमारी सडकें अच्छी होनी चाहिए, हमारा रेलवे का विस्तार होना चाहिए और हवाई सेवाओं को भी बढाना चाहिए । ताकि सुविधाजनक साधनों से पर्यटक देश-विदेश से हिमाचल प्रदेश में आ सके । अमेरिका ने भी ये माना है कि अमेरिका अमीर था इसलिए वहां की सडकें अच्छी है बल्कि वहां की सडकें अच्छी है इसलिए अमेरिका अमीर है । हमारे प्रदेश की आर्थिकी भी सडकों के विकास के साथ जुडी हुई है । हम धन्यवाद करते है माननीय नितिन गडकरी जी का जिन्होंने हिमाचल प्रदेश को 69 नैश्नल हाईवे दिए हैं और मेरा मानना है कि टूरिज्म को बढावा देने के लिए यह नैश्नल हाईवेज़ मील के पत्थर साबित होंगे ।

श्री आर0जी0 द्वारा जारी.....

27/08/2018/1755/RG/AG/1

श्री राजिन्द्र गर्ग----जारी

उपाध्यक्ष महोदय, जैसा कि माननीय सदस्यों ने कहा कि हमारे यहां जो पर्यटक आते हैं, उनके साथ व्यवहार ठीक न होना और उनकी गाड़ियों के पीछे दौड़ने की कुछ बातें होती हैं। इसके साथ-साथ जो हमारे टैक्सी-होल्डर्ज हैं, उनका उनके साथ किस प्रकार का व्यवहार होता है। इसलिए मेरा जो पहला सुझाव है वह यह है कि हमारे जितने भी पर्यटन से जुड़े हुए जो टैक्सी ड्राईवर्ज या टैक्सी-होल्डर्ज हैं, उनको प्रशिक्षण देने के लिए हमें एक रूपरेखा बनानी चाहिए ताकि प्रदेश में जो बाहर से आया हुआ पर्यटक है, वह हिमाचल प्रदेश का एक अच्छा चित्र लेकर यहां से जाए। कहीं किसी प्रकार की कोई गलत बात या गलत व्यवहार उसके साथ न हो और उसको ऐसा न लगे कि हिमाचल प्रदेश में उसके साथ किसी प्रकार का कोई अभद्र व्यवहार हुआ है या उसको परेशानी का सामना करना पड़ा है। चाहे वह किसी भी प्रदेश या देश से आया हो, वह हिमाचल प्रदेश के बारे में ऐसा न सोचे। इसलिए जैसा मैंने कहा कि इसके लिए टैक्सी-होल्डर्ज या टैक्सी ड्राईवर्ज के प्रशिक्षण की योजना हमें बनानी पड़ेगी। इसके साथ ही जो विभिन्न प्रकार की चर्चाएं यहां माननीय सदन में आई हैं, मेरा यह कहना है कि अब हमको आगे कदम उठाने की आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश में जगह-जगह जो हमारे पर्यटन प्रदेश में कुछ स्थानों तक सीमित हैं, उनको हमें ग्रामीण क्षेत्रों में फैलाने की आवश्यकता है, जिससे गांव के लोगों को भी रोजगार मिलेगा और हमारे गांवों एवं कस्बों की सुन्दरता भी बढ़ेगी। इसके लिए हमें पर्यटन के क्षेत्र को फैलाना पड़ेगा और जगह-जगह स्थान चिन्हित करके कहां-कहां सुविधाएं दी जा सकती हैं, उसके लिए हमें स्टेट के टूरिज्म ब्रोशर में दर्शाना होगा और एक रूपरेखा बनानी होगी। इस प्रकार का हिमाचल का चित्र जब देश-दुनिया के सामने आएगा---(घण्टी)-तो स्वाभाविक रूप से पर्यटक, जिस प्रकार से हमारे प्रदेश के पर्यटन स्थलों की चर्चाएं हैं, यहां आएंगे। चाहे वे धार्मिक या अन्य पर्यटक स्थल हों, जिनके कारण पर्यटक यहां आ सकते हैं और उन्हें इसका लाभ मिल सकता है।

उपाध्यक्ष महोदय, यदि मैं जिला बिलासपुर की बात करूं तो बिलासपुर जिले --(घण्टी)--में बंदला की धार, गोविन्दसागर की झील यानि जल-थल और आकाश में, सब

तरफ इस प्रकार के पर्यटन की संभावनाएं हैं और हमें इसको बढ़ाने की आवश्यकता है। घुमारवीं में टियून और सिरयून की जो धाराएं किले हैं, ये सारे बहुत

27/08/2018/1755/RG/AG/2

बड़े पर्यटन के केन्द्र हैं और वहां बहती हुई जो सीर खड्ड है, उसके तट पर (घण्टी) पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

उपाध्यक्ष : राजिन्द्र जी, कृपया समाप्त करें।

श्री राजिन्द्र गर्ग : इस प्रकार की सारी संभावनाओं को देखते हुए हम इस पर्यटन को पूरे प्रदेश के सभी जिलों में और सभी तहसीलों में पहुंचा सकते हैं। इन्हीं शब्दों के साथ मुझे आपने बोलने का जो अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

27/08/2018/1755/RG/AG/3

उपाध्यक्ष : अब नियम-130 पर चल रही चर्चा में श्री इन्द्र दत्त लखनपाल जी भाग लेंगे।

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल : उपाध्यक्ष महोदय, नियम-130 के अन्तर्गत सरकार की पर्यटन नीति के ऊपर जो यहां पर आज चर्चा चल रही है, मैं भी उसमें अपने विचार सांझा करने के लिए शामिल हुआ हूं। उपाध्यक्ष महोदय, एक बहुत ही महत्वपूर्ण चर्चा आज सदन में माननीय सदस्य श्री होशयार सिंह जी और उनके साथियों ने लाई है। बहुत से माननीय सदस्यों ने अपनी-अपनी बात यहां रखी कि प्रदेश में पर्यटन को किस प्रकार से आगे बढ़ाया जाए। ऐसा भी नहीं है कि पर्यटन की दृष्टि से हिमाचल प्रदेश में आज तक कुछ भी नहीं हुआ है। मैं मानता हूं कि पर्यटन के ऊपर यदि सरकार ने काम करना है और नीति में कोई परिवर्तन करना है तो सबसे पहले हमें ट्रांसफर्ज के ऊपर नीति बनाने की जरूरत है। चाहे सरकार इधर की हो या उधर की हो। चाहे माननीय मुख्य मंत्री हैं या माननीय मंत्री हैं, सबसे ज्यादा समय, वे ट्रांसफर्ज के डी.ओ. में ही लगे रहते हैं। मैं यह सच्चाई की बात कर

रहा हूं क्योंकि अधिकारियों के पास भी समय नहीं मिलता और मुख्य मंत्री महोदय के पास भी समय नहीं मिलता और सभी-के-सभी विभाग ट्रांसफर्ज में इन्वॉल्व रहते हैं। जब तक ट्रांसफर की नीति नहीं बनेगी तब तक अन्य कामों के ऊपर आप ध्यान नहीं दे सकते।

एम.एस. द्वारा जारी

27/08/2018/1800/MS/hk/1

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल जारी---------

-(व्यवधान)- मैं एक मुद्दे की बात कर रहा हूं क्योंकि अधिकांश समय तबादलों पर लगता है।-(व्यवधान)- पहले आप मेरी बात सुनिए। फिर बाद में अपनी बात कह लेना।

उपाध्यक्षः कृपया बीच में इंट्रप्ट न करें।

श्री इन्द्र दत्त लखनपालः आप लोग मुझे अपने विषय से भटकाने की कोशिश मत कीजिए। हमने भी आपको बोलते हुए डिस्टर्ब नहीं किया था इसलिए आप भी हमें डिस्टर्ब न करें। आप लोग हमारी बात सुन लीजिए और उस पर विचार कीजिए। फिर आपको समझ में आएगा कि क्या कारण हैं। क्योंकि पिछले पांच साल हम भी सत्ता में थे और हम भी सुबह छः बजे से लेकर रात के बारह बजे तक डी0ओ0 ही साइन करते थे। इसलिए जो काम करने का एक सिस्टम है, नीतियों और योजनाओं को धरातल पर लाने की जरूरत है, इसकी वजह से उसमें रोक लगती है। इसलिए इस पर सोचने और चिन्ता करने की जरूरत है। हमारे प्रदेश की पर्यटन नीति में परिवर्तन करने के क्या कारण हैं और आज क्यों इस पर चर्चा हो रही है? उसमें मैं कहना चाहता हूं कि इसका सबसे बड़ा कारण बेरोजगारी है। हमारे गांव में कई नौजवान पढ़-लिखकर भी आज बेकार बैठे हैं। कई बच्चों ने एम0बी0ए0, एम0टैक0 और बी0टैक की डिग्री हासिल की हुई है लेकिन नौकरियां न मिलने के कारण वे आज घरों में बैठे हुए हैं। उससे ऐसा हो रहा है कि जो हमारी बड़ी-बड़ी खड्डे हैं उनमें अवैध खनन हो रहा है। जब अवैध खनन को रोकने की बात करते हैं तो हमारे वे बेरोजगार

बच्चे कहां जाएंगे जिन्होंने ट्रैक्टर डालकर रोजगार का धन्धा चला रखा है? इसलिए इन सब मुद्दों पर सोचने की जरूरत है। जो हमारी बड़ी-बड़ी खड्डे सरकारी भूमि पर हैं, जो हजारों-हजारों बीघा जमीनें हैं उनका तटीयकरण किया जाना चाहिए। जो हमारे ग्रामीण नौजवान हैं अगर उनको वे ज़मीनें पट्टे पर होम स्टे और एम्यूजमैंट पार्क खोलने के लिए दी जाएं या कोई छोटी फिल्म सिटी बनाने के लिए इस प्रकार की योजना बने ताकि हमारा जो ग्रामीण युवा है वह उसमें जुड़ सके। बड़ी-बड़ी

27/08/2018/1800/MS/hk/2

बातें करने से कुछ नहीं होगा। हैलीपैड में वही एक महंगा टूरिस्ट आएगा और वह भी होना चाहिए लेकिन जो आम मध्यम-वर्गीय पर्यटक हमारे प्रदेश में आता है वह गाड़ियों से ही आता है। हमारा जो रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर है, ऐसा भी नहीं है कि उनकी हालत इतनी बुरी है। हमारे रोड्ज बरसात या बर्फ के सीजन में खराब जरूर होते हैं लेकिन उसमें ऐसा नहीं है कि सरकारों ने कुछ नहीं किया। सड़कों का काफी सुधार हुआ है और अभी बहुत कुछ होने को बाकी है तथा सरकार कर भी रही है। लेकिन समय की जरूरत है कि पर्यटक के साथ व्यवहार कैसा हो। अभी पीछे विक्ट्री टनल पर एक वाक्या हुआ कि बाहर से पर्यटक आए हुए थे और पुलिस वालों ने उनको बहुत बुरे तरीके से पीटा। (घण्टी) इस देवभूमि में जो बाहर से लोग आते हैं यदि हम उनके साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो लोग यहां क्यों आएंगे? हमें ऐसे फैसिलिटेटर तैयार करने की जरूरत है जो टूरिस्ट को गाइड करे। अभी माननीय सदस्य बलबीर वर्मा जी बोल रहे थे कि यहां गाड़ियों के पीछे लोग दौड़ते हैं। माननीय सदस्य वे आपके ही क्षेत्र के लोग हैं। वे सिरमौर के हैं और यहां पर काम कर रहे हैं और कई वर्षों से दौड़ रहे हैं। -(व्यवधान)- चौपाल इनका क्षेत्र हैं, वहां से भी लोग हैं। सिरमौर के साथ लगते इनके क्षेत्र से भी काफी लोग हैं और कच्चीघाटी आदि जगहों पर उन्होंने अपने आशियाने बनाए हुए हैं। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि वे गाड़ियों के पीछे इसलिए दौड़ते हैं क्योंकि हमारी कोई स्पष्ट नीति ही नहीं है। वे रोजगार के लिए यहां आते हैं और पर्यटकों के साथ अपना व्यवहार बनाते हैं तथा अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं।(घण्टी) उसके बारे में सोचने की जरूरत है। यदि हमारी स्पष्ट नीति होगी, उनके लिए कहीं ठहरने की व्यवस्था

होगी और वे टूरिस्ट गाइड के लिए प्रौपर तरीके से ऑथोराइज होंगे तो वे अच्छा काम करेंगे।

अभी मैं अखबार में पढ़ रहा था कि हिमाचल टूरिज्म के 36 होटल सरकार नीलाम करने जा रही है। मैं चाहूंगा कि यदि सरकार ने ऐसा कोई मन बना रखा है तो हमारे जो बेरोजगार पढ़े-लिखे नौजवान हैं उनकी एक सोसाइटी बनाकर उन होटलों को चलाने के लिए इन्हें दिया जाए और इसमें कोई जल्दबाजी न की जाए। उनको प्रोत्साहित किया जाए और उनको सस्ता कर्जा दिया जाए ताकि वे

27/08/2018/1800/MS/hk/3

उन होटलों को चला सकें। आज हमारे पास होटल मैनेजमैंट किए हुए बच्चे जो बेकार घूम रहे हैं, जिन्हें नौकरियां नहीं मिल रही हैं, उनको इसमें जोड़ा जाए ताकि जो हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर बना हुआ है, जो होटल बने हुए हैं, जो पर्यटन विभाग से नहीं चल रहे हैं वे हमारे इन बच्चों को दिए जाएं। उनको इससे रोजगार भी मिलेगा और वे उनको अच्छे से भी चलाएंगे। इसके अलावा फिल्म सिटी का निर्माण होना चाहिए।(घण्टी) इसी तरह से टूरिज्म स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना चाहिए। हमारे जिला हमीरपुर में बहुत से ऐसे क्षेत्र हैं जहां टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा सकता है। इसमें माननीय सदस्य का सुजानपुर का क्षेत्र है और मेरे अपने बड़सर क्षेत्र में पाण्डवों के समय की कई ऐसी धरोहर हैं जिनको विकसित करने की जरूरत है।

जारी श्री जे0के0 द्वारा-----

27.08.2018/1805/जेके/डीसी/1

श्री इन्द्र दत्त लखनपालः-----जारी--------

इको टूरिज्म के माध्यम से क्योंकि हमारे क्षेत्रों में चीड़ के जंगल है और बहुत बड़े-बड़े जंगल है यदि उनके अन्दर इको टूरिज्म के माध्यम से टूरिज्म को

बढ़ावा दिया जाए तो मैं समझता हूं कि रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे। मैं, माननीय मुख्य मंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहूंगा कि पर्यटन नीति के तहत उन्होंने जो कुछ प्वाईंट दिए हैं, उसमें हमारा जो दयोठसिद्ध का मंदिर है उसमें भी रोप वे का प्रावधान हो सकता है, वह होना चाहिए। हमारे दयोठसिद्ध के पीठ हैं वहां पर काफी श्रद्धालु आते हैं, उसके लिए मैंने सरकार से निवेदन किया है कि उसको टूरिस्ट प्वाईंट ऑफ व्यू से डिवैल्प किया जाए ताकि वहां पर बेरोजगार नौजवानों को रोजगार मिल सके। यहां पर टूरिस्ट नीति के ऊपर चर्चा हो रही है, मेरा सरकार से निवेदन रहेगा कि किसी प्राइवेट एन0जी0ओ0 से पूरे हिमाचल प्रदेश में एक सर्वे करवाया जाए कि कौन से क्षेत्र को किस दृष्टि से डवैल्प किया जा सकता है और स्थानीय लोग भी उसमें शामिल हों। पंचायत के जो हमारे लोग हैं, पंचायत के प्रतिनिधि हैं वे आगे आएं, एन0जी0ओज0 आगे आए, महिला मण्डल आगे आएं, युवा मण्डल आगे आएं ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो सके। उपाध्यक्ष महोदय, आपने बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द।

27.08.2018/1805/जेके/डीसी/2

उपाध्यक्षः अब श्री सुरेन्द्र शौरी जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री सुरेन्द्र शौरीः उपाध्यक्ष महोदय, नियम-130 के अन्तर्गत जो प्रस्ताव सरकार की पर्यटन नीति के बारे में सदन में लाया गया है उस पर बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे से पूर्व सभी माननीय सदस्यों ने बहुत सारे विषयों पर चर्चा की। मैं उन विषयों पर नहीं जाना चाहूंगा मैं अपनी कुछ प्रैक्टिकल बातें इस माननीय सदन में रखना चाहूंगा। मुझे लगता है कि हिमाचल प्रदेश में

अगर हम टूरिज्म को सही दिशा में आगे बढ़ाएं तो निश्चित तौर पर हम यहां पर हजारों लोगों को रोजगार दे सकते हैं। मैं कुल्लू जिला में देखता हूं कि मनाली पर्यटन के मानचित्र में विश्व में आया और हिमाचल प्रदेश के कोने-कोने से लोग वहां पर बैठे हैं और अपनी आजीविका कमा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं बन्जार विधान सभा क्षेत्र से संबंध रखता हूं। बन्जार विधान सभा क्षेत्र में भी बहुत सारे ऐसे अनछुए पर्यटन स्थल हैं जिनको आज विकसित करने की आवश्यकता है। यह सदन पर्यटन नीति पर विचार कर रहा है। मैं यहां पर बन्जार की बात कहूं तो हमारे पास ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क है जो वहां पर 1984 में स्थापित हुआ था और 2014 में यूनेस्को ने उसे विश्व धरोहर की संज्ञा दी और विश्व के मानचित्र में लाया। अगर हम एसे स्थानों को चिन्हित करें वहां पर हम काफी हजारों/लाखों लोगों को रोजगार दे सकते हैं। इसके साथ-साथ सरकार की जो होम-स्टे पॉलिसी है उसमें अभी तीन कमरे मिलते हैं लेकिन मुझको लगता है कि इनको पांच किया जाए तो यह भी कारगर सिद्ध होगी। हमारे पास प्रदेश में अंग्रेजों के समय की बहुत सारी

27.08.2018/1805/जेके/डीसी/3

सड़कें हैं जो आज टूट चुकी हैं या वहां पर कोई आवाजाही नहीं होती है। मैंने अपने विधान सभा के अन्दर बन्जार में दो-तीन सड़कें ऐसी चिन्हित की और टूरिज्म के अधिकारियों से बैठक कर कहा कि इन सड़कों को क्यों न हम साइकलिंग के लिए तैयार करें । जब टूरिस्ट यहां पर आएगा यहां पर वह साइकलिंग करेगा और दौड़ेगा। हमें नई-नई चीजें करनी चाहिए। इसके साथ-साथ मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का तहेदिल से धन्यवाद करना चाहता हूं कि 23 जून को वह बन्जार आए थे और हमने टूरिज्म को धरातल पर कैसे उतारे, इस उद्देश्य से नेचर लर्निंग सेन्टर का बन्जार में फाउन्डेशन रखी। अब बन्जार में

नेचर लर्निंग सेन्टर बन रहा है। टूरिज्म छोटे-छोटे गांवों में कैसे विकसित हो, इसके लिए जैसे हमारी वैली में जैसे जिभ्भी वैली टूरिज्म एसोसिएशन, तीर्थन वैली टूरिज्म एसोसिएशन, सैंज वैली टूरिज्म एसोसिएशन आदि छोटी-छोटी संस्थाएं बनाई और उनकी लगातार मीटिंग करके नया आइडिया लेने के लिए कि हम पर्यटन को और अच्छे ढंग से कैसे बढ़ावा दे सकते हैं, वहां नेचर लर्निंग सैंटर बन रहा है

श्री एस0एस0 द्वारा जारी--

27.08.2018/1810/SS-DC/1

श्री सुरेन्द्र शौरी क्रमागतः

अब हमने ध्येय रखा है कि हम वहां पर पर्यटन को बढ़ावा देना चाहेंगे। यहां पर टैक्सी ऑपरेटर्ज़ की बात कही गई। टैक्सी चालक का प्रशिक्षण होना चाहिए। सिक्किम में जैसे कहा गया कि पॉलीथीन गाड़ी के बैग में डाली जाए। निश्चित तौर पर जब हम दो-दो घंटे टैक्सी ऑपरेटरों की ट्रेनिंग करवायेंगे, सेमीनार लगायेंगे तो निश्चित तौर पर वह आने वाले टूरिस्टों के लिए अच्छा रहेगा। इसके साथ-साथ जो हमारे होमस्टे चलाते हैं, उन संचालकों की भी प्रॉपर ट्रेनिंग होनी चाहिए। उस संस्थान में हम करवायेंगे। जैसे हमारे गाइड हैं और ट्रेबलिंग इंस्टिट्यूट से जुड़े लोग हैं इन सब का प्रशिक्षण प्रदेश के अंदर होना चाहिए ताकि किसी भी टूरिस्ट के साथ दुर्व्यवहार न हो। जब हम अपने समाज के सब वर्गों को प्रशिक्षित करवायेंगे तो निश्चित रूप से जो सैलानी यहां आते हैं वे यहां बार-बार आते रहेंगे।

धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता है। हमारे पौंग डैम या भाखड़ा डैम में वॉटर स्पोर्टस होती हैं। हम अपने पंडोह और लारली झील में इस किस्म की सम्भावनाएं तलाश सकते हैं ताकि सैलानी यहां पर आएं।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ यहां पर बात कही गई कि बहुत सारा एरिया ऐसा है जहां पर हम फॉरैस्ट की जमीन को प्राइवेट लोगों को लीज़ पर दे सकते हैं क्योंकि

आज बेरोजगार व्यक्ति रोजगार चाहता है इसलिए अब सरकार की तरफ से इस बारे में पहल हो। फॉरैस्ट की ऐसी साइटें चिन्हित करके बेरोजगार लोगों को दें ताकि वे वहां पर अपना कारोबार कर सकें। विशेष बात यह ध्यान में आई है कि प्रदेश के अंदर तीन महीने - मई, जून और जुलाई में भारी संख्या में यहां पर टूरिस्टस आते हैं। उसके लिए हम पहले से पूरी तैयारी करें और इस प्रकार हम प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा दे सकते हैं। जो हमारी ऐतिहासिक धरोहरें और प्राचीन मंदिर हैं उनको भी हम टूरिज्म के मानचित्र पर लाएं ताकि जब टूरिस्ट यहां आता है तो उन्हें भी अवश्य देखें। मुझे लगता है कि एरिया के हिसाब से भी हमें देखना चाहिए कि कुल्ल में क्या हो सकता है, मनाली में क्या हो सकता है, जैसे भंगाल में पैराग्लाइडिंग होती है तो और किस जगह पैराग्लाइडिंग हो सकती है उस पर भी हम ध्यान दे सकते हैं। हिमाचल प्रदेश की जनता का व्यवहार टूरिस्टस के साथ अच्छा रहे, उसके लिए हम अपने लेवल पर क्या कर

27.08.2018/1810/SS-DC/2

सकते हैं उस नाते कदम उठाना पड़ेगा। जैसे मैंने कहा कि जब हम वैली व्हाइट में टूरिज्म एसोसियेशन की मीटिंग्ज़ करते हैं तो हम वहां पर हर चीज़ की मोनिटरिंग करते हैं कि वहां का जो कूड़ा-कचरा है वह हर होमस्टे से कॉलैक्ट हो करके ठीक स्थान पर पहुंचे। उसकी चिन्ता करना या वहां बिजली की व्यवस्था करना ताकि सैलानियों को किसी किस्म की दिक्कत न आए, उस सब की चिन्ता करते हैं। ये सारी बातें पॉलिसी में आएं तो निश्चित तौर पर मुझे लगता है कि जो हिमाचल प्रदेश की टूरिज्म पॉलिसी बनेगी तो वह प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए कारगर सिद्ध होगी। माननीय मुख्य मंत्री जी ने करोड़ों रुपये का बजट इस प्रदेश के लिए लाया है। मुझे लगता है कि वह बजट भी बड़ी-बड़ी साइटों के लिए इस्तेमाल हो सकता है। जैसे राकेश पठानिया जी ने कहा कि रोहतांग के लिए बहुत भीड़ लगती है, हम देखते हैं कि सुबह चार बजे उठकर पर्यटक जाता है और रात को भी जाने को उत्सुक रहता है। लेकिन इसके साथ-साथ कुल्लू जिला में ऐसे स्नो प्वाइंटस हैं जिनको डिवैल्प करने की आवश्यकता है उनको हम डिवैल्प कर सकते हैं। प्रदेश में उस नाते नया क्या हो सकता है उस पर अवश्य पहल करें।

उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

27.08.2018/1810/SS-DC/3

उपाध्यक्षः बहुत बढ़िया। जिस तरह से शौरी जी ने कंटैंट रखा है मुझे लगता है कि अगर हम सब लोग उस तरह से नयी चीज रखेंगे तो जल्दी हम लोग विषय कवर कर लेंगे। अभी चर्चा में भाग लेने हेतु तीन लोग और शेष रहते हैं इसीलिए बीच में मैं कह रहा हूं कि यदि माननीय सदस्य पांच-छः मिनट में कवर करेंगे तो बढ़िया रहेगा। अब चर्चा में श्री मोहन लाल ब्राक्टा जी भाग लेंगे।

श्री मोहन लाल ब्राक्टाः माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जो नियम-130 के अन्तर्गत यहां पर विषय रखा गया है मैं भी उसमें बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। आपने समय-सीमा की बात कही है, मेरा प्रयास रहेगा कि आपने जो समय की डैडलाइन रखी हुई है मैं उससे पहले ही खत्म कर दूं। ....व्यवधान .....

उपाध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया बीच में न बोलें।

श्री मोहन लाल ब्राक्टाः मेरे से पूर्व वक्ताओं ने इस विषय पर काफी चर्चा कर दी है। मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के कुछ महत्वपूर्ण स्थानों की बात करना चाहूंगा। मुझे याद नहीं, मुझसे पूर्व किसी वक्ता ने बिल्कुल ठीक कहा था कि पर्यटन की दृष्टि से रोड का होना बहुत ज़रूरी है। अगर आपके रोड ठीक नहीं होंगे तो टूरिस्टस वहां नहीं आयेंगे। मैं इस माननीय सदन में बात रखना चाहूंगा कि जब से हमारा ठियोग-खड़ापत्थर-हाटकोटी रोहड़ू रोड बना है,

जारी श्रीमती के0एस0

27.08.2018/1815/केएस/एचके/1

श्री मोहन लाल ब्राक्टा जारी---

आज हमें यह बताते हुए खुशी होती है कि अगर हम ट्रैफिक जाम में न फंसे तो हम रोहड़ू से शिमला ढाई-तीन घण्टे के अन्दर पहुंच जाते हैं। माननीय विधायक नरेन्द्र बरागटा जी जब पिछले शुक्रवार को यहां पर नियम-130 के अंतर्गत वर्षा पर चर्चा हो रही थी तो उस वक्त इन्होंने मेरा नाम ले कर कहा था कि रोहड़ू के विधायक जब लाल बत्ती में वहां से आते थे

तो या तो लाल बत्ती छिपा लेते थे या खुद दूसरी गाड़ी में जाते थे ताकि लोग तंग न करें। तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि पिछले पांच साल में मेरे पास चाहे लाल बत्ती रही या पीली बत्ती रही, मैं हमेशा बत्ती लगा कर रोहड़ू से शिमला आया हूं और शिमला से रोहड़ू गया हूं। कई बार मेरा आपसे भी टाकरा हुआ आपने देखा होगा या नहीं देखा होगा, यह अलग बात है। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि कई बार, जैसे बरसात का मौसम होता था, चाहे दूसरी बातें थी, कई घण्टे मैं भी जाम में फंसता था और कई बार तो वहां के लोगों ने मेरे फोटो भी निकाले। मैं बत्ती वाली गाड़ी में अंदर बैठा हूं, उन्होंने मुझसे पूछा कि आपका फोटो लें कि आप भी जाम में फंसे हो। मैने कहा कि ले लो। वे फेसबुक में भी ऐसे फोटो डालते थे। बाद में मुझे पता लगा कि वे तो भारतीय जनता पार्टी के लोग होते थे। उपाध्यक्ष जी, वैसे बरागटा जी को उस दिन इस माननीय सदन में मेरे बारे में बोलना नहीं चाहिए था । I was absent at that time. फिर इन्होंने यह भी कहा कि रोहड़ू के विधायक, जब भी इस रोड़ के बारे में बात होती थी, मेरे साथ कभी नहीं आए। वह तो बरागटा जी, मुझे पता है कि मुझे क्या करना है, किसके साथ जाना है, किसके साथ नहीं जाना है और इस रोड़ के बारे में क्या बात हुई (व्यवधान) मैं उसी पर आ रहा हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, जब से वह रोड़ बना है, तब से हमारे रोहड़ू में काफी टूरिस्ट आने लगे हैं और इसका अगर श्रेय जाता है तो वह कांग्रेस पार्टी और राजा वीरभद्र सिंह जी को जाता है। 25 दिसम्बर, 2012 को जब पूर्व मुख्य मंत्री माननीय राजा वीरभद्र सिंह जी ने छठी बार मुख्य मंत्री की शपथ ली, उन्होंने तत्काल तीन-चार दिनों के अन्दर लोक निर्माण विभाग को तलब किया था । वहां पर मैं भी था। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से पूछा था कि क्यों इस रोड़ का कार्य शुरू नहीं हो सका? उन ऑफिसरों ने जो भी कारण

27.08.2018/1815/केएस/एचके/2

बताए होंगें, उसके बाद उस रोड़ का तुरंत काम शुरू हुआ और आज उसका श्रेय राजा वीरभद्र सिंह जी को और तत्कालीन कांग्रेस सरकार को जाता है।

उपाध्यक्ष महोदय, टूरिज्म के बारे में मैं भी अपने चुनाव क्षेत्र से सम्बन्धित बात करना चाहता हूं। मेरे चुनाव क्षेत्र में भी टूरिज्म की दृष्टि से ऐसे काफी स्पॉट है जो विकसित हो सकते हैं। उनमें चांशल भी एक जगह है। जैसे ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, हमारे तीन माननीय मंत्री जिनमें सुरेश भारद्वाज जी का भी रोहड़ू का टूअर बना, वे वहां गए। वन मंत्री श्री गोविंद सिंह ठाकुर जी भी वहां गए। उसके बाद पावर मिनिस्टर श्री अनिल शर्मा जी भी रोहड़ू आए। मेरे कहने का मतलब टूरिज्म की दृष्टि से चांशल बहुत ही अच्छी जगह है। इसके साथ-साथ चन्द्र नाहन है, खदराला है, जहां पर बहुत पुराने रैस्ट हाउसिज़ हैं। एक पी.डब्ल्यू.डी. का है, फोरैस्ट का है। बहुत पहले वहां पर तत्कालीन प्रधान मंत्री स्वर्गीय जवाहर लाल नेहरू जी और इंदिरा गांधी जी ने भी विज़िट की है।

उपाध्यक्षः ब्राक्ट जी, वाइंड अप करिए।

श्री मोहन लाल ब्राक्टाः उपाध्यक्ष महोदय, किसी समय वहां पर आलू का व्यापार हुआ करता था। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहूंगा कि वह स्पॉट भी टूरिज्म की दृष्टि से आज इतना विकसित नहीं हो पाया है। उसको विकसित करने की बहुत आवश्यकता है। रोहड़ू चुनाव क्षेत्र में हर जगह चाहे चांशल की बात है, चन्द्र नाहन की बात है या अन्य स्थान है, वहां पर टूरिज्म का बहुत अधिक विकास हो सकता है। रोहड़ू विधान सभा क्षेत्र में कई हाइड्रो प्रोजैक्ट्स भी लगे हुए हैं।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

27.8.2018/1820/av/hk/1

श्री मोहन लाल ब्राक्टा--- क्रमागत

रोहड़ू विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आन्ध्रा, गुम्मा, मसली, राउसी, जांगलिख इत्यादि स्थानों पर हाइड्रो प्रोजैक्ट लगे हुए हैं। वैसे तो पूरा हिमाचल प्रदेश देवी-देवीताओं की भूमि है मगर जहां तक मेरे निर्वाचन क्षेत्र रोहड़ू की बात है तो वहां पर भी देवी-देवीताओं का

वास है। जुब्बल निर्वाचन क्षेत्र के साथ हमारा हाटकोटी मंदिर है तो वहां से भी लोग रोहड़ू की तरफ जाते हैं। वहां खरशाली पंचायत में एक माता का मंदिर है और हमारे बुजुर्गों का कहना है कि हाटकोटी माता वहीं से उत्पन्न हुई है। मैंने यहां पर अपने निर्वाचन क्षेत्र के कुछ सुझाव दिए हैं जिसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से चाहूंगा कि जहां पूरे प्रदेश में टूरिज्म की दृष्टि से विकास होगा तो रोहड़ू निर्वाचन क्षेत्र उससे न छूटे। रोहड़ू निर्वाचन क्षेत्र में टूरिज्म की दृष्टि से जो भी विकास कार्य होने हैं, वे पूर्ण हों।

इन्हीं शब्दों के साथ, उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

27.8.2018/1820/av/hk/2

उपाध्यक्ष : अब माननीय सदस्य, विक्रमादित्य सिंह चर्चा में भाग लेंगे।

श्री विक्रमादित्य सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, आज नियम 130 के अंतर्गत जो सरकार की पर्यटन नीति पर विचार किया जा रहा है, उस पर मुझे बोलने का अवसर मिला है, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

अभी केंद्र सरकार की तरफ से एशियन डैवल्पमैंट बैंक के माध्यम से प्रदेश को जो 1900 करोड़ रुपये की धनराशि मिली है उसका मैं स्वागत करता हूं। निश्चित तौर से जिस तरह से सदन में इस पर बड़े विस्तार से चर्चा करवाई गई है तो मैं भी इसके बारे में पढ़ रहा था क्योंकि आज इस विषय पर बोलना था। अभी तक प्रदेश में टूरिज्म पर तकरीबन तीन नीतियां बनी हैं जो कि वर्ष 1991, 2000 और 2005 में बनी थी। उसको बड़े विस्तार से देखा गया और यह भी देखा गया कि हमें नम्बर ड्रिवन नहीं होना है और प्रदेश में जो हेफैर्ज्ड व डेमेजिंग ग्रोथ हो रही है उसको कहीं-न-कहीं कंट्रोल करना है। साथ ही, यह बात भी देखी गई थी कि tourism should be the prime engine of economic growth in the State, by positioning itself as leading global destination by twenty-twenty. मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि in the successive reports or the successive policies that have

been made by the Tourism Department or the Government, we have set very high goals for ourselves. मगर धरातल पर यह कितनी सफल हो रही है, हमें इस चीज पर विचार करने की आवश्यकता है।

(अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।)

आज मैं इस पॉलिसी में पढ़ रहा था और मेरे हिसाब से सरकार को इसमें कहीं-न-कहीं डिसइनवैस्टमैंट करने की आवश्यकता है। मैंने पिछले विधान सभा सत्र के दौरान भी यह बात कही थी कि as far as the tourism policy of the State is concerned, the Government should confined itself as being a facilitator and have backroom support for the creation of infrastructure development in the State in lieu of the tourism infrastructure in the State. हमने प्राइवेट सैक्टर में इनवैस्टमैंट की बात की है।

27.8.2018/1820/av/hk/3

इसमें चाहे राजस्व या फोरैस्ट क्लीयरैंस; जिसको हमने 90 दिन के अंदर देने की बात इन पॉलिसीज में रखी है। Relaxation of luxury tax in lieu of tourism और टूरिज्म स्टेट रोड टैक्स के बदले में जो हमने इसको कम करने की बात कही है; इन सब चीजों को देखने की आवश्यकता है। इसमें थ्रस्ट एरियाज जिसकी हम समय-समय पर बात करते आए हैं,

श्री टी सी द्वारा जारी

27-08-2018/1825/TCV/YK/1

श्री विक्रमादित्य सिंह ..... जारी

यहां पर इस पर बहुत सारे विधायकों ने भी अपने विचार रखे हैं कि रुरल टूरिज्म को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। यहां पर इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में भी बात की गई। मैं उन बातों को दोहराना नहीं चाहता। इसके बारे में कई माननीय सदस्यों ने यहां अपने विचार रखे हैं। महाराणा प्रताप सिंह रेजर्वायर जो प्रदेश की सबसे बड़ी वॉटर बॉडी है, उसके बारे

में यहां पर बात की गई कि हाउस बोट्स, शिकारे और आर्टिफिशियल बीचीज उसमें बनाये जाएंगे। जब हम ज़मीनी स्तर पर देखते हैं तो मुझे नहीं लगता है कि ये चीजें आज तक पूर्णरूप से प्रदेश के अंदर इंप्लीमेंट हो पाई हैं। जहां तक एडवैंचर टूरिज्म की बात है और promotion of unexplored areas इसके बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि सब विधायकों ने अपने-अपने एरियाज़ की बात की है। But I understand as far as the tourism infrastructure in the State is concerned we need to rise above party lines. अभी हम स्वागत कर रहे थे और कोई माननीय सदस्य कह रहे थे कि माननीय मुख्य मंत्री के इलाके जंजैहली को टूरिज्म की दृष्टि से बढावा दिया जा रहा है और रोपवे इत्यादि वहां पर लगाये जा रहे हैं। It is not for the politicians to decide where the infrastructure as far as tourism is to be developed. It has to be decided by the expert opinion which has to be sought from the people in the Government. If we have to get expert people from national or international level also they should be brought to the various Advisory Committees that the Government has form for tourism development ताकि उनके ओपिनियन्ज हम ले सकें, चाहे हमारा हैल्थ टूरिज्म है, स्पॉज़ हैल्थ रिजोर्टस को बनाने की बात है या 'Collaboration of Indian System of Medicine Department of Ayurveda' को on board लेने की बात हो। वर्ष 2012 की जो टूरिज्म पॉलिसी थी, मैं उसके बारे में पढ़ रहा था, उसमें कहा गया था कि 18 एच0पी0टी0डी0सी0 होटलों में पंचकर्मा शुरू किया जाएगा। माननीय विधायक राकेश पठानिया जी हमें बताएं कि एच0पी0टी0डी0सी0 का ऐसा कौन-सा होटल है, जिसमें पंचकर्मा चलाया जा रहा है? ये सब कहने की बातें हैं लेकिन जो प्रैक्टकिली हो सकता है, उसको देखने की आवश्यकता है। जो सस्टेनेबल

27-08-2018/1825/TCV/YK/2

पॉलिसी 2005 में सरकार द्वारा लाई गई थी, मैं समझता हूं, उसे भी बहुत गम्भीरतापूर्वक देखने की आवश्यकता है। क्योंकि कभी बहुत ज्यादा बारिश हो रही है, पिछले दिनों शिमला में पानी की बहुत ज्यादा कमी हुई और आजकल पानी का इतना कहर है कि जगह-जगह भू-स्खलन हो रहा है। उस दृष्टि से जो सस्टेनेबल पॉलिसी टूरिज्म की आई थी, जिसमें natural and cultural heritage preservation is the priority and balance of the Environment, Economic and Social Culture, इसके ऊपर जो एम्फैसिज रखा था, उसको और मजबूती के साथ आगे ले जाने की आवश्यकता है। हमारे जितने भी पुराने फोर्टस या पैलेसिज़ हैं जैसे नाहन, जुब्बल, अर्की, चम्बा जितनी भी पुरानी रियासतें थीं, उनके जितने भी फोर्टस या पैलेसिज थे they are all in ruins today. अभी यहां पर कोई माननीय सदस्य बात कर रहे थे कि राजस्थान में टूरिज्म क्यों फ्लरिश कर रहा है? अध्यक्ष महोदय, यदि आप वहां पर जाएंगे, वहां पर जो बड़ी-बड़ी रियासतें हैं, चाहे वह जयपुर, आमेर, मारवाड़ और मेवाड़ है, वहां obviously because of the International attention that those areas have got and they have been able to get whether it is ITC or whether it is Taj, उन सबको ऑनबोर्ड लाने में वे सफल हुए हैं। मगर इसके साथ-साथ जो छोटे-छोटे ठिकाने राजस्थान के अंदर है, वे भी फ्लरिश बिजनेस अपने आर्किटेक्चरल ruins को प्रजर्व करके कर पा रहे हैं। Why is it not that in the State of Himachal Pradesh we have not been able to develop any certain policy as far as palaces and forts of the erstwhile rulers of Himachal Pradesh are concerned.

श्रीमती एन0 एस0 .... द्वारा जारी ।

27-08-2018/1830/NS/YK /1

श्री विक्रमादित्य सिंह-------जारी

कई- कई जगहों पर, जहां पर लोग आर्थिक रूप से सुदृढ़ थे, उन्होंने इसको कर लिया है। लेकिन मैं समझता हूं कि अन्य स्थानों में इसके लिए बहुत मज़बूती के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं होम स्टे की करूंगा। मैं पिछले दिनों यहां के होटल वालों के साथ इंट्रैक्ट कर रहा था और जिस तरह से इस 'होम स्टे स्कीम' की धज्जियां शिमला शहर के अंदर उड़ाई जा रही हैं, मुझे नहीं लगता है कि अन्य इलाकों में भी यह स्कीम सफल हो सकती है। इसमें 3-4 या 5 बैडरूम के लिए जो टैक्स में कटौती सरकार द्वारा दी गई है, एक ओर हमारे होटल वाले कैपिटल सबसिडी लेकर या लोन लेकर होटल को बनाते हैं। They are not exempted from any Income tax , service tax और सारे कायदे-कानून उनके ऊपर लगाये जाते हैं। जहां तक होम स्टे की बात है, इसमें सबसे बड़ी दिक्क्त आ रही है। यहां पर जितने भी मशरूमिंग टाउन्ज़ हैं, उनकी परिधि में लोगों ने मल्टी स्टोरीज़ बिल्डिंग्ज़ बना दी हैं और अलग-अलग लोगों के नाम पर ये रजिस्टर्ड करवा दी गई हैं। They are running it as hotels and getting all the benefits that they are driving under home-stay schemes. इस चीज़ को हमें रोकने की आवश्यकता है। एक और तो होटल वाले सारे-का-सारा पैसा लगा रहे हैं लेकिन इससे कोई फायदा नहीं मिल रहा है। क्योंकि होटल वाले पूरे-का-पूरा टैक्स भरते हैं और उनको इससे नुकसान हो रहा है। निश्चित तौर पर यह प्रदेश की आर्थिकी के लिए ठीक बात नहीं है।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृप्या वाईंड-अप करें।

श्री विक्रमादित्य सिंहः अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों मैं प्राकृतिक आपदा के बारे में अखबारों में पढ़ रहा था। शिमला में भी प्राकृतिक आपदा हुई थी और यहां पर जब पानी की दिक्कत हुई तो उस समय एक एडवाइज़री जारी हुई। लेकिन मुझे यह नहीं पता कि यह एडवाइज़री सरकार की ओर से दी जाती है या नहीं। सरकार के अंदर जो हमारे अधिकारी बैठे हैं, वे चाहते ही नहीं हैं कि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिले। ऐसी कोई एडवाइज़री दी जा रही है कि आपको शिमला नहीं आना है या हिमाचल प्रदेश के किसी और कोने में नहीं आना है, तो यह एक प्रकार का गलत प्रचार किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि शिमला में जो पिछले दिनों वॉटर केलेमिटी हुई, उसमें केवल शिमला

27-08-2018/1830/NS/YK /2

और हिन्दुस्तान में नहीं, मगर वाशिंगटन डी.सी. तथा इंग्लैंड के लीडिंग न्यूज़पेपर्ज़ में भी इसकी नेगेटिव पब्लिसिटी आई है and nobody from the Government bothered.

अध्यक्षः इसकी चर्चा कल लगी हुई है, आप इस बात को उसमें करें।

Shri Vikramaditya Singh: Nobody from the Government bothered to issue a notification in this regard कि इस चीज़ को हमें ठीक करने की आवश्यकता है। मैं टूरिज्म प्वाईंट ऑफ व्यू से बोल रहा हूं। क्योंकि कहीं-न-कहीं हमारा प्रदेश टूरिज्म ओरिएंटिड है और हमें इन सब चीज़ों को निश्चित तौर पर बढ़ाने की आवश्यकता है। मैं मुख्य मंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने हमें सिक्किम जाने का अवसर दिया। वहां पर हमने बहुत सी "Key Learnings" की हैं, चाहे वहां पर बौद्ध पार्क हो या फिर चार धाम हों। अध्यक्ष महोदय, वहां पर बौद्ध पार्क में सिक्किम स्टेट ने अलग से एक पार्क विकसित किया है। हिमाचल प्रदेश में भी इसके अन्तर्गत धर्मशाला के अन्दर हमारे His Holiness Dalai Lama, who is permanent resident of Himachal Pradesh इस तरह से हमें टैप करने की आवश्यकता है और हम इसमें सफल नहीं हो पाये हैं। Inspite of actors of international level चाहे वह Richard Gere या Pierce Brosnan हों जो James Bond होते थे, He is regular follower of Dalai Lama. (घंटी) मगर इसके बावजूद भी हमें जिस तरह से टैप करने की आवश्यकता है, हम उसको नहीं कर पाये हैं। अन्त में, मैं एक और बात हैली टैक्सियों के बारे में कहना चाहूंगा हालांकि I do appreciate the initiative that has been taken by the Hon'ble Chief Minister, but that I would say is a 'stop gap arrangement'. केवल अपना हैलीकॉप्टर टूरिस्ट्स को दे देना, उससे प्रदेश में टूरिस्ट्स की समस्या हल नहीं होने वाली है। कल को मुख्य मंत्री जी अपनी गाड़ी किसी को दे दें और कहें कि टूरिस्ट्स इसमें आयें तो मैं समझता हूं कि यह एक उदारता उनके मन से हो सकती है

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

27.08.2018/1835/RKS/YK-1

श्री विक्रमादित्य सिंह... जारी

but we have a proper policy in place as far as the heli-taxies are concerned. आपको यह बात पता होगी कि 1990 में जुब्बड़हट्टी, भूंतर व गगल तीन मुख्य हवाई हवाई अड्डे बनाए गए थे। जो हमारा मौजूदा ढांचा है उसको हमें कैसे एक्सपैंड करना है as far as the helipads are concerned उसमें केवल सरकार को ही नहीं बल्कि जो हमारे लीडिंग प्राइवेट प्लेयर्ज हैं उन्हें भी हैली टैक्सी के लिए ऑन बोर्ड लाने की आवश्यकता है ताकि दुर्गम क्षेत्र में भी टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा सके।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया वाइंड-अप कीजिए।

श्री विक्रमादित्य सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य, श्री राकेश पठानिया जी की बात से सहमत हूं कि वर्ष 1990 तक विधान सभा में 'टूरिज्म कमेटी' का गठन किया गया था। लेकिन मुझे नहीं पता for what reason it was discontinued. मैं यह प्रस्ताव रखना चाहूंगा कि विधान सभा में उस टूरिज्म कमेटी का पुनः गठन किया जाए और जो राशि खासकर ADB के माध्यम से आती है, उस राशि को कहां-कहां खर्च करना है cutting across the political lines and cutting across the constituencies उस पर काम करने का मौका मिले।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, श्री विक्रमादित्य सिंह जी 15 मिनट हो गए हैं। कृपया आप वाइंड-अप कीजिए। अब मैं अगले वक्ता को बुला रहा हूं।

श्री विक्रमादित्य सिंहः अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

27.08.2018/1835/RKS/YK-2

अध्यक्षः अब माननीय सदस्य श्री लखविन्द्र सिंह राणा जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री लखविन्द्र सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैं नियम-130 के तहत 'सरकार की पर्यटन नीति पर यह सदन विचार करे' पर चर्चा में भाग लेने के लिए खड़ा हुआ हूं।

आप सभी जानते हैं कि हिमाचल प्रदेश को देव-भूमि कहा जाता है। पर्यटन की दृष्टि से हिमाचल प्रदेश को कैसे आगे बढ़ाया जाए इस पर सभी वक्ताओं ने अपनी-अपनी बात सदन में रखी। हिमाचल प्रदेश में जो पहाड़, नदियां और पेड़ हैं, उनकी सुंदरता पर्यटकों को हिमाचल प्रदेश में आने के लिए आकर्षित करती है। हमारे प्रदेश में कुल 12 जिले हैं। लेकिन पर्यटन विभाग द्वारा हिमाचल प्रदेश के कुछ ही जिलों को विकसित किया जा रहा है। केवल 4-5 जिलों में ही पर्यटन को बढ़ावा देने की बात की जाती है। जबकि सभी जिलों को पर्यटन की दृष्टि से बढ़ावा मिलना चाहिए। हिमाचल प्रदेश में 68 निर्वाचन क्षेत्र हैं और हरेक विधान सभा क्षेत्र में ऐसी ऐतिहासिक जगह हैं जहां पर पर्यटन को विकसित किया जा सकता है। लेकिन मनाली, धर्मशाला, शिमला और चम्बा की ही बात हमेशा चर्चा मे आती है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र की रामशहर तहसील में रामपुर क्षेत्र है जिसे राजाओं के समय पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया गया था। यदि हम ऐसे स्थानों को चिन्हित करेंगे तो मुझे लगता है कि पूरे प्रदेश को पर्यटन की दृष्टि से आगे बढ़ाया जा सकता है। इससे हमारे प्रदेश का रेवेन्यू भी बढ़ेगा। पीछे बाहरी राज्यों से कुछ पर्यटक कुल्लू घूमने आए थे। वे रास्ते में नदी में नहाने के लिए नीचे उतर गए। नहाते समय कुछ पर्यटक पानी में बह गए। अतः सरकार को पर्यटकों को सुरक्षा भी मुहैया करवानी चाहिए ताकि प्रदेश से बाहर गलत संदेश न जाए। जो पर्यटक बाहर से आते हैं उन्हें यह पता नहीं होता कि इन नदियों का जल स्तर कितना है। लेकिन वे सैल्फी लेने के चक्कर में नदी पर पहुंच जाते हैं और वहां पर उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ती है। अतःजगह-जगह साइन बोर्ड लगाए जाने चाहिए।

श्री बी0एस0 द्वारा ...जारी

27.08.2018/1840/बी.एस/ए.जी./-1

श्री लखविन्द्र सिंह राणा जारी...

ऐसे स्थानों में पुलिस का प्रबंध किया जाए या वहां पर होमगार्डस लगाए जाएं ताकि वहां पर कोई ऐसी अप्रिय घटना न हो । इसी तरह हम देख रहे हैं कि हमारे हिमाचल प्रदेश में बहुत धार्मिक स्थान हैं जहां पर हजारो, लाखों और करोड़ों की तादाद में पर्यटक माथा टेकने के लिए आते हैं परंतु हमने देखा है कि वहां पर उनको रहने की कोई व्यवस्था नहीं होती है। पर्यटन की दृष्टि से उनको कोई सुविधा वहां पर उपलब्ध नहीं होती। यदि हम उन स्थानों के ऊपर पर्यटन की दृष्टि से विकसित करेंगे तो मैं कह सकता हूं कि पर्यटकों की संख्या हमारे प्रदेश में अवश्य बढ़ेगी।

हमारे नालागढ़ निर्वाचन क्षेत्र में फैक्ट्रियां बहुत ज्यादा हैं। बी.बी.एन.डी.ए. सरकार ने बना रखी है उसमें 2600 के करीब फैक्टियां लगी हुई हैं। लेकिन देखने में यह आया कि फैक्ट्रियों के जो मालिक और उनके बच्चे हैं वे वहां रहना पसंद नहीं करते। क्योंकि उनके लिए उपयुक्त सुविधा नहीं है। पर्यटन के लिए वहां पर कुछ स्थान चिन्हित किए जाने चाहिए। ताकि हमारे उद्योगपति है वे वहां रह सकें और बच्चों को वे अच्छी शिक्षा प्रदान कर सकें। इसी तरह यहां पर बहुत बाते की गईं। हमारे जो विदेशी पर्यटक हैं उनकी बात करें तो उनके लिए भी हमारी सरकार को सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए। उसके डेलिगेशन यहां से विदेशों को जाने चाहिए । हमारे प्रदेश का जो सौन्दर्य है उसे पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा सके। ताकि विदेशों से पर्यटक हमारे प्रदेश आए और हमारी आर्थिकी बड़े। जब कुल्लू और मनाली के लिए पर्यटक जाते हैं तो 4-4 और 5-5 घंटे पर्यटक जाम में फसे रहते हैं। हम भी एक दिन विधान सभा खत्म होने के उपरांत बिलासपुर की तरफ से मनाली जा रहे थे, रास्ते में हम पांच घंटे तक जाम में फसे रहे। अगर यातायात की व्यवस्था इस तरह की होगी तो कोई भी पर्यटक हमारे प्रदेश में आना पसंद नहीं करेगा। यातायात की दृष्टि से भी पर्यटकों को सुविधा मुहैया करवाई जानी

चाहिए । हमें पता चला है कि हिमाचल प्रदेश पर्यटन विभाग के 36 होटलों को बेचा जा रहा है। इस तरह की स्थिति नहीं आनी

27.08.2018/1840/बी.एस/ए.जी./-2

चाहिए। हम तो चाहते हैं कि और अधिक सरकारी होटलों की संख्या बढ़ाई जाए। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं इस तरह से सरकारी संपत्ति को न बेचा जाए और आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में जितना विकसित करना पड़े करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

27.08.2018/1840/बी.एस/ए.जी./-3

अध्यक्ष : अब अंतिम वक्ता माननीय सदस्य श्री सुन्दर सिंह ठाकुर जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री सुन्दर सिंह ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, मुझे अंतिम वक्ता के रूप में सरकार की पर्यटन नीति पर बोलने का मौका मिला है । मैं यह बोलना चाहूंगा Last but not the least. मुझे बात करनी है कि हमारे सहयोगी पठानिया जी ने बहुत दृढ़ता के साथ एक अहम विषय को रखा है और बात हुई है "सरकार की पर्यटन नीति" मैं तो कहूंगा कि नीति के लिए नीयत की जरूरत है। वह नीयत कैसी होगी ? जब हम इतने महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर रहे हैं तो एक मात्र अधिकारी इस माननीय सदन में उपस्थित है जो हमारी इस चर्चा को नोट कर रहे हैं।

श्री डी.टी. द्वारा जारी .....

27-08-2018/1845/DT/DC-1

श्री सुन्दर सिंह ठाकुर .. जारी...

यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है इसमें लोक निर्माण विभाग के भी अधिकारी होने चाहिए इसमें वन विभाग से भी अधिकारी होने चाहिए।

अध्यक्ष : पूरी लाइब्रेरी भरी है जो विषय को नोट कर रहे हैं कृपया आप अपनी बात करिए।

श्री सुन्दर सिंह ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, मैं राजनीति से प्रेरित बात नहीं कर रहा है मैं यह कह रहा हुं कि आज तक चर्चाएं ही हुई हैं। इस वायुमंडल में ये बातें बाद में गुम हो जाती है। आज से छः महीने पहले हमने बातें कही थीं और पूर्व में ही हुई है । मैं इस माननीय सदन में पहली बार आया हूं। इस करके अपनी बात दृढ़ता से कहना चाहता हूं। हम भुक्त-भौगी हैं। करोड़ों के कर्जे हमारे लोगों ने ले रखे हैं। पर्यटन की जो दशा पिछले सालों में हम देख रहे हैं हिमाचल प्रदेश कश्मीर के बाद अग्रणी राज्य था लेकिन आज हमारे प्रदेश से आगे बहुत सारे प्रदेश आगे हो चुके हैं। केरल में इस क्षेत्र में प्रकृतिक आपदा से नुकसान हुआ है। हमने कश्मीर की गड़बड़ को कभी नही भुनाया। हम आज उत्तराखण्ड एक छोटे से रूप में आया था। वे अपने प्रदेश में ऐसी नीति ले करके आए हैं कि हिमाचल प्रदेश से कई गुणा आगे निकल गए हैं। आज उत्तराखण्ड के पास अपनी पूरी फलीट है, जहाज ही जहाज आज उनके पास है । हम अभी भी हैली टैक्सी की बात कर रहे हैं। सरकार ने अपने एवियेशन खोल रखे हैं। क्यों न हम इसी विषय पर नीति बनाएं। मैंने देखा जब ट्रेवल टूरिज्म फेयर जब लगते हैं, हमारा हिमाचल प्रदेश का जो पर्यटन विभाग है तब हम खुद अटैची उठा करके वहां जाते हैं तो हमारे पर्यटन विभाग का एक काउंटर होता है और टी.टी.एफ. होता है उसमें भी पिछले साल के जो बचे हुए वैनर उन्हें लेकर आते हैं और उन्हें टांग दिया जाता है। जबकि कश्मीर, उत्तराखण्ड, मध्यप्रदेश और राजस्थान में पूरे-पूरे पेवेलियन सजे होते हैं। हम किस ठोस नीति के तहत आगे बढ़ रहे हैं। हमें सच में इसमें एक नियत दिखानी पड़ेगी । मैं यह बात

27-08-2018/1845/DT/DC-2

राजनीति से ऊपर उठ कर कहना चाहूंगा क्योंकि यह एक अहम विषय है। आज यूरोप, स्विट्जरलैंड या दुबई जाइए। दुबई में वहां ऑयल रिजर्व थे उनकी टोटल इनकम ऑयल से आ रही थी जैसे ही उन्होंने देखा कि ऑयल का रिर्जव खत्म होने वाला है उन्होंने पर्यटन की तरफ फोकस किया। आज जितने भी 90 प्रतिशत पर्यटक भारतीय हैं। हमें विदेशी पर्यटक की आवश्यकता नहीं है हम घरेलू पर्यटन की तरफ फोकस करें तो हमारे हिमाचल प्रदेश का एक-एक कोने में घरेलू पर्यटक पहुंचना चाहता है। वह भरमौर पहुंचना चाहता है, किनौर पहुंचना चाहता है सभी क्षेत्रों में पर्यटन की संभावनाएं हैं। लेकिन हमारे में एक टास्क फोर्स होनी चाहिए। सभी विभाग इनवॉल्व होने चाहिए। हमने हिमाचल प्रदेश में देखा कि पर्यटन के विभाग को ऐसे देखा जाता है जैसे कि वह मेन कोर्स के साथ सलाद हो और उसके साथ में जो हायर ऑफिसर्ज जो सचिव ऐसे लगाए जाते हैं उनके पास यदि 10 विभाग होंगे तो 11वां विभाग पर्यटन होगा। हरियाणा में मैने देखा है जब मैं पर्यटन विभाग में सलाहकार था तो राफटिंग पर्यटन हरियाणा से हिमाचल प्रदेश में ले कर आए थे। आज राफटिंग से करोड़ों रूपया प्रदेश को आ रहा है। जब 1994 में कुल्लू में उन्होंने राफटिंग शुरू की थी उनके इतने बड़े सीनियर अधिकारी बैठते हैं और उन अधिकारियों के विभाग कभी नहीं बदले जाते है। उनको स्वतंत्र काम करने दिया जाता है हमें भी इसी तरह सरकार के अंदर काम करना होगा । इस विभाग को हलके में नहीं लेना पड़ेगा । इसमें जो रोजगार की अपार क्षमताएं हैं उसके ऊपर पहले बहुत चर्चाएं होती थी उनको मैं दोहराना नहीं चाहूंगा। लेकिन आज सिक्किम की बात हुई, सिक्किम में एक केसिनों खोला केन्द्र सरकार से दबाव था और मुझे सिक्किम जाने का मौका बहुत पहले मिला था वहां पर केन्द्र सरकार का दबाव था कि आप केसीनो नहीं खोल सकते लेकिन सिक्किम सरकार ने बोला कि यह हमारे कल्चर में है क्योंकि वहां गोरखा डोमिनेटिड एरिया है और

श्री एन.जी. द्वारा जारी ...

27/8/2018/1850/डी0सी0/एन0जी0-1

श्री सुन्दर सिंह ठाकुर जारी.....

उन्होंने केन्द्र सरकार की बात को भी दरकिनार करते हुए वहां पर कैसिनों खोला और उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उनमें एक दृढ़ इच्छा है । जो बात माननीय सदस्य श्री राकेश पठानिया जी ने कही मैं इनकी बात का समर्थन करता हूं, ऐसी सम्भावनाओं को हिमाचल में भी देखा जाना चाहिए। Across the party lines इन बातों पर आगे बढ़ाना चाहिए । यह एक महत्वपूर्ण विषय है क्योंकि हमारे हज़ारों होटलस टूरिज्म के कारण चल रहे हैं । यहीं होटलस आज एनजीटी की वजह से परेशानी में हैं, टीसीपी ऐक्ट की वजह से परेशानी में हैं, सडकों के कारण से परेशानी में हैं । अगर हिमाचल में स्की विलेज आ गया होता तो आज हिमाचल में बहुत बडे-बडे इन्वेस्टर्स टूरिज्म क्षेत्र में आ गए होते । मैं पूछना चाहता हूं कि स्की विलेज को किसने रोका? एक ऐसी विचारधारा जिसने जागरण मंच बना दिया और वो देवी-देवताओं के प्रतिनिधि बन गए । बड़ी-बड़ी कम्पनीयों के अधिकारी उन कथित प्रतिनिधियों के घर मोटी-मोटी अटैचियां लेकर नहीं गए इस लिए उन कथित प्रतिनिधियों ने कम्पनीयों से कहा कि देवी-देवता नाराज हैं और जिस कारण स्की विलेज रोक दिया गया । ऐसे लोगों के कारण ही आज कोई भी बडा इन्वैस्टर हिमाचल में नहीं आना चाहता । जब कम्पनी के अधिकारी कोर्ट में गए तो माननीय हाईकोर्ट ने भी उन्हें स्की विलेज लगाने के लिए allow किया है । लेकिन कोर्ट के फैसले के बावजूद भी इन्वैस्टर्स ने कहा कि हम हिमाचल प्रदेश में नहीं आना चाहते क्योंकि कोई भी जब मर्जी हो देवी-देवताओं के नाम पर खडा हो जाए और ऐसे बडे-बडे प्रोजैक्टस को रोक दे । अगर आप चाहते हैं कि हिमाचल प्रदेश में टूरिज्म का विकास हो तो हिमाचल प्रदेश में ऐसी चीजों को रोकना भी बहुत जरूरी है । इसके साथ ही मैं एक बात कहना चाहूंगा कि 6 महीने बाद हम फिर से इस विषय पर चर्चा करने न आए और इसके लिए एक टूरिज्म टास्क फोर्स बननी चाहिए। जिसमें सत्ता पक्ष के और विपक्ष के लोग हर महीने बैठक करें, जिस प्रकार हमारी कमेटियों की बैठक होती है वैसे ही एक बैठक टूरिज्म के विकास के लिए भी होनी चाहिए और इसके विकास के लिए हम सब को मिल कर काम करना होगा । हिमाचल प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र में टूरिज्म के विकास की अपार सम्भावनाऐं है । इसके लिए हमें Forest Department , Public Works Department, I&PH Department, Pollution Board & Town and Country Planning सारे महकमों को इकठठा करके

27/8/2018/1850/डी0सी0/एन0जी0-2

हमें इस निति के उपर विचार करना पडेगा । मैं माननीय सदस्य श्री राकेश पठानिया जी का समर्थन करता हूं, उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण विषय रखा । अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय दिया इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं ।

अध्यक्षः अब इस माननीय सदन की बैठक मंगलवार,दिनांक 28-08-2018 के 11:00 बजे पूर्वाहन तक स्थगित की जाती है ।

शिमला-171004 **यशपाल शर्मा,**
दिनांक : 27 अगस्त,2018 **सचिव।**